

किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0:

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

दैनिक हिन्दी समाचार • समाज जागरण • RNI NO. UPHIN/2021/84200

वर्षः 5 अंकः 44 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) मंगलवार 24 नवम्बर 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

समुद्र में दुश्मन की पनडुब्बियों का काल बनेगा स्वदेशी युद्धपोत 'आशंक', नौसेना को मिला नया सुरक्षा कवच

नई दिल्ली। समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में भारतीय नौसेना को एक और स्वदेशी युद्धपोत मिला है। रक्षा मंत्रालय के सार्वजनिक उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने सोमवार को पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'आशंक' भारतीय नौसेना को सौंप दिया। यह पोत समुद्र की गहराई में छिपी दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने और उनके खिलाफ अभियान चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विशेष रूप से तटीय और कम गहराई वाले समुद्री क्षेत्रों में इसकी तैनाती नौसेना की निगरानी क्षमता को मजबूत करेगी।

पनडुब्बियों की गतिविधियों पर रखेगा नजर

'आशंक' को विशेष रूप से पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए तैयार किया गया है। समुद्र के भीतर छिपी पनडुब्बियों का पता लगाना और उनकी गतिविधियों पर नजर रखना इसका प्रमुख दायित्व होगा। ऐसे समुद्री क्षेत्रों में जहां पानी की गहराई कम होती है, वहां पनडुब्बियों का पता लगाना चुनौतीपूर्ण होता है। यह युद्धपोत इन परिस्थितियों में नौसेना को अतिरिक्त परिचालन क्षमता प्रदान करेगा।

46 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार

इस युद्धपोत की अधिकतम गति लगभग 46 किलोमीटर प्रति घंटा बताई गई है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स का अनुमान, 2027 में भारत और वियतनाम एशिया-प्रशांत क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाएं होंगी; महंगाई, अल नीनो और ऊर्जा की ऊंची कीमतें बन सकती हैं बड़ी चुनौती

सात प्रतिशत की विकास दर से दौड़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था, दुनिया की तेज अर्थव्यवस्थाओं में भारत की धाक बरकरार

समाज जागरण/रमन झा

नई दिल्ली। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितताओं और महंगाई के दबाव के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास यात्रा मजबूती के साथ आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अनुमान

आम आदमी के लिए सबसे बड़ा सवाल

विकास 7%, महंगाई 6.1%!

अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ेगी, लेकिन क्या आम परिवार की जेब को राहत मिलेगी?

जताया है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2026-27 और अगले वित्त वर्ष में सात प्रतिशत रह सकती है। इस अनुमान के साथ भारत वर्ष 2027 में भी एशिया-प्रशांत क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बनाए रखेगा। हालांकि, विकास की इस रफ्तार के सामने महंगाई, ऊर्जा की ऊंची कीमतें और अल नीनो का खतरा बड़ी चुनौती बनकर उभर रहे हैं।

एसएंडपी की एशिया-प्रशांत क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और वियतनाम वर्ष 2027 में इस क्षेत्र की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाएं हो सकती हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत घरेलू खपत, सार्वजनिक क्षेत्र के निवेश और वस्तुओं के निर्यात से लगातार समर्थन मिल रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पादों और रसायनों के निर्यात में मजबूती के साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की बढ़ती भागीदारी ने भी आर्थिक विकास को गति दी है।

निर्यात और घरेलू मांग बने अर्थव्यवस्था की ताकत

रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती के पीछे घरेलू मांग और निर्यात की महत्वपूर्ण भूमिका बताई गई है। अप्रैल-जून और जुलाई-सितंबर तिमाही में वस्तुओं के मजबूत निर्यात, सरकारी निवेश और घरेलू खपत ने आर्थिक गतिविधियों को सहारा दिया। कर्ज की मजबूत वृद्धि से घरेलू खपत में तेजी आई है। ऊंची जिंस कीमतों से वस्तुओं के निर्यात को भी लाभ मिला है। इसके अलावा व्यापारिक विविधता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की बढ़ती हिस्सेदारी ने निर्यात के नए अवसर पैदा किए हैं।

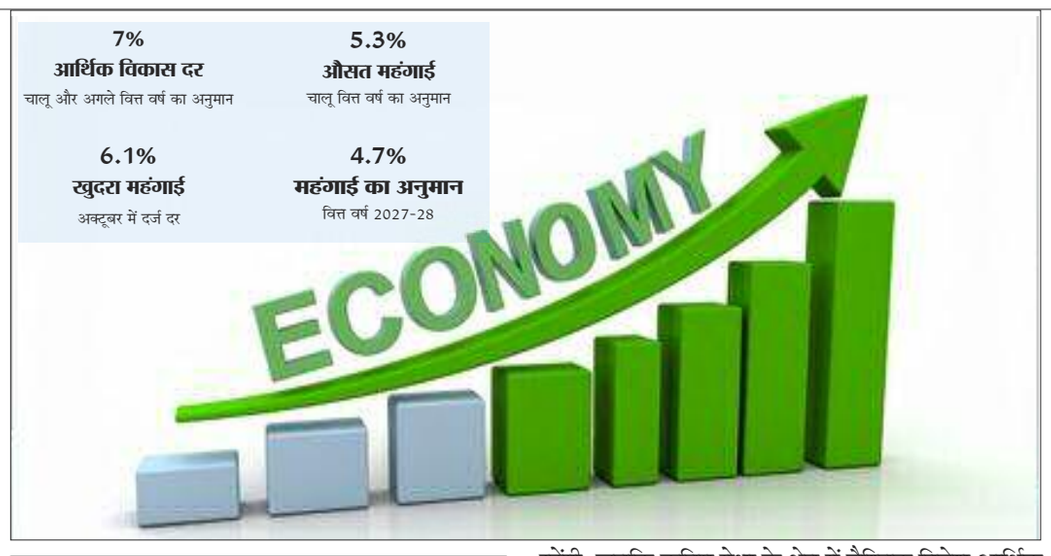

"2027 में भारत और वियतनाम एशिया-प्रशांत क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाएं होंगी।"

– एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स

एशिया-प्रशांत आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट का कथन

एसएंडपी के अनुसार, ऊर्जा की ऊंची कीमतें एशिया-प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी रहेंगी, जबकि कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में वैश्विक निवेश आर्थिक विकास के लिए सकारात्मक कारक साबित होगा। हालांकि, एजेंसी का मानना है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में आर्थिक वृद्धि और महंगाई का परिदृश्य पहले की तुलना में कुछ कम अनुकूल हो सकता है।

30 नवंबर को आएंगे जीडीपी के आधिकारिक आंकड़े

भारत की जुलाई-सितंबर तिमाही की आर्थिक वृद्धि के आधिकारिक आंकड़े 30 नवंबर को जारी किए जाएंगे। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक ने सितंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था, जबकि वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा में इसके 7.35 प्रतिशत रहने की संभावना व्यक्त की गई थी। एसएंडपी ने मार्च 2028 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई घटकर 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

विकास के साथ महंगाई की नई चुनौती

अर्थव्यवस्था की मजबूती के बीच एसएंडपी ने महंगाई को लेकर गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, अल नीनो के प्रभाव से मानसून का असमान वितरण हो सकता है। गर्मियों में कम बारिश और जलाशयों में पानी का स्तर घटने से कृषि उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। इसका असर आगामी रबी फसल पर भी पड़ सकता है। कृषि उत्पादन में गिरावट अथवा लागत बढ़ने की स्थिति में खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। एजेंसी का मानना है कि उत्पादन लागत में होने वाली वृद्धि का बोझ धीरे-धीरे उपभोक्ताओं पर डाला जाएगा, जिससे आम आदमी की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ सकता है।

एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई औसतन 5.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। वहीं अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.1 प्रतिशत पहुंच गई, जो भारतीय रिजर्व बैंक के दो से छह प्रतिशत के निर्धारित संतोषजनक दायरे से अधिक है। महंगाई के इस दबाव को देखते हुए एजेंसी ने आशंका जताई है कि भारतीय रिजर्व बैंक दिसंबर में नीतिगत ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है। वर्ष 2027 की शुरूआत में भी इतनी ही वृद्धि की संभावना व्यक्त की गई है।

आर्थिक तस्वीर का एक पक्ष भारत की तेज विकास दर और वैश्विक स्तर पर बढ़ती आर्थिक भूमिका है, तो दूसरा पक्ष महंगाई, कृषि उत्पादन और ऊर्जा लागत से जुड़ी चुनौतियों का है। आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था की असली परीक्षा यही होगी कि विकास की रफ्तार बनाए रखते हुए महंगाई पर कितना प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है।

मोदी से मुलाकात के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने जताया भारत का आभार, बोले- हर संकट में सबसे पहले मिला साथ

समाज जागरण ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक संबंधों को नई मजबूती देने की दिशा में सोमवार को महत्वपूर्ण पहल हुई। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने भारत को भरोसेमंद और विश्वसनीय पड़ोसी बताते हुए भारत सरकार और भारतीय जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से लेकर कठिन परिस्थितियों तक भारत हमेशा नेपाल की सहायता के लिए सबसे पहले आगे आया है। दोनों देशों के संबंध केवल कूटनीतिक समझौतों तक सीमित नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, सम्मान और लोगों के बीच गहरे आत्मीय रिश्तों पर आधारित हैं। संयुक्त प्रेस बयान में नेपाल के प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और नेपाल की मित्रता हिमालय की तरह अडिग और महासागर की तरह विशाल है। इस संबंध की गहराई को शब्दों में व्यक्त करना आसान नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को भारत यात्रा का निमंत्रण देने और गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए धन्यवाद दिया।

ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक विकास साझेदारी में बदलने की पहल

बालेंद्र शाह ने बताया कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच हुई बातचीत सकारात्मक, गंभीर और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर की गई। इसमें व्यापार, संपर्क सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और आपसी सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा हुई। कई महत्वपूर्ण सहमतियों के साथ विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का भी



उल्लेख किया गया।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि द्विपक्षीय संबंधों की सफलता केवल समझौतों पर हस्ताक्षर करने से नहीं, बल्कि उनके वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक पहुंचने से तय होगी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के किसानों, युवाओं, विद्यार्थियों और उद्यमियों को इस साझेदारी का सीधा लाभ मिलना चाहिए। इससे रोजगार, शिक्षा, निवेश और व्यापार के नए अवसर पैदा होंगे।

राम-जानकी के युग से जुड़े हैं दोनों देशों के रिश्ते

नेपाल के प्रधानमंत्री ने भारत और नेपाल के सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों का रिश्ता भगवान राम और माता जानकी के पवित्र युग से जुड़ा हुआ है। साझा सभ्यता, धार्मिक परंपराएं और सामाजिक निकटता इस मित्रता को विशिष्ट बनाती हैं। हिमालय से निकलकर गंगा में मिलने वाली नदियां दोनों देशों की साझा विरासत और भविष्य का प्रतीक हैं।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन को गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि हिमालयी पर्यावरण, जल संसाधनों और प्राकृतिक संतुलन की रक्षा के लिए भारत और नेपाल को मिलकर प्रयास करने होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी को नेपाल आने का निमंत्रण

संयुक्त बयान के अंत में बालेंद्र शाह ने नेपाल की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नेपाल यात्रा का निमंत्रण दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आपसी सहयोग और सद्भावना से दोनों देशों के संबंध आने वाली पीढ़ियों के लिए विकास और समृद्धि के नए रास्ते खोलेंगे।

जामा मस्जिद थाने में चाकूबाजी, नौ पुलिसकर्मी घायल; छह गोलियां चलाकर आरोपी को दबोचा

समाज जागरण

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली के जामा मस्जिद थाने में सोमवार दोपहर काउंसलिंग के लिए बुलाए गए युवक ने पांच पुलिसकर्मियों पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह थाने से फरार हो गया। भागते समय उसे पकड़ने पहुंचे चार अन्य पुलिसकर्मी भी उसके हमले में घायल हो गए। पुलिस ने छह गोलियां चलाकर आरोपी को काबू किया।

आरोपी की पहचान करीब 30 वर्षीय नबील निवासी काला महल, जामा मस्जिद के रूप में हुई है। उसकी मां और बहन ने उसे परेशान करने की शिकायत पुलिस से की थी। इसी सिलसिले में उसे दोपहर करीब 2:30 बजे थाने बुलाया गया था। बातचीत के दौरान उसने अचानक चाकू निकालकर पुलिसकर्मियों के चेहरे और गर्दन पर वार कर दिए। घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के लिए सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आजम खान को एनकाउंटर का डर होना चाहिए

भाजपा नेता संगीत सोम के बयान से यूपी की सियासत गरमाई

समाज जागरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच भाजपा नेता संगीत सोम ने सपा नेता आजम खान को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आजम खान को एनकाउंटर का डर होना चाहिए। उनके इस बयान से प्रदेश की सियासत में नई बहस छिड़ने के आसार हैं।



उधर, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू कर दी है। सोमवार को नई दिल्ली में दोनों दलों के नेताओं के बीच पहले दौर की चर्चा हुई। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के मुताबिक, पार्टी 20 दिसंबर तक सीटों के बंटवारे पर सहमति बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

बातचीत में सपा की ओर से राम गोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव और राजीव राय सहित अन्य नेता शामिल हुए। कांग्रेस भी 2024 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन के प्रदर्शन के आधार पर अधिक सीटों की दावेदारी कर सकती है।



यूपी में नया साल चुनावी बिगुल के साथ देगा दस्तक



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगने की आहट के साथ ही पूरे प्रदेश में राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। नेता टिकट के लिए दौड़ लगा रहे हैं, तो योगी सरकार अपने मनपसंद अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग में लगी है। आचार संहिता लगने से पूर्व सरकार विकास की किसी योजना को भी मंजूरी देने और नई योजनाओं का उद्घाटन करने में लगी है। प्रदेश में आचार संहिता लगने के लिए दो महीने से भी कम का समय बाकी रह गया है। यह कहना गलत नहीं होगा कि नया साल और आचार संहिता एक साथ 'दस्तक' देंगे। लोकतंत्र के इस सबसे बड़े उत्सव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से प्रत्येक चुनाव से पूर्व आदर्श आचार संहिता लागू की जाती है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा का पांच साल का कार्यकाल 19 मार्च 2027 को समाप्त होने जा रहा है। संवैधानिक नियमों के तहत निर्वाचन आयोग किसी भी विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले तक की अवधि में कभी भी चुनाव करा सकता है। निर्वाचन आयोग की ओर से अभी तक 2027 के चुनावों की आधिकारिक तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन पिछले चुनावी चक्रों और उपलब्ध जानकारियों के आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मतदान फरवरी या मार्च 2027 में हो सकता है। इसके लिए नए साल के दूसरे हफ्ते तक आचार संहिता लागू हो सकती है। साल 2022 के विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग ने 8 जनवरी 2022 को कार्यक्रम की घोषणा की थी और उसी दिन से प्रदेश में आचार संहिता लागू हो गई थी। इसी पैटर्न को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि 2027 के चुनावों के लिए भी जनवरी 2027 के पहले या दूसरे सप्ताह में चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ ही पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो सकती है। जब तक आयोग की आधिकारिक घोषणा नहीं हो जाती, तब तक इन तारीखों को संभावित ही माना जाता है।

आदर्श आचार संहिता के लागू होते ही प्रदेश की पूरी शासन व्यवस्था और सरकारी कामकाज के तौर-तरीकों में बड़ा बदलाव आ जाता है। चूंकि आचार संहिता का मुख्य उद्देश्य सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को समान अवसर प्रदान करना है, इसलिए सत्ताधारी दल के हाथों से प्रशासनिक मशीनरी के इस्तेमाल का अधिकार सीमित हो जाता है। चुनाव की तारीखों की घोषणा के तुरंत बाद राज्य का पूरा प्रशासनिक तंत्र, विशेष रूप से चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी और पुलिस बल, सीधे तौर पर निर्वाचन आयोग के नियंत्रण और निगरानी में आ जाते हैं। इसके बाद सरकार कोई भी नया नीतिगत फैसला नहीं ले सकती और न ही किसी नई कल्याणकारी योजना, परियोजना या वित्तीय अनुदान की घोषणा कर सकती है। मुख्यमंत्री, मंत्री या किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए नए कार्यों का शिलान्यास, लोकार्पण या भूमि पूजन करने पर पूरी तरह से रोक लग जाती है। सरकारी खजाने से सरकार की उपलब्धियों का बखान करने वाले विज्ञापनों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया जाता है। यहां तक कि सरकारी वेबसाइटों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों से मंत्रियों और नेताओं की तस्वीरें, पोस्टर और बैनर तय समय सीमा के भीतर हटा दिए जाते हैं। सरकारी संपत्तियों से प्रचार सामग्री हटाने के लिए 24 घंटे, सार्वजनिक स्थानों के लिए 48 घंटे और निजी संपत्तियों के लिए 72 घंटे की समय सीमा निर्धारित होती है। सरकारी कामकाज पर इसका एक और बड़ा असर तबादलों और नियुक्तियों के रूप में दिखता है। चुनाव प्रक्रिया से जुड़े किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का तबादला या नई तैनाती बिना चुनाव आयोग की पूर्व अनुमति के नहीं की जा सकती। मंत्रियों के सरकारी वाहनों और गेस्ट हाउस के इस्तेमाल पर भी सख्त पाबंदी लग जाती है। कोई भी मंत्री अपने सरकारी दौरे को चुनाव प्रचार के साथ नहीं जोड़ सकता और न ही सरकारी कर्मचारियों या संसाधनों का उपयोग चुनावी सभाओं के लिए कर सकता है। हालांकि, इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि प्रदेश में विकास कार्य या रोजमर्रा के सरकारी काम पूरी तरह ठप हो जाते हैं। जो परियोजनाएं आचार संहिता लगने से पहले ही धरातल पर शुरू हो चुकी हैं, उनका निर्माण कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। इसी तरह, पहले से चल रही पेंशन, राशन वितरण, स्वास्थ्य सेवाएं, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और प्राकृतिक आपदा या आपातकालीन स्थिति में राहत पहुंचाने जैसे नियमित प्रशासनिक कार्यों पर कोई रोक नहीं होती। सरकार केवल रूटीन के कामकाज ही निपटा सकती है, लेकिन किसी नए वर्ग को लुभाने वाला कोई फैसला नहीं ले सकती।

चुनावी बिगुल बजने और आचार संहिता लागू होने की इस समय सीमा को भांपते हुए हर सरकार उससे ठीक पहले के महीनों और हफ्तों में बेहद सक्रिय हो जाती है। आचार संहिता लगने से पहले सरकार की कोशिश होती है कि वह अपने सभी प्रमुख चुनावी वादों को पूरा कर दे और जनता को सीधे लाभ पहुंचाने वाले बड़े फैसले ले ले, ताकि चुनाव में इसका राजनीतिक लाभ मिल सके। इस कड़ी में सबसे पहला और अहम कदम बड़ी विकास परियोजनाओं के ताबड़तोड़ शिलान्यास और लोकार्पण का होता है। एक्सप्रेसवे, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, हवाई अड्डे और बड़े पुलों जैसी परियोजनाओं का उद्घाटन आनन-फानन में किया जाता है, ताकि काम शुरू होने या पूरा होने का श्रेय लिया जा सके। इसके साथ ही, राज्य कैबिनेट की लगातार बैठकें बुलाकर विभिन्न वर्गों को खुश करने वाली नई योजनाओं को मंजूरी दी जाती है। इनमें किसानों के लिए ऋण माफी या सम्मान निधि में बढ़ोतरी, युवाओं को मुफ्त टैबलेट, स्मार्टफोन या लैपटॉप वितरण, बेरोजगारी भत्ता और महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता जैसी लोकलुभावन घोषणाएं शामिल होती हैं। यह कार्य योगी सरकार भी कर रही है और पूर्ववर्ती सरकारें भी करती रही हैं।

प्रशासनिक स्तर पर आचार संहिता लगने से ठीक पहले बड़े पैमाने पर आईएएस, आईपीएस, पीसीएस और पीपीएस अधिकारियों के तबादले किए जाते हैं। सरकार अपनी सुविधा और प्रशासनिक चुस्ती के हिसाब से जिलों में जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों की तैनाती करती है, क्योंकि एक बार आचार संहिता लागू होने के बाद तबादलों की चाबी चुनाव आयोग के पास चली जाती है। इसके अलावा, सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के बड़े वोट बैंक को साधने के लिए महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी, बोनस की घोषणा, पदोन्नति और नई भर्तियों के विज्ञापन जारी करने जैसे फैसले भी इसी दौर में लिए जाते हैं। कई बार सरकार विभिन्न आयोगों, बोर्डों और निगमों में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियां भी आचार संहिता लगने से ऐन पहले कर देती है, ताकि सहयोगी दलों और पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को समायोजित किया जा सके। इसी तरह, किसी क्षेत्र विशेष की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए नई तहसील, ब्लॉक या नगर पंचायत के गठन और किसी स्थान या संस्थान के नाम परिवर्तन जैसे फैसले भी कैबिनेट से पास कराए जाते हैं। कुल मिलाकर, आचार संहिता लागू होने से पहले का समय सरकार के लिए अपने तरकश के सभी तीर चलाने का होता है, जबकि आचार संहिता लागू होने के बाद पूरा तंत्र निष्पक्ष चुनाव कराने की संवैधानिक जिम्मेदारी में जुट जाता है।

अजय कुमार

सत्ता-संगठन की दूरी पाटने यूपी के हर जिले में उतरेंगे बीजेपी के दिग्गज



उत्तर प्रदेश में अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। 2024 के लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश के भीतर पार्टी को जो झटका लगा था, उससे सबक लेते हुए भाजपा नेतृत्व अब किसी भी तरह की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। इसी कड़ी में पार्टी ने एक बेहद महत्वपूर्ण और व्यापक रणनीति तैयार की है, जिसके तहत संगठन के वरिष्ठ नेता राज्य के हर जिले में जाकर सीधे जमीनी कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे और उनकी बात सुनेंगे। इस पूरी कवायद का मकसद न केवल कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करना है, बल्कि चुनाव से काफी पहले संगठन की कमजोर कड़ियों की पहचान कर उन्हें दुरुस्त करना भी है। पार्टी की इस नई रणनीति के केंद्र में राज्य के सभी जिलों का दौरा है। यूपी भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े, सह-प्रभारी मेधा कुलकर्णी, जगदीश पटेल, प्रदीप वर्मा, अनंत ओझा और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में वरिष्ठ नेताओं की अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश के हर जिले में प्रवास करेंगी। इस दौरान ये नेता स्थानीय पदाधिकारियों, बूथ स्तर के कार्यकताओं और आम लोगों से मुलाकात करेंगे। इसका सीधा उद्देश्य यह समझना है कि जमीनी स्तर पर सरकार की योजनाओं का क्या असर हो रहा है, कार्यकताओं के मन में किस बात को लेकर असंतोष है और संगठन में कहां सुधार की गुंजाइश है।

इस व्यापक अभियान की नींव हाल ही में मथुरा में आयोजित दो दिवसीय चिंतन बैठक में रखी गई थी। इस महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष सहित पार्टी के करीब 50 प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया। हालांकि, इस बैठक के दौरान पार्टी के भीतर के कुछ पुराने समीकरण भी चर्चा में रहे। राज्य के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कलराज मिश्र, विनय कटियार और ओम प्रकाश सिंह जैसे वरिष्ठ नेता इस बैठक में शामिल नहीं हुए थे। विनय कटियार ने तो यहां तक कहा कि उन्हें इस बैठक के बारे में कोई सूचना ही नहीं दी गई थी, जो यह दशार्ता है कि पार्टी को अभी भी अपने वरिष्ठ नेताओं के बीच समन्वय बनाने के लिए काफी काम करना होगा। बैठकों के इस दौर में सरकार और संगठन के बीच संवादहीनता का मुद्दा भी खुलकर सामने आया। मथुरा की चिंतन बैठक में बी.एल. संतोष ने सभी नेताओं से सीधे पूछा कि साल 2017 में राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ऐसे कितने लोग हैं, जो अब तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल पाए हैं। इस सवाल पर पुष्कर मिश्रा, रंजना उपाध्याय और त्रयंबक त्रिपाठी जैसे नेताओं ने हाथ उठाए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद इन नेताओं की मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत मुलाकात करवाई गई। इससे पहले गोरखपुर में हुई एक अन्य बैठक में भी जमीनी हकीकत सामने आई थी, जब सह-प्रभारी जगदीश पटेल ने अपने बुंदेलखंड दौरे का अनुभव साझा किया था। उन्होंने बताया था कि ग्रामीणों ने हर घर जल योजना को लेकर गंभीर शिकायतें की हैं, जिस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल जांच के आदेश देने की बात कही थी। मथुरा बैठक के तुरंत बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली जाकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन नवीन और बी.एल. संतोष के साथ भी लंबी मंत्रणा की, क्योंकि अमित शाह व्यस्तता के कारण मथुरा की बैठक में शामिल नहीं हो सके थे।

अगर इस पूरी रणनीति का राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टिकोण से विश्लेषण किया जाए, तो कई महत्वपूर्ण पहलू उभरकर सामने आते हैं। सबसे पहली बात यह है कि भाजपा ने इस बार समय से बहुत पहले चुनावी मोड में आने का फैसला किया है। आमतौर पर चुनावों से कुछ महीने पहले सक्रिय होने वाला संगठन अब सवा साल पहले से ही अपनी कमियों को दूर करने में जुट गया है। पार्टी को इस बात का अहसास है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में मिली हार का एक बड़ा कारण कार्यकताओं की उदासीनता और स्थानीय स्तर पर विधायकों व अधिकारियों के प्रति नाराजगी थी। इसके अलावा, पार्टी को संगठनात्मक स्तर पर पूर्व संगठन महामंत्री सुनील बंसल की कमी भी महसूस हो रही है, जिनकी बूथ प्रबंधन और कार्यकताओं से सीधे जुड़ाव की रणनीति ने पिछले चुनावों में भाजपा को बड़ी जीत दिलाई थी। अब विनोद तावड़े और पंकज चौधरी की टीम उसी खालीपन को भरने की कोशिश कर रही है। दूसरा बड़ा विश्लेषण पार्टी के वैचारिक और चुनावी नैरेटिव में हो रहे बदलाव को लेकर है। 2024 के चुनावों में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए का जो फॉर्मूला चलाया था, उसने भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाई थी। इसके साथ ही भाजपा के 'अबकी बार चार सौ पार' के नारे को विपक्ष ने संविधान और आरक्षण खत्म करने की साजिश के तौर पर प्रचारित किया था, जिसका भारी नुकसान पार्टी को उठाना पड़ा। अब 2027 के चुनावों के लिए भाजपा अपनी इस गलती को दोहराना नहीं चाहती। पार्टी नेतृत्व का स्पष्ट मानना है कि विपक्ष के जातीय समीकरणों और पीडीए की राजनीति का मुकाबला केवल सामाजिक न्याय की बातों से नहीं किया जा सकता, बल्कि इसके लिए हिंदुत्व की धार को फिर से तेज करना होगा।

इसी रणनीति के तहत भाजपा ने अयोध्या के बाद अब मथुरा को अपने वैचारिक एजेंडे के केंद्र में लाने के संकेत दिए हैं। मथुरा की बैठक में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट रूप से कहा कि मथुरा में भव्य कृष्ण मंदिर का निर्माण पार्टी के चुनावी एजेंडे का एक अहम हिस्सा होगा। इस दौरान बैठक में 'राधे-राधे, कमल खिला दे' जैसा नया नारा भी गूंजा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मथुरा का मुद्दा उठाकर भाजपा एक तीर से दो निशाने साधने की कोशिश कर रही है। एक तरफ यह मुद्दा हिंदुत्व के कोर वोटरों को एकजुट करेगा, तो दूसरी तरफ भगवान कृष्ण से जुड़े इस अभियान के जरिए पार्टी की नजर यादव वोट बैंक में सेंध लगाने पर भी है, जो पारंपरिक रूप से समाजवादी पार्टी का सबसे मजबूत आधार माना जाता है। इसके अलावा, सरकार की योजनाओं को लेकर जमीन से मिल रहे फीडबैक पर मुख्यमंत्री का तत्काल संज्ञान लेना यह दशार्ता है कि पार्टी अब प्रशासनिक लापरवाही को लेकर कोई समझौता नहीं करना चाहती। हर घर जल योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं में भ्रष्टाचार या लापरवाही की शिकायतों पर सीधे जांच के आदेश देकर नेतृत्व यह संदेश देना चाहता है कि जनता और कार्यकताओं की आवाज को सुना जा रहा है। कुल मिलाकर, भाजपा की यह नई कार्ययोजना इस बात का प्रमाण है कि 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव पार्टी के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है। जमीनी स्तर पर कार्यकताओं का मनोबल ऊंचा करना, सरकार और संगठन के बीच की दूरी को पाटना, वरिष्ठ नेताओं को साथ लेकर चलना और हिंदुत्व के नए प्रतीक के रूप में मथुरा को आगे बढ़ाना, ये सभी कदम भाजपा की उस बड़ी रणनीति का हिस्सा हैं, जिसके दम पर वह सत्ता में वापसी का रास्ता तैयार कर रही है।



संजय सक्सेना,लखनऊ

शंघाई सम्मेलन: ना बात, ना मुलाकात, भारत से 'खाली हाथ' लौटे पाक मंत्री



दक्षिण एशिया की कूटनीति और भारतीय राजनीति में तीन दिनों तक चली सरगर्मी के बाद पाकिस्तान के संघीय जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण समन्वय मंत्री डॉ. मुसादिक मसूद मलिक का बहुचर्चित भारत दौरा समाप्त हो गया है। 20 से 22 नवंबर 2026 तक नई दिल्ली के ऐतिहासिक पुराना किला में आयोजित पहले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यतागत संवाद फोरम में शिरकत करने के बाद वे स्वदेश लौट चुके हैं। लेकिन भारत में उन्हें कोई अहमियत नहीं दी गई। मई 2023 में तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के गोवा दौरे के तीन साल से अधिक समय बाद यह पहला मौका था, जब पाकिस्तान का कोई कैबिनेट मंत्री भारत की धरती पर पहुंचा था। लेकिन इस यात्रा की सबसे बड़ी संवेदनशीलता केवल तीन साल के अंतराल से नहीं जुड़ी थी, बल्कि इसका सीधा संबंध अप्रैल 2025 के भयावह पहलगाम आतंकी हमले और उसके जवाब में भारत द्वारा चलाए गए चार दिवसीय सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के बाद उपजे गहरे तनाव और युद्ध जैसे हालात से था। अब जब यह दौरा खत्म हो चुका है, तो यह साफ हो गया है कि इस यात्रा ने दोनों देशों के जमे हुए रिश्तों की बर्फ तो नहीं पिघलाई, लेकिन भारत की सख्त कूटनीतिक लकीर और घरेलू राजनीति के वैचारिक द्वंद्व को पूरी तरह उजागर कर दिया है।

इस पूरे तीन दिवसीय दौरे के दौरान भारत सरकार अपने उस पुराने और अडिग रुख पर चट्टान की तरह कायम रही कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते और खून व पानी एक साथ नहीं बह सकते। नई दिल्ली ने पहले ही दिन स्पष्ट कर दिया था कि मुसादिक मलिक का यह दौरा विशुद्ध रूप से एक बहुपक्षीय मंच के अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल का हिस्सा था। चूंकि भारत इस फोरम का मेजबान था जिसकी परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2025 में चीन के तियानजिन में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन में की थी इसलिए संगठन के चार्टर के तहत सभी 10 सदस्य देशों, पर्यवेक्षकों और संवाद साझेदारों को निमंत्रण भेजना भारत की कूटनीतिक बाध्यता थी। यही वजह रही कि तीन दिनों तक दिल्ली में रहने के बावजूद मुसादिक मलिक और भारत सरकार के किसी भी प्रतिनिधि के बीच कोई 'फेस टू फेस' यानी द्विपक्षीय मुलाकात या औपचारिक वार्ता नहीं हुई। इसके विपरीत, मलिक की मौजूदगी के बीच ही भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक शब्दों में दोहराया कि पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले में रत्ती भर भी बदलाव नहीं आया है। इतना ही नहीं, सुरक्षा और जनभावनाओं की संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के दिल्ली स्थित हजरत निजामुद्दीन औलिया की दरगाह जाने के अनुरोध को सिरे से खारिज कर दिया, हालांकि उन्हें आगरा के ताजमहल, हुमायूं के मकबरे, किला राय पिथौरा और दिल्ली हाट जैसे चुनिंदा ऐतिहासिक व सांस्कृतिक स्थलों के भ्रमण की अनुमति दी गई।

दौरे के समापन के साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तानी मंत्री की सॉफ्ट डिप्लोमेसी की कोशिशें भारत की सख्त घेराबंदी के सामने बेअसर रहीं। पुराना किला के मंच से मुसादिक मलिक ने हुमायूं और शेरशाह सूरी का उदाहरण देते हुए 'एक किला, दो प्रतिद्वंद्वी' जैसी प्रतीकात्मक बातें कहीं और गरीबी उन्मूलन तथा जलवायु परिवर्तन जैसे आसान मुद्दों से संवाद शुरू करने की पैरवी की। लेकिन जब भारतीय मीडिया ने उनसे सीमा पार आतंकवाद और कुछ महीने पहले सिंधु जल संधि पर दी गई उनकी खुद की 'हाथ काट देने' वाली धमकी पर तीखे सवाल पूछे, तो वे कूटनीतिक चुप्पी साधते और सबूतों की मांग करते हुए बचते नजर आए। अगले साल 2027 में पाकिस्तान में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में भारतीय नेतृत्व के शामिल होने की उम्मीद जताते हुए भी वे अपने देश लौट गए, लेकिन दिल्ली से उन्हें द्विपक्षीय संबंधों में नरमी का कोई संकेत नहीं मिला।

हालांकि, इस तनावपूर्ण माहौल और कड़े सरकारी प्रतिबंधों के बीच भी देश के कुछ हिस्सों से इस यात्रा के स्वागत और समर्थन के स्वर सुनाई दिए। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने मुसादिक मलिक के भारत आगमन का खुले दिल से स्वागत करते हुए इसे एक "मुबारक" कदम बताया और उम्मीद जताई कि यह दौरा दोनों पड़ोसी देशों के बीच संवाद की एक नई शुरूआत साबित होगा। कश्मीर की मुख्यधारा की राजनीति में नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी जैसे दलों का हमेशा से यह मानना रहा है कि सीमा पर तनाव और युद्ध के हालात का सबसे सीधा और दर्दनाक असर जम्मू-कश्मीर की जनता को झेलना पड़ता है, इसलिए बहुपक्षीय मंचों पर होने वाली ऐसी मुलाकातों को सकारात्मक दिशा में ले जाना चाहिए।

दूसरी तरफ, दिल्ली के सियासी गलियारों में इस पूरे दौरे के दौरान और इसके खत्म होने के बाद भी मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और अन्य गैर-भाजपा दलों की सोच बेहद आक्रामक और आलोचनात्मक रही है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर मोदी सरकार को दोहरे मापदंड अपनाने के आरोप में घेरा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, सांसद मनीष तिवारी, सुप्रिया श्रीनेत और इमरान मसूद शामिल हैं, ने सरकार की विदेश नीति पर गंभीर सवाल उठाए। विपक्ष की सबसे बड़ी आपत्ति इस बात को लेकर रही कि भारत ने संस्कृति मंत्री को निमंत्रण भेजा था, लेकिन पाकिस्तान ने जानबूझकर मुसादिक मलिक को भेजा वही नेता जिन्होंने सिंधु जल संधि के निलंबन पर भारत को धमकाया था। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी और मुसादिक मलिक की एक ही मंच पर मौजूदगी की तस्वीरों पर तंज कसते हुए कहा कि जो भाजपा कल तक आतंकवाद और बातचीत साथ न चलने की कसमें खाती थी, वह आज भारत को धमकाने वाले पाकिस्तानी मंत्री की मेजबानी कर रही है और उन्हें ताजमहल घुमाने की अनुमति दे रही है। शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इसे बेहद दुखद और शर्मनाक करार देते हुए कहा कि सरकार ने देश की जनता से किए अपने वादे के विपरीत जाकर पाकिस्तान के प्रति नरम रुख दिखाया है।

विपक्ष के इस रुख के पीछे केवल तात्कालिक विरोध नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति का एक पुराना इतिहास और वैचारिक द्वंद्व छिपा है। जब 2004 से 2014 के बीच केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार थी और तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए पाकिस्तान के साथ संवाद या 2009 में शर्म अल-शेख जैसे मंचों पर बातचीत करते थे, तब तत्कालीन विपक्षी दल भाजपा और गुजरात के मुख्यमंत्री रहे नरेंद्र मोदी उन पर कमजोर विदेश नीति और बिरयानी कूटनीति का आरोप लगाते थे। 2014 के बाद जब सत्ता बदली, तो विपक्ष ने भी उसी भाषा और उन्हीं पैमानों पर सरकार को घेरना शुरू कर दिया। उदाहरण के लिए, दिसंबर 2015 में जब प्रधानमंत्री मोदी अचानक नवाज शरीफ के जन्मदिन पर लाहौर पहुंचे थे, तब भी कांग्रेस ने इसे शहीदों का अपमान बताया था। इसी तरह, मई 2023 में जब बिलावल भुट्टो जरदारी गोवा में एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में आए थे, तब तत्कालीन विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उन्हें आतंकवाद का प्रवक्ता कहकर कड़ा संदेश दिया था, लेकिन विपक्ष ने उस समय भी पाकिस्तान को बुलाने पर सवाल उठाए थे।

हालांकि, कांग्रेस के भीतर भी इस मुद्दे पर कूटनीतिक समझ रखने वाले नेताओं के बयानों में एक बारीक संतुलन देखने को मिला। कांग्रेस सांसद शशि थरूर और मनीष तिवारी ने यह स्वीकार किया कि एससीओ एक बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय संगठन है और मेजबान होने के नाते भारत के लिए सभी सदस्यों को बुलाना एक बाध्यता है, इसलिए इसे द्विपक्षीय दोस्ती नहीं माना जाना चाहिए। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि पाकिस्तान द्वारा मुसादिक मलिक जैसे भारत-विरोधी बयान देने वाले व्यक्ति को चुनना यह दशार्ता है कि इस्लामाबाद की 'हजार घाव देकर भारत को लहूलुहान करने' की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। मुसादिक मलिक के दौरे के समापन के साथ अब यह तस्वीर पूरी तरह साफ है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में बहुपक्षीय मंचों की मयार्दा निभाते हुए पाकिस्तान को अलग-थलग रखने और द्विपक्षीय वार्ता न करने की अपनी शर्त पर अडिग है, तो वहीं घरेलू राजनीति में यह तीन दिवसीय घटनाक्रम सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राष्ट्रवाद और विदेश नीति की कसौटियों पर एक-दूसरे को घेरने का एक नया अध्याय जोड़ गया है।



स्वदेश कुमार ,लखनऊ

24 नवंबर - गुरुनानक जयंती, प्रकाश पर्व पर विशेष :

अंधेरों में उजाले की दस्तक

धर्म, जाति व भाषा की दीवारें,
मानवता में खड़ी होती,
मनुष्य, मनुष्य से दूरी बनाता,
गुरु-वाणी राह दिखाती।
नानक ने प्रेम का दीप जलाया,
सच-सेवा पाठ पढ़ाया,
जात-पात का बंधन तोड़,
मानवता का धर्म सिखाया।

न कोई ऊँचा, न नीचा, सबमें
एक ही ज्योति का वास,
ईश्वर को मंदिर-मस्जिद से
आगे, खोजो यही विश्वास।
कर्म महिमा, श्रम गौरव, सत्य-
सादगी का सुंदर संदेश,
लंगर में सबके साथ बैठें,
मिटाइये ऊँच-नीच का भेद।

भूखे को खाना, दुखियों को
सहारा, सेवा जीवन सार,
सद्भाव,करुणा, प्रेम की धारा,
नानक खोले ज्ञान द्वार।
आज जब नफरत बढ़ती है,
अहंकार मन पे छा जाता,
गुरु नानक अमृतमय संदेश,
भटके मन राह दिखाता।

आओ यह विचार अपनाएँ,
सच-प्रेम जीवन में सजाएँ,
मानवता का दीप जलें, अंधेरे
को उजाले से भर आए।
गुरु नानक के संदेश अमर,
"वाणी" जीवन का आधार,
प्रेम, शांति और भाईचारे से,
सुंदर बन जाए ये संसार।



संजय एम तराणेकर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे। न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

पेंशनरों के डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र के लिए 26 नवंबर को दनकौर ब्लॉक में लगेगा विशेष शिविर

दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक मिलेगी सुविधा, आधार कार्ड, बैंक पासबुक और मोबाइल फोन साथ लाना अनिवार्य

समाज जागरण संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। पेंशनरों की सुविधा और डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगामी 26 नवंबर को दनकौर ब्लॉक परिसर में विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में पेंशनरों के डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र बनाए जाएंगे, ताकि उन्हें इस प्रक्रिया के लिए कोषागार के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविर का आयोजन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक किया जाएगा। वरिष्ठ कोषाधिकारी गौतमबुद्धनगर शिखा गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के पेंशनरों को वर्ष में एक बार किसी भी माह अपना जीवित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होता है। यह प्रमाण पत्र अगले एक वर्ष तक प्रभावी रहता है। वर्तमान व्यवस्था के तहत पेंशनर कोषागार में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए बिना भी अपना जीवित प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि पेंशनर अपनी बैंक शाखा अथवा जीवन प्रमाण पोर्टल के माध्यम से मोबाइल फोन पर डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल में आधार फेस आरडी ऐप और जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड करना होता है। इस सुविधा से घर बैठे ही जीवित प्रमाण पत्र जमा करना संभव है। शासन के निदेशों के क्रम में डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र की सुविधा को अधिक से अधिक पेंशनरों तक पहुंचाने के लिए यह शिविर लगाया जा रहा है। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने दनकौर क्षेत्र में निवास करने वाले उन सभी पेंशनरों से शिविर में पहुंचने की अपील की है, जिन्होंने अभी तक अपना जीवित प्रमाण पत्र जमा नहीं किया है।

ये दस्तावेज लेकर पहुंचें पेंशनर

शिविर में आने वाले पेंशनरों को अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक और मोबाइल फोन अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। अधिकारियों ने पेंशनरों से निर्धारित तिथि और समय पर पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

सुरक्षित नोएडा के लिए पुलिस और आरडब्ल्यूए ने मिलाया हाथ, रात्रि गश्त बढ़ाने और सीसीटीवी निगरानी मजबूत करने की उठी मांग

समाज जागरण/संदीप गर्ग

"डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन की पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक में सुरक्षा, यातायात, साइबर अपराध और अग्निशमन व्यवस्था पर हुई विस्तृत चर्चा; किरायेदारों व घरेलू सहायकों के सत्यापन पर जोर"



नोएडा। शहर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और पुलिस तथा नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से डीडीआरडब्ल्यूए फेडरेशन, गौतमबुद्धनगर की ओर से रविवार को सेक्टर-51 स्थित कम्युनिटी सेंटर में पुलिस अधिकारियों और विभिन्न आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में रात्रिकालीन पुलिस गश्त बढ़ाने, किरायेदारों एवं घरेलू सहायकों का सत्यापन कराने, सीसीटीवी निगरानी मजबूत करने तथा महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए।

बैठक की अध्यक्षता फेडरेशन के अध्यक्ष एन.पी. सिंह ने की। इसमें एडिशनल डीसीपी अभय कुमार मिश्रा, थाना अध्यक्ष बी.एस. पांडे और सेक्टर-51 पुलिस चौकी प्रभारी डी.के. पांडे सहित विभिन्न सेक्टरों के आरडब्ल्यूए पदाधिकारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं पुलिस अधिकारियों के सामने रखीं। सेक्टरों की आंतरिक सड़कों, पार्कों, बाजारों और मेट्रो स्टेशनों के आसपास रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने की मांग की गई। साथ ही चोरी, वाहन चोरी और संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस निगरानी प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

किरायेदारों और घरेलू सहायकों के सत्यापन पर जोर

बैठक में किरायेदारों, घरेलू सहायकों, वाहन चालकों, सुरक्षा गार्डों और निर्माण श्रमिकों का पुलिस सत्यापन प्रभावी ढंग से कराने की आवश्यकता उठाई गई। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर खुले में शराब पीने, नशाखोरी और असामाजिक तत्वों के जमावड़े पर कार्रवाई की मांग की गई। सेक्टरों के प्रवेश और निकास द्वारों, प्रमुख चौराहों तथा संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता और उनके रखरखाव को लेकर भी चर्चा हुई।

साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए आरडब्ल्यूए के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया गया। यातायात व्यवस्था के संबंध में बाजारों, स्कूलों और मेट्रो स्टेशनों के आसपास अव्यवस्थित पार्किंग तथा अतिक्रमण की समस्या भी उठाई गई।

अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की नियमित जांच की मांग

बैठक में अग्नि सुरक्षा को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। बहुमंजिला इमारतों, ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों, स्कूलों, अस्पतालों, होटलों और बैंक्विट हॉलों में अग्निशमन उपकरणों की कार्यशीलता, फायर एनओसी और सुरक्षा मानकों की नियमित जांच कराने की मांग की गई। प्रतिनिधियों ने कहा कि फायर ब्रिगेड के आवागमन के रास्ते अतिक्रमण मुक्त रहने चाहिए तथा आपातकालीन निकासी मार्गों को हमेशा खुला रखा जाना चाहिए।

इसके अतिरिक्त फायर हाइड्रेंट की उपलब्धता, विद्युत वायरिंग की जांच और अग्निशमन विभाग के सहयोग से नियमित मॉक ड्रिल कराने का सुझाव भी दिया गया।

पुलिस-आरडब्ल्यूए के बीच नियमित बैठक का सुझाव

फेडरेशन अध्यक्ष एन.पी. सिंह ने कहा कि शहर की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए पुलिस प्रशासन तथा नागरिक संगठनों के बीच आपसी विश्वास और नियमित संवाद जरूरी है। आरडब्ल्यूए अपने क्षेत्रों की समस्याओं और सुरक्षा संबंधी सूचनाओं को समय रहते पुलिस तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि पीएएसएआरए में पंजीकृत नहीं होने वाली सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और अन्य एजेंसियों को पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

फेडरेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा कि प्रत्येक सेक्टर की आरडब्ल्यूए को पुलिस प्रशासन के साथ जोड़कर प्रभावी संवाद और सूचना तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। इससे स्थानीय समस्याओं का समय रहते समाधान हो सकेगा। उन्होंने नागरिक सुरक्षा के लिए पुलिस, अग्निशमन विभाग, प्राधिकरण और आरडब्ल्यूए के बीच बेहतर तालमेल को आवश्यक बताया।

पुलिस अधिकारियों ने आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से सुना और नागरिकों की सुरक्षा तथा बेहतर कानून-व्यवस्था के लिए पुलिस एवं सामाजिक संगठनों के आपसी सहयोग को महत्वपूर्ण बताया।

बैठक में सेक्टर-30, 39, 51, 35, 20, 52, 71, 82 सहित विभिन्न सेक्टरों के आरडब्ल्यूए पदाधिकारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक के अंत में फेडरेशन ने सभी पुलिस अधिकारियों और उपस्थित प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

संविधान दिवस पर कांग्रेस निकालेगी संविधान रक्षा यात्रा, लखनऊ में जुटेंगे नेता और कार्यकर्ता

समाज जागरण संवाददाता



नोएडा। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को लखनऊ में प्रस्तावित संविधान रक्षा यात्रा में शामिल होने के लिए नोएडा महानगर कांग्रेस ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सोमवार को सेक्टर-52 स्थित महानगर कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के निर्देशानुसार यह यात्रा संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि नोएडा महानगर कांग्रेस के पदाधिकारी और दर्जनों कार्यकर्ता भी लखनऊ पहुंचकर यात्रा में शामिल होंगे।

पार्टी प्रवक्ता पवन शर्मा ने बताया कि यात्रा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे। उन्होंने सामाजिक संगठनों, नागरिक समूहों और संविधान की रक्षा के पक्षधर लोगों से यात्रा में भाग लेने की अपील की। प्रेस वार्ता में किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव दिनेश अवाना, लियाकत चौधरी, यतेंद्र शर्मा, विक्रम चौधरी, गौरव अधाना और अरुण प्रधान सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

सेक्टर-105 में लगातार चोरियों से बढ़ी चिंता, आरडब्ल्यूए ने अपर पुलिस आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण/संदीप गर्ग



नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट मुख्यालय के नजदीक स्थित सेक्टर-105 में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर स्थानीय निवासियों में चिंता बढ़ गई है। सोमवार को सेक्टर-105 आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधिमंडल ने अपर पुलिस आयुक्त संकल्प शर्मा से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सेक्टर के बी-3, बी-4, बी-16, डी-186 और डी-25 मकानों में चोरी की घटनाएं सामने आई हैं।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय, वरिष्ठ अधिवक्ता रश्मि सिंह और दिनेश शर्मा ने दिन-रात पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने सेक्टर की सड़कों पर बाहरी लोगों द्वारा तेज गति से वाहन चलाना सीखने, पार्कों में गंदगी फैलाने और सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने की गतिविधियों पर भी चिंता जताई। विशेष रूप से शाम के समय महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया गया।

अपर पुलिस आयुक्त संकल्प शर्मा ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए सेक्टर में पुलिस गश्त बढ़ाने तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, हुड़दंग और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जनगणना-2027 : विकसित भारत की मजबूत नींव, सटीक आंकड़ों से बनेगी बेहतर विकास योजना

नोएडा प्राधिकरण ने नागरिकों से की सहयोग की अपील, घर बैठे ऑनलाइन स्वगणना की सुविधा का उठाएं लाभ

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। जनगणना-2027 को विकसित भारत की मजबूत नींव बताते हुए नोएडा प्राधिकरण ने शहरवासियों से इसमें सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है। प्राधिकरण का कहना है कि जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े शहर के विकास की बेहतर योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर विद्यालयों, अस्पतालों, सड़कों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार एवं विकास की प्राथमिकताएं तय करने में मदद मिलेगी।

बिना ओपन हार्ट सर्जरी बदला जा सकता है हृदय का वाल्व, टावी तकनीक से 85 वर्षीय बुजुर्ग का उपचार

समाज जागरण संवाददाता



नोएडा। हृदय का वाल्व खराब होने पर अब कुछ मरीजों को ओपन हार्ट सर्जरी की आवश्यकता नहीं पड़ती। चिकित्सा क्षेत्र में विकसित ट्रांसकैथेटर एऑर्टिक वाल्व इंप्लांटेशन (टावी) तकनीक ऐसे मरीजों के लिए उपचार का विकल्प बन रही है, जिनके लिए पारंपरिक सर्जरी जोखिमपूर्ण हो सकती है। नोएडा के फेलिक्स अस्पताल में इस तकनीक के माध्यम से 85 वर्षीय बुजुर्ग का सफल उपचार किया गया है।

अस्पताल के निदेशक एवं कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. जीवन पिल्लई के अनुसार, इस प्रक्रिया में जांघ के पास स्थित धमनी के रास्ते एक पतली नली (कैथेटर) हृदय तक पहुंचाई जाती है। इसके माध्यम से खराब एऑर्टिक वाल्व की जगह नया कृत्रिम वाल्व लगाया जाता है। इसमें सामान्य ओपन हार्ट सर्जरी की तरह छाती खोलने की आवश्यकता नहीं होती।

अस्पताल के अनुसार, उपचार कराने वाले 85 वर्षीय मरीज गंभीर एऑर्टिक स्टेनोसिस के साथ फेफड़ों की बीमारी, गुर्दे की समस्या और एनीमिया से भी पीड़ित थे। अधिक उम्र और अन्य बीमारियों के कारण पारंपरिक सर्जरी में जोखिम था। टावी प्रक्रिया के बाद उन्हें उसी दिन वेंटिलेटर से हटा दिया गया और अगले दिन चलने-फिरने लगे। चौथे दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। चिकित्सकों के मुताबिक, यह तकनीक हर मरीज के लिए उपयुक्त नहीं होती। इसका निर्णय विशेषज्ञों की टीम जांच के बाद करती है।

कुमार विश्वास के घर पहुंचकर नोएडा प्राधिकरण ने पूरी कराई स्वगणना, जनगणना-2027 में भागीदारी की अपील

नोएडा। जनगणना-2027 के तहत स्वगणना अभियान को गति देने के लिए नोएडा प्राधिकरण की ओर से शहर के नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार, 22 नवंबर को सेक्टर-30 स्थित प्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास के आवास पर स्वगणना की प्रक्रिया पूरी कराई गई। इस दौरान नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रीति जायसवाल भी मौजूद रहीं।

प्राधिकरण की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, स्वगणना के दूसरे चरण के तहत परिवार और मकान से संबंधित आवश्यक विवरण ऑनलाइन दर्ज किए गए। इस पहल के माध्यम से नागरिकों को स्वयं अपनी जानकारी जनगणना पोर्टल पर दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नोएडा प्राधिकरण ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्वगणना की सुविधा का लाभ उठाएं और जनगणना-2027 की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। प्राधिकरण का कहना है कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में प्रत्येक परिवार की सहभागिता जरूरी है।

ग्रैंड अजनारा हेरिटेज में कवि सम्मेलन, हास्य-व्यंग्य की रचनाओं पर गूंजे ठहाके

समाज जागरण संवाददाता



नोएडा। सेक्टर-74 स्थित ग्रैंड अजनारा हेरिटेज में रविवार को ग्रैंड अजनारा हेरिटेज अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन की ओर से ह्यएक शाम ग्रैंड अजनारा हेरिटेज के नामह्न कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हास्य, व्यंग्य, ओज और गीतों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं का मनोरंजन किया। कवियों की रचनाओं पर परिसर तालियों और ठहाकों से गूंज उठा।

हास्य कवि विनोद पांडेय के संयोजन एवं संचालन में आयोजित सम्मेलन में सुनहरी लाल तुरन्त, मोहित सक्सेना, शशि पांडेय और शिवांगी प्रेरणा ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। मुख्य अतिथि युवा कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी निखिल सिंघल रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. पीयूष द्विवेदी, महेश सक्सेना, डॉ. महिपाल सिंह और डॉ. नीरज शर्मा शामिल रहे।

कार्यक्रम में सोसायटी के अध्यक्ष विशाल शर्मा, महासचिव योगेश कुमार, उपाध्यक्ष गोविंद मेहता और कोषाध्यक्ष विवेक त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सोसायटी में लगातार तीसरे वर्ष इस कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

आईएमएस नोएडा का एशियन कम्युनिटी न्यूज नेटवर्क के साथ समझौता, विद्यार्थियों को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय पत्रकारिता प्रशिक्षण

समाज जागरण/संदीप गर्ग



नोएडा। पत्रकारिता के विद्यार्थियों को वैश्विक मीडिया जगत की कार्यप्रणाली और आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से आईएमएस नोएडा ने एशियन कम्युनिटी न्यूज नेटवर्क के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। संस्थान के लीडरशिप विजन कार्यक्रम के तहत हुई इस साझेदारी से विद्यार्थियों के लिए उद्योग जगत से जुड़ने और अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रशिक्षण के नए अवसर खुलेंगे।

इस अवसर पर आईएमएस नोएडा के उपाध्यक्ष चिराग गुप्ता और एसीएन नेटवर्क के संस्थापक एवं प्रधान संपादक संजीव कुमार आहूजा ने समझौते को आगे बढ़ाने की पहल की। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के नाइट सेंटर फॉर जर्नलिज्म इन अमेरिकाज के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा करने वाले बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रोफेसर डॉ. सचिन बत्रा ने बताया कि दो दर्जन से अधिक विद्यार्थियों ने दो सप्ताह का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। संस्थान की ओर से विद्यार्थियों को कृत्रिम मेधा के उपकरणों और डिजिटल पत्रकारिता का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

नोएडा में गांजा तस्करी का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार; 20.6 किलो मादक पदार्थ बरामद

समाज जागरण संवाददाता



नोएडा। थाना सेक्टर-24 पुलिस और एंटी नारकोटिक्स सेल की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 20 किलो 600 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, 22 नवंबर को स्थानीय सूचना और बीट पुलिसिंग की मदद से दोनों आरोपियों को आरटीओ कार्यालय के पीछे गंदे नाले के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान अजय कुमार निवासी गांव दाऊपुर, जिला अलीगढ़ और राजेश साह निवासी जिला खगड़िया, बिहार के रूप में हुई है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दूसरे राज्यों से ट्रेन के माध्यम से सस्ते दामों पर गांजा लाते थे और नोएडा तथा एनसीआर में उसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर ऊंचे दामों पर बेचते थे। पुलिस ने गांजे के साथ यात्रा टिकट की छायाप्रति भी बरामद की है। मामले में थाना सेक्टर-24 में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

जनगणना 2027 के स्वगणना अभियान से जुड़ रहे शहर के गणमान्य नागरिक, यू-ट्यूबर नितिन ने भी की अपील

समाज जागरण संवाददाता



ग्रेटर नोएडा। जनगणना 2027 के दूसरे चरण के तहत चल रहे स्वगणना अभियान में शहर के गणमान्य नागरिक और सामाजिक हस्तियां भी लोगों को भाग लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसी क्रम में यू-ट्यूबर नितिन ने अपनी और अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर अभियान में सहभागिता की तथा जिले के नागरिकों से भी स्वगणना पूरी करने की अपील की। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के नगर जनगणना अधिकारी एवं एसीईओ सुमित यादव ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है और इसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने बताया कि नागरिक जनगणना पोर्टल पर जाकर अपने और परिवार से संबंधित जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं।

स्वगणना अभियान के तहत 16 से 23 नवंबर तक नागरिकों को स्वयं विवरण दर्ज करने का अवसर दिया गया है। इसके लिए आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in का उपयोग किया जा सकता है।

ग्रेटर नोएडा में श्रद्धा के साथ हुई भव्य अयप्पा पूजा, शोभायात्रा में शामिल हुए सैकड़ों श्रद्धालु

समाज जागरण संवाददाता



ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा अयप्पा सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को डेल्टा-1 स्थित श्री पीपल महादेव मंदिर में भव्य अयप्पा पूजा का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्री अयप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत गणपति होमम से हुई। इसके बाद विष्णु सहस्रनाम का सामूहिक जाप किया गया।

नृत्यतीर्थ डांस अकादमी की मंजुषा चंद्रन और उनकी टीम ने भजन प्रस्तुत किए। शाम को पारंपरिक वाद्य मेलम, तालपोली और भव्य शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

दीपाराधना के बाद त्यागराजा सेंटर फॉर म्यूजिक एंड डांस, नोएडा के कलाकारों ने भगवान अयप्पा के जीवन और महिमा पर आधारित डिजिटल नृत्य नाटिका ह्यअयप्पा चरितम्ह्न प्रस्तुत की। आयोजन में कला और संस्कृति के क्षेत्र में योगदान के लिए आर.वी. त्यागराजन, राजेश्वरी त्यागराजन, दीपा सजू, मंजुषा चंद्रन और डॉ. रश्मि गुप्ता को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में फेलिक्स अस्पताल की एमडी डॉ. रश्मि गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समाज जागरण
बिज़नेस बढ़ाने का महा-उत्सव!
अब हर घर गूंजेगा आपके ब्रांड का नाम!
मात्र ₹5,000 में, पूरे 1 महीने फ्रंट पेज पर!
Prime Location: Front Page Strip (Front Strip - 4cm x 12cm)
Mass Reach: Delhi-NCR, UP, Bihar, MP, Rajasthan

सहारा समतल में ग्रेनो प्राधिकरण का बुलडोजर, तीन एकड़ जमीन से हटाया अवैध कब्जा

समाज जागरण संवाददाता



ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सोमवार सुबह छपरौला स्थित सहारा समतल क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से बनाए गए कई मकानों, प्रॉपर्टी डीलरों की दुकानों और जमीन पर कब्जे के लिए बनाई गई बाउंड्री वॉल को ध्वस्त कर दिया गया। प्राधिकरण के अनुसार, करीब तीन एकड़ यानी 12 हजार वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। इसकी अनुमानित कीमत 24 करोड़ रुपये बताई गई है। प्राधिकरण के सीईओ डॉ. बलकार सिंह के निर्देश पर सुबह करीब 6:30 बजे शुरू हुई कार्रवाई 9:30 बजे तक चली। एसीईओ सुमित यादव ने बताया कि सहारा समतल क्षेत्र प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में आता है। यहां बिना अनुमति निर्माण की इजाजत नहीं है। उन्होंने लोगों से जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से पूरी जानकारी लेने और अवैध कॉलोनियों में निवेश से बचने की अपील की।

कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध भी किया, लेकिन प्राधिकरण की टीम ने अभियान पूरा किया। इसके बाद टीम शाहबेरी पहुंची और एक जर्जर मकान को सील करने की प्रक्रिया भी पूरी की। अभियान में प्राधिकरण के परियोजना विभाग और बादलपुर पुलिस की टीम मौजूद रही।

साक्ष्य के अभाव में पूर्व विधायक हरिओम यादव समेत पांच दोषमुक्त

एमपी-एमएलए कोर्ट ने सुनाया फैसला, पुत्र विजय प्रताप यादव भी हुए बरी।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। भाजपा नेता एवं पूर्व विधायक हरिओम यादव और उनके पुत्र पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय प्रताप यादव समेत पांच आरोपियों को न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। एमपी-एमएलए कोर्ट ने साक्ष्यों के अभाव में सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है।

मामला सिरसागंज थाना क्षेत्र का वर्ष 2018 का है। 21 मई 2018 को तत्कालीन थाना प्रभारी रविंद्र कुमार दुबे ने पूर्व विधायक हरिओम यादव, उनके पुत्र विजय प्रताप यादव उर्फ छोटू, गौरव यादव, रामनरेश और सुरेश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

आरोप था कि ग्राम सैनावली में खेत में पशु घुसने को लेकर गढ़ी पैंगू निवासी श्यामवीर सिंह के साथ मारपीट की गई थी। उपचार के दौरान श्यामवीर की मौत हो गई थी। इसके बाद पूर्व विधायक और उनके समर्थकों पर सड़क पर एकत्रित होकर हंगामा करने तथा पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और उनके पुत्रों के खिलाफ तहरीर देने के लिए लोगों को उकसाने का आरोप लगा था। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया था।

विवेचना पूरी होने के बाद पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन), विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए कोर्ट अंकुर चौधरी के न्यायालय में हुई। बचाव पक्ष के अधिवक्ता रंजीत शर्मा ने पैरवी की। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने पर्याप्त साक्ष्य न मिलने पर पूर्व विधायक हरिओम यादव, विजय प्रताप यादव उर्फ छोटू, गौरव यादव, रामनरेश और सुरेश कुमार को दोषमुक्त कर दिया है।

ग्लास म्यूजियम और ऑडिटोरियम का डीएम ने किया निरीक्षण

निर्माण कार्य में गुणवत्ता से समझौता न करने और तय समय में काम पूरा करने के दिए निर्देश

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने सोमवार को निमार्णाधीन ग्लास म्यूजियम एवं ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता परखी। इस दौरान संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से कार्यों की जानकारी ली।

डीएम ने भवन की सीढ़ियों, बालकनी, रेलिंग, आंतरिक संरचना और फिनिशिंग के कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण में निर्धारित मानकों और गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि फिरोजाबाद की पहचान कांच उद्योग से है। ग्लास म्यूजियम और ऑडिटोरियम जिले की सांस्कृतिक और कलात्मक पहचान को नई ऊंचाई देने के साथ सार्वजनिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कार्यदायी संस्था को शेष निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा मानकों, प्रकाश व्यवस्था, वेंटिलेशन और फिनिशिंग का काम भी बेहतर ढंग से पूरा कराने को कहा।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी मोहनलाल गुप्ता ने भी निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाकर काम समय से पूरा कराने पर जोर दिया। इस दौरान विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

खनन से भरे डंपर ने सिलेंडर लदी ई-रिक्शा को मारी टक्कर, चालक गंभीर घायल

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नजीबाबाद । रायपुर रोड पर भारत गैस गोदाम के सामने खनन से भरे तेज गति के डंपर ने सिलेंडर से भरी ई-रिक्शा में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गई और घायल चालक को



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नजीबाबाद लाया गया, जहां से हालत गंभीर देखते हुए बिजनौर रेफर कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुबह ई-रिक्शा चालक मस्तान पुत्र बुन्दू निवासी कोट कदर, थाना नगीना देहात, उम्र 25 वर्ष, सिलेंडर से भरी ई-रिक्शा लेकर भारत गैस गोदाम पर आ रहा था। तभी रायपुर की ओर से आ रहे खनन से भरे डंपर ने पीछे से ई-रिक्शा में टक्कर मार दी।घटना के बाद गैस गोदाम पर मौजूद भीड़ ने घायल चालक को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नजीबाबाद पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए बिजनौर रेफर कर दिया।प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि डंपर तेज गति में आ रहा था और बताया गया कि ई-रिक्शा चालक मस्तान मेहनत-मजदूरी कर सिलेंडर की सप्लाई कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंचे, जो काफी परेशान दिखाई दिए।पुलिस ने डंपर चालक और डंपर को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

राजा चरत सिंह इंटर कॉलेज में हुआ वार्षिकोत्सव

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नजीबाबाद कस्बा साहनपुर स्थित राजा चरत सिंह इंटर कॉलेज में सोमवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ जिसमें छात्र छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की प्रस्तुति के माध्यम



से छात्र छात्राओं ने देश की विविध झांकियों को प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने नशामुक्त भारत, मोबाइल की लत से बचाव, राष्ट्र भक्ति, पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद राजा भारतेन्द्र सिंह ने संस्था के अध्यक्ष प्रधुमन जीत सिंह के साथ दीप प्रज्ज्वलन करके की। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोशन सिंह ने व संचालन अरुण दीक्षित ने किया। कार्यक्रम के समापन पर मेधावी और खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व नौसैनिक रविन्द्र काकरान, करणसिंह, एडवोकेट ओम पाल सिंह, अजीम अहमद, महेन्द्र पाल सिंह, सुरेन्द्र कुमार, वरुण कौशिक, सुखविंदर सिंह दिलशाद, श्याम सिंह आदि मौजूद रहे। प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार ने अंत सभी का आभार व्यक्त किया।

जिला विज्ञान क्लब की जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में 248 मॉडलों में झलकी वैज्ञानिक प्रतिभा।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह



सिरसागंज। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब फिरोजाबाद के तत्वाधान में जिलाधिकारी फिरोजाबाद संतोष कुमार शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी फिरोजाबाद शैलेन्द्र कुमार सिंह की सहमति एवं निर्देशन में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद श्रीमती मुदिता पाण्डेय, जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन एवं निदेशक अंशुल खंडेलवाल के संयोजन में अमेजिंग वर्ल्ड, सिरसागंज में किया गया।

कार्यक्रम का उदघाट्न मुख्य अतिथि अतुल प्रताप सिंह, अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक, फिरोजाबाद, नगर पालिका परिषद की अध्यक्षा श्रीमती रंजना गुरुदत्त सिंह, उपजिलाधिकारी सिरसागंज सिद्धार्थ पाठक, डॉ संजीव भारद्वाज, कृष्ण कुमार खंडेलवाल, अंशुल खंडेलवाल एवं जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन ने किया। तदुपरान्त विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना, स्वागत गान एवं कल्पना चावला पर लघु नाटिका प्रस्तुत की।

अतुल प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों के मॉडलों का अवलोकन करके उनके मॉडलों की सराहना की। उन्होंने भारत के वैज्ञानिकों को नमन करते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने बाल वैज्ञानिकों को राष्ट्र हित को सर्वोपरि बताते हुए भविष्य के वैज्ञानिक बनकर देश की सेवा का कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साथ जिला विज्ञान क्लब के जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन के कार्यों की सराहना की। रंजना सिंह ने सभी मॉडलों की सराहना करते हुए उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सराहा। सिद्धार्थ पाठक ने विद्यार्थियों को विज्ञान के विषय में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान करते हुए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रधानाचार्य के कार्य की सराहना की। उन्होंने स्व-गणना और 18 वर्ष के विद्यार्थियों को मतदाता बनने की जानकारी साझा की।

जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि इस जनपद स्तरीय प्रदर्शनी में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के 248 मॉडलो के साथ 314 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें सैटेलाइट सिस्टम, इलेक्ट्रिक सेफ्टी सिस्टम, ऑर्गेनिक फार्मिंग, स्मार्ट वेदर सिस्टम, स्मार्ट सिटी, सस्टेनेबल कृषि, स्मार्ट फ्रूट डिटेक्टर, एआई मॉडल, ड्राइंग डेटेक्टिंग सिस्टम, ऊर्जा जेनेरेट सिस्टम आदि मॉडल प्रस्तुत किए गए। जिसमें प्रथम स्थान कु उन्नति, द्वितीय स्थान वाशुदेव, तृतीय स्थान कु आराध्या, चतुर्थ स्थान आदित्य प्रताप एवं पंचम स्थान शिवकांत एवम मान्या ने प्राप्त किया। जिन्हें क्रमशः जिला विज्ञान क्लब फिरोजाबाद की ओर से क्रमशः 5000, 3000, 2000, 1000 एवं 1000 रुपये की धनराशि आर टी जी एस के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इसी के साथ अन्य विद्यार्थी क्रमशः मानवी, सानिया हुसैन, हर्ष, नैतिक, पावनी, अंशिका, शिखा, पावनी, कृष्णा, पलक चौहान, इशिता प्रजापति, अंश, देवेश, साक्षी के मॉडल भी मण्डल स्तर पर चयनित किए गए। निर्णायक मंडल की भूमिका का निर्वहन आर के तेनगुरिया, अरविंद कुमार, डॉ ओंकार सिंह, एवं अंकित कुमार ने किया। सभी प्रतिभागियों को जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अश्वनी कुमार जैन ने एवं आभार प्रदर्शन अंशुल खंडेलवाल ने किया। कार्यक्रम में डॉ रुचि खंडेलवाल, प्रधानाचार्या अंजू यादव, सतवीर सिंह, गुँजन चतुर्वेदी, विशाल वर्मा, सुनील जैन, हिमांशु भारद्वाज, गिर्राज सिंह, सत्यकाम सिंह, अजय गुप्ता, संजीव अग्रवाल, रवि यादव, दिलीप जादौन, दीपक जादौन, पुनीत सिंह, गणेश गुप्ता, जवाहर सर, शिवानी, शिल्पी, राजकुमार सिंह, अभिषेक, यतेन्द्र सिंह आदि के साथ समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

रेलवे स्टेशन पर आत्महत्या करने पहुंची महिला को जीआरपी ने बचाया

घरेलू विवाद से परेशान होकर ट्रेन से कटने की बात कह रही थी महिला, पुलिस ने परिजनों को बुलाकर कराई काउंसिलिंग

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। रेलवे स्टेशन पर सोमवार को घरेलू विवाद से परेशान होकर आत्महत्या करने पहुंची 42 वर्षीय महिला को जीआरपी पुलिस ने समय रहते बचा लिया। पुलिस महिला को सुरक्षित थाने लेकर पहुंची और परिजनों को बुलाकर दोनों पक्षों की काउंसिलिंग कराई। समझाने के बाद महिला परिजनों के साथ घर जाने को तैयार हो गई।



जीआरपी प्रभारी निरीक्षक शेर सिंह ने बताया कि सोमवार को प्लेटफार्म ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सूचना मिली कि एक महिला मालगोदाम की तरफ रेलवे ट्रैक के पास घूम रही है और ट्रेन से कटकर जान देने की बात कह रही है। सूचना पर मुख्य आरक्षी मनीष कुमार और महिला मुख्य आरक्षी दीक्षा सिंह मौके पर पहुंचीं। उन्होंने महिला को रेलवे लाइन से सुरक्षित दूर किया और थाने स्थित मिशन शक्ति केंद्र पर ले गईं।

पूछताछ में महिला ने अपना नाम अन्नो देवी (42) निवासी रहना नई आबादी, गंगानगर थाना उत्तर बताया। महिला ने पुलिस को बताया कि घर में घरेलू कामकाज को लेकर परिजनों से आए दिन कहासुनी होती थी। इससे परेशान होकर वह घर से नाराज होकर रेलवे स्टेशन पहुंच गई थी। पुलिस ने महिला के परिजनों को बुलाकर काउंसिलिंग की। महिला का गुस्सा शांत होने पर वह परिजनों के साथ जाने को तैयार हो गई। पुलिस ने पति को भी पत्नी के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने और बेवजह विवाद नहीं करने की हिदायत दी। परिजनों ने जीआरपी पुलिस की तत्परता के लिए आभार जताया।

कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक शेर सिंह, मुख्य आरक्षी मनीष कुमार, गुलफाम खान और महिला मुख्य आरक्षी दीक्षा सिंह शामिल रहीं।

अरांव में 218 लाभार्थियों को मिले आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र

मुख्यमंत्री आवास योजना के 148 और प्रधानमंत्री आवास योजना के 70 लाभार्थी हुए लाभान्वित

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह



फिरोजाबाद। विकासखंड अरांव के सभागार में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में 218 पात्र लाभार्थियों को आवास स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। ब्लॉक प्रमुख कमलेश राजपूत और परियोजना निदेशक (ग्राम्य विकास) सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने लाभार्थियों को प्रमाण पत्र सौंपे।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 148 और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के 70 लाभार्थियों को आवास की स्वीकृति दी गई।

इस दौरान परियोजना निदेशक सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी पात्र लोगों को बिना भेदभाव आवास उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। कोई भी पात्र परिवार आवास योजना के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है।

एसपी के आदेश पर पुलिस ने किया महिला उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नगीना । पुलिस ने एसपी बिजनौर के आदेश पर एक विवाहिता की शिकायत पर पति समेत ससुराल पक्ष के पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई को दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र में मोहल्ला विश्नोई सराय निवासी काजल पुत्री स्व राकेश शर्मा ने कहा है कि उसकी शादी 11 नवंबर 25 को मेरठ के थाना ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र की मोहल्ला मलियाना फाटक सावन गोदाम चंद्रलोक कॉलोनी निवासी अंकुल गुप्ता पुत्र जयकुमार गुप्ता के साथ हिंदू रीति रिवाज से हुई थी।पीड़िता काजल ने आरोप लगाया है कि पति अंकुल गुप्ता,सास सविता गुप्ता,ससुर जयकुमार गुप्ता,नन्द निशा व नंदोई विनीत अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसका उत्पीड़न करने लगे और 2 अक्टूबर 26 को मारपीट कर घर से निकाल दिया और कहा कि जब तक हमारी डिमांड पूरी नहीं होती तब तक मत आना।तभी से वह नगीना में अपने मायके में रह रही है।एसपी के आदेश पर नगीना पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

उत्पीड़न व लज्जा भंग करने के प्रयास के आरोप में मुकदमा दर्ज

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नगीना । पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत पर सास व दो देवरों के खिलाफ उत्पीड़न व लज्जा भंग करने के प्रयास में मुकदमा दर्ज कर लिया है थाना क्षेत्र के ग्राम जीतपुर पालड़ी निवासी आंचल पत्नी कपिल कुमार ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि उसकी शादी गांव के ही कुमर साहब के पुत्र कपिल कुमार के साथ हिंदू रीति रिवाज के साथ हुई थी।अपनी हैसियत से ज्यादा दान दहेज दिया था लेकिन सास ओमवती दहेज से खुश नहीं होने के कारण और अतिरिक्त दहेज लाने के लिए उसका क्रूरता के साथ उत्पीड़न करती है।पीड़िता आंचल ने यह भी आरोप लगाया है कि उसका कुंवारा देवर उस पर बुरी नजर रखता है।विरोध करने पर उसके साथ मारपीट करता है। 20 नवंबर को उसका पति कपिल कुमार मजदूरी करने गया हुआ था। दोपहर 12 बजे उसका देवर बबले उसे अकेला देखकर उसके साथ अश्लील हरकते करने लगा।विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने लगा तभी दूसरे देवर राहुल ने भी उसके साथ लाठी डंडों से मारपीट की और घर से निकाल दिया।पुलिस ने सास ओमवती तथा देवरों बबले व राहुल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अफजलगढ़ पुलिस ने 60 थैली अवैध कच्ची शराब के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी



जनपद बिजनौर / अफजलगढ़-जनपद में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना अफजलगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने रविवार (22 नवंबर 2026) को कार्रवाई करते हुए 60 थैली अवैध कच्ची शराब के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान मलकीत सिंह पुत्र बलजीत सिंह निवासी ग्राम मधपुरी, थाना बढ़ापुर, जनपद बिजनौर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 60 थैली अवैध कच्ची शराब बरामद की है।

इस संबंध में थाना अफजलगढ़ पर अभियुक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 274/26, धारा 60(1) आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल राजू सागर और कांस्टेबल शिवम शामिल रहे।

चोरी की बाइक सहित एक अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौ/थाना शेरकोट पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर चोरी गई बाइक बरामद कर मामले में संबंधित धारा की बढ़ोतरी करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

यह है पूरा मामला

पुलिस के अनुसार, 22 नवंबर 2026 को ग्राम हरेवली (थाना शेरकोट, जनपद बिजनौर) निवासी वादी सुनील पुत्र ओमप्रकाश ने थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि 21 नवंबर 2026 को उनकी मोटरसाइकिल (संख्या UK18N8127) घर के बाहर सड़क किनारे खड़ी थी, जिसे किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया। तहरीर के आधार पर थाना शेरकोट में मु0अ0सं0 234/2026 के तहत धारा 303(2) बीएनएस में अभियोग पंजीकृत किया गया था।

मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तारी व बरामदगी

विवेचना के दौरान प्रकाश में आए अभियुक्त मो० इस्लाम पुत्र मो० सिप्तेन हसन (निवासी ग्राम हरेवली, थाना शेरकोट, जनपद बिजनौर) को पुलिस ने 23 नवंबर 2026 को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त की निशानदेही पर चोरी की गई होण्डा साइन मोटरसाइकिल (UK18N8127) बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गई है।

पूछताछ में कबूलनामा

पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि 21 नवंबर को सुबह करीब 11:00 बजे ग्राम हरेवली के रास्ते में उसे एक पुरानी होण्डा साइन बाइक (UK18N8127) खड़ी मिली थी, जिसका लॉक खुला था और आसपास कोई नहीं था। वह बाइक चोरी कर अपने घर ले गया और पकड़े जाने के डर से घर के भीतर छिपा दिया। सोमवार को वह बाइक बेचने के उद्देश्य से शेरकोट जा रहा था, तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

कार्रवाई करने वाली टीम में उ0नि0 श्री संजयपाल, का0 1342 गौरव कुमार, का0 2106 सुरेश कुमार तथा का0 2357 शिवकुमार (थाना शेरकोट, जनपद बिजनौर) शामिल रहे।

हेलमेट बांटकर पुलिस ने की जागरूकता, बिना हेलमेट चालकों पर कार्रवाई का इंतजार

सड़क सुरक्षा माह में रसूलपुर क्षेत्र में चला अभियान, दोपहिया वाहन चालकों को दी यातायात नियमों की जानकारी

समाज जागरण



फिरोजाबाद। सड़क सुरक्षा माह के तहत रविवार को पुलिस ने रसूलपुर क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर और सीओ सिटी ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित कर यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

एसएसपी आदित्य लांगे के निर्देशन में अधिकारियों ने वाहन चालकों को हेलमेट पहनकर ही बाइक चलाने की सलाह दी। उन्होंने निर्धारित गति सीमा का पालन करने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने की हिदायत दी। अधिकारियों ने कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी सड़क हादसों की बड़ी वजह है। प्रत्येक वाहन चालक को अपनी सुरक्षा के साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए।

हालांकि, पुलिस के जागरूकता अभियान के बीच बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई का सवाल भी उठ रहा है। हर साल हेलमेट वितरण और जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन अभियान के कुछ दिन बाद ही बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती नजर नहीं आती। ऐसे में तमाम लोग बिना हेलमेट बाइक चलाते रहते हैं। यदि पुलिस जागरूकता के साथ नियमित चेकिंग और चालान की कार्रवाई भी करे तो सड़क हादसों में कमी लाने में मदद मिल सकती है।

नाबालिग से दुष्कर्म व अपहरण मामले में एक और अभियुक्त गिरफ्तार, दो पहले ही जा चुके हैं जेल

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर / बिजनौर थाना कोतवाली शहर पुलिस ने नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और दुष्कर्म से जुड़े मामले में वांछित चल रहे एक और अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार इस मामले में दो अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 14 सितंबर 2026 को एक नाबालिग बालिका को अज्ञात व्यक्ति द्वारा भगा ले जाने की घटना के संबंध में 15 सितंबर 2026 को थाना कोतवाली शहर में मु0अ0सं0 738/2026 के तहत धारा 137(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पीड़िता के बयानों और जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मामले में धारा 70(1) बीएनएस तथा 5छ/6 पॉक्सो एक्ट की बढ़ोतरी की गई। जांच में तीन अभियुक्तों–अमित कुमार पुत्र ओमप्रकाश, अतुल कुमार कश्यप पुत्र सौनाथ सिंह (दोनों निवासी ग्राम रानीपुर सौपुरी, थाना नजीबाबाद, जनपद बिजनौर) तथा मिथुन पुत्र काले सिंह (निवासी ग्राम मोमीनपुर दरगो, थाना कोतवाली शहर, जनपद बिजनौर)–के नाम सामने आए।

पहले हो चुकी दो गिरफ्तारी

पुलिस के मुताबिक, इस प्रकरण में अभियुक्त अमित को 18 सितंबर 2026 और अभियुक्त मिथुन को 21 सितंबर 2026 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा चुका है।

अब हुई तीसरी गिरफ्तारी

22 नवंबर 2026 को थाना कोतवाली शहर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीसरे अभियुक्त अतुल कुमार पुत्र सौनाथ सिंह (निवासी ग्राम सौपुरी, थाना नजीबाबाद, जनपद बिजनौर) को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक राहुल कुमार और कांस्टेबल 477 अरविन्द कुमार शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कार्यालय नगर निगम फिरोजाबाद

पत्रांक : 1276/पी०डब्ल्यू०डी० / ई-निविदा सूचना/2026-27 दिनांक : 23/11/2026

-: ई-निविदा सूचना :-

नगर निगम फिरोजाबाद द्वारा राज्य वित्त आयोग/ निगम निधि के अन्तर्गत के अन्तर्गत कुल 10 कार्यों हेतु अर्ह ठेकेदारों से उनकी श्रेणी के अनुसार डबल बिड पद्वति द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। आंमत्रित कार्य हेतु फर्म द्वारा उनकी श्रेणी अनुसार प्रतिभाग किया जायेगा। ई-निविदा अधिकृत बेबसाइट www.etender.up.nic.in पोर्टल पर निम्नांनुसार आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	विवरण	तिथि व समय
1.	ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि / समय	25-11-2026
2.	ई-निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	25-11-2026
3.	ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	16-12-2026 03:00 PM
4.	तकनीकी निविदा खोली जाने की तिथि / समय	16-12-2026 04:00 PM

नोटः- शेष नियम व शर्ते www. etender.up.nic.in पोर्टल पर देखी जा सकेगी।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, फिरोजाबाद

योगाचार्य ओम योगी को कुलपति ने दिया प्रशंसा पत्र

समाज जागरण

बड़ौत। किशनपुर बिराल निवासी योगाचार्य ओम योगी विशाल भारद्वाज को सम्मानित किया गया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने उन्हें प्रशंसा एवं शुभकामना पत्र प्रदान किया है। विश्व रिकॉर्ड, योग शिक्षा, युवा जागरूकता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए जारी इस पत्र में ओम योगी की योग-साधना, योग-शिक्षण तथा भारतीय योग एवं ज्ञान-परंपरा के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान की सराहना की गई है। कुलपति द्वारा जारी पत्र के अनुसार, ओम योगी ने पद्म शीर्षासन में 33 मिनट 34 सेकंड, 2 घंटे 9 मिनट 29 सेकंड तथा 3 घंटे 44 मिनट



54 सेकंड तक स्थिर रहने के विश्व रिकॉर्ड अर्जित किए हैं। इसके अलावा मस्तक पर प्रज्वलित दीपक रखते हुए 2 मिनट में 25 योगासन करने की उपलब्धि को भी उनके योग-कौशल और एकाग्रता का प्रमाण बताया गया है। पत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर आयुष मंत्रालय, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान तथा हैबिल्ड द्वारा आयोजित गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अभियान में उनकी आधिकारिक सहभागिता का भी उल्लेख है। कुलपति ने कहा कि ओम योगी योग को व्यक्तिगत साधना तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों, युवाओं और आमजन में योग के प्रति जागरूकता बढ़ा रहे हैं। उन्होंने युवाओं को योग, अनुशासन, स्वास्थ्य और भारतीय संस्कृति से जोड़ने के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी निरंतर योगदान की शुभकामनाएं दीं। बागपत के लिए यह उपलब्धि गौरव का विषय है।

सिद्धचक्र महामंडल विधान में 512 अर्घ्य चढ़ाकर की प्रभु आराधना

-आर्यिका चंद्रमति माता ने श्रद्धालुओं को दिया आशीर्वाद, धर्म और आत्मकल्याण का बताया मार्ग

-बड़ागांव के प्राचीन दिगंबर जैन मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान जारी

समाज जागरण

बागपत। पारस प्रभु अतिशय क्षेत्र बड़ागांव स्थित प्राचीन दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे सिद्धचक्र महामंडल विधान में सोमवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ 512 अर्घ्य समर्पित किए गए। बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालुओं ने विधान में शामिल होकर प्रभु की आराधना की। इस दौरान आर्यिका चंद्रमति माता का सानिध्य और आशीर्वाद भी श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। विधान का शुभारंभ सुबह सात बजे भगवान के अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुआ। इसके बाद विधि-विधान से पूजन किया गया। इंद्र-इंद्राणियों ने 512 अर्घ्य चढ़ाकर भगवान के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की। पंडित मनीष जैन ने मंत्रोच्चार



के साथ पूजन संपन्न कराया। अंत में मंगल आरती की गई। इस अवसर पर आर्यिका चंद्रमति माता ने प्रवचन करते हुए कहा कि मनुष्य का उपयोग बाहर की ओर भटकना बुरा है और अशुभ में भटकना तो और भी बुरा है। यदि मनुष्य का ध्यान परमात्मा अथवा सद्गुरु के चरणों की ओर रहेगा तो वह धीरे-धीरे मुक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। आत्मा की गहरी अनुभूतियां बाहरी संसार की खबरों में नहीं मिलतीं। उन्होंने भारत भूमि को पतित पावन बताते हुए कहा कि यह ऋषियों और परमात्मा की जन्मभूमि रही है, इसलिए सदैव वंदनीय है। मनुष्य अपने पुरुषार्थ से इंद्रिय सुख नहीं, बल्कि इंद्रियों की सुविधाएं बढ़ाने में लगा रहता है।

जिसे वह पुण्य का उदय समझता है, वही कई बार दुख का कारण भी बन जाता है। विधान में सुभाष चंद जैन, संजीव, उषा, राजरानी, मंजू, मनन, अशोक, प्रभात, स्वाति, अमित, अंकुर सहित बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबी मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर लखनऊ जाएंगे बागपत के कांग्रेसी, बैठक में लिया संकल्प

समाज जागरण

बड़ौत । शहर कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। इसमें कांग्रेस पार्टी के बागपत प्रभारी अनंत दहिया ने कहा कि लखनऊ में 26 नवंबर को होने वाले संविधान दिवस के अवसर पर बागपत जनपद से भारी संख्या में कांग्रेसी रवाना होंगे। सोमवार को संविधान बचाने के संकल्प को लेकर संविधान रक्षा मार्च के साथ कांग्रेसियों की बैठक



भी आयोजित की गई, जिसमें सभी ने एकजुट होकर लखनऊ पहुंचने का संकल्प लिया। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी रामकुमार सिंह, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामहरि पवार, पूर्व कमिश्नर बेगराज सिंह, फिरोज, सौरभ, रविंद्र तोमर, महेंद्र, अश्वनी शर्मा, इरशाद आलम, बृजमोहन शर्मा, मीडिया प्रभारी ओंकार शर्मा आदि मौजूद रहे। इसके अलावा बावली गांव में भी कांग्रेस पार्टी का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सभी लोगों ने एकजुट होकर लखनऊ पहुंचने का संकल्प लिया।

मीतली रजवाहे की पटरी बनेगा बाईपास, खेकड़ावासियों को जाम से मिलेगी राहत

-खेकड़ा से नानू-मंडोला सीमा

-सड़क के दोनों ओर एक-एक मीटर चौड़ी लगेंगी इंटरलॉकिंग टाइल्स

-बड़ागांव-रटौल से दिल्ली जाने वाले वाहनों को मिलेगा वैकल्पिक रास्ता

समाज जागरण

बागपत। खेकड़ा कस्बे के लोगों को जल्द ही जाम और वाहनों के बढ़ते दबाव से राहत मिलने की उम्मीद है।बड़ागांव-रटौल की ओर से दिल्ली जाने वाले वाहन अब कस्बे के मुख्य मार्गों में प्रवेश किए बिना मीतली रजवाहे की पटरी से नानू गांव होते हुए दिल्ली-सहारनपुर राजमार्ग तक पहुंच सकेंगे। इसके लिए खेकड़ा के बड़ागांव मार्ग से छोटी नहर पटरी होते हुए नानू-मंडोला सीमा तक सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का रास्ता साफ हो गया है। शासन से निर्माण कार्य के लिए धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। लंबे समय से जर्जर हालत में पड़े इस मार्ग के निर्माण की मांग क्षेत्रवासी कर रहे थे। बागपत लोकसभा क्षेत्र के सांसद



डॉ. राजकुमार सांगवान की पहल पर सड़क निर्माण के लिए धनराशि आवंटित हुई है। सांसद ने स्वीकृति मिलने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए इसे क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है। योजना के तहत खेकड़ा के बड़ागांव मार्ग से मीतली रजवाहे की छोटी पटरी होते हुए नानू-मंडोला सीमा तक सड़क को चौड़ा और मजबूत किया जाएगा। सड़क के दोनों ओर एक-एक मीटर चौड़ी इंटरलॉकिंग टाइल्स भी लगाई जाएंगी। इससे वाहन चालकों के साथ पैदल राहगीरों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। इस मार्ग के विकसित होने से खेकड़ा को वैकल्पिक बाईपास की सुविधा मिल सकेगी। बड़ागांव और रटौल की ओर से दिल्ली जाने वाले वाहन कस्बे के अंदरूनी रास्तों से गुजरने के बजाय सीधे इस मार्ग का उपयोग कर सकेंगे।

इससे मुख्य बाजार और संपर्क मार्गों पर यातायात का दबाव कम होने के साथ जाम की समस्या से भी राहत मिलने की संभावना है। धनराशि स्वीकृत होने की जानकारी से क्षेत्रवासियों में खुशी है। स्थानीय लोगों ने शासन और जनप्रतिनिधियों का आभार जताते हुए जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने तथा गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा कराने की मांग की है।

बिना डीएल और प्रदूषण प्रमाणपत्र के सड़कों पर दौड़ रहे वाहन 45 चालान

सड़क सुरक्षा पखवाड़े के आठवें दिन एआरटीओ और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

समाज जागरण

बागपत। सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ परिवहन विभाग ने शिकंजा कस दिया है। सड़क सुरक्षा पखवाड़े के आठवें दिन रविवार को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) विपिन कुमार ने ट्रैफिक पुलिस के साथ संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बिना ड्राइविंग लाइसेंस और वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र के वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 45 चालान किए गए। जिलाधिकारी दिव्यांशु पटेल के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत विभिन्न वाहनों की जांच की गई। चेकिंग के दौरान ऐसे वाहन चालक कार्रवाई के



दायरे में आए, जो बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चला रहे थे या उनके पास वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं था। संयुक्त टीम ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की। एआरटीओ विपिन कुमार ने वाहन चालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि वाहन चलाते समय ड्राइविंग लाइसेंस, प्रदूषण प्रमाणपत्र समेत सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखें। नियमों की अनदेखी करने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि खुद और दूसरों की जान बचाने की जिम्मेदारी भी है। जिला प्रशासन ने वाहन चालकों से नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा अभियान में सहयोग करने की अपील की है।

नेत्रदान सर्वोत्तम दान, जागरूकता आवश्यक : अभिमन्यु गुप्ता

समाज जागरण

बागपत। लायंस क्लब अग्रवाल मंडी मंडल 321 सी-1 एवं भारतीय रेड क्रॉस समिति बागपत के संयुक्त तत्वावधान में एम्बिएंस ग्लोबल पब्लिक स्कूल सुनेहरा में नेत्रदान जागरूकता के लिए पोस्टर पेंटिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता में 25 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें पोस्टर पेंटिंग में वंश कश्यप प्रथम एवं कुमारी आस्था द्वितीय स्थान पर रहे। स्लोगन राइटिंग में कुमारी छवि प्रथम एवं अर्पित



कुमार द्वितीय स्थान पर रहे।विजेताओं को मंडलीय चेयरपर्सन दृष्टि दूत एमजेएफ लायन अभिमन्यु गुप्ता, सचिव दीपक गोयल, कोषाध्यक्ष लायन अमन गोयल ने जियालाल प्रेमवती सम्मान से सम्मानित किया। यह सम्मान सुप्रसिद्ध समाजसेवी ईश्वर अग्रवाल घेवर वालों ने अपने पूज्य माता-पिता की स्मृति में प्रदान किए हैं। इस अवसर पर कॉलेज के संस्थापक अध्यक्ष रामकिशन शर्मा, प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम शर्मा, अलका शर्मा, मोहिनी मलिक, पवित्रा, तनु एवं लोकेश शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि नेत्रदान सर्वोत्तम दान है। हम सभी का कर्तव्य है कि समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए सभी प्रयास करें।

ऊंचागांव महापंचायत के बाद रोहित प्रधान पर मुकदमा दर्ज, वायरल वीडियो से बढ़ा विवाद

-युवती की घर वापसी की मांग को लेकर हुई थी महापंचायत, मुस्लिम समुदाय के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

-कैराना पुलिस ने आठ दिन बाद की कार्यवाही, गंगोह निवासी रोहित प्रधान के खिलाफ बीएनएस की धारा-353(2) के तहत अभियोग पंजीकृत

समाज जागरण

कैराना। क्षेत्र के ऊंचागांव में युवती की बरामदगी और घर वापसी की मांग को लेकर आयोजित महापंचायत के विवाद अब नया मोड़ ले लिया है। महापंचायत में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में गंगोह निवासी रोहित प्रधान के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सभा से संबंधित वीडियो फेसबुक पर वायरल होने के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों में आक्रोश की बात सामने आई है। पुलिस ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका में रोहित प्रधान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा-353(2) के तहत कार्रवाई की है। विगत 15 नवंबर को ऊंचागांव के प्राचीन शिवमंदिर में एक युवती की घर वापसी की मांग को लेकर हिन्दू संगठनों की महापंचायत आयोजित हुई थी। इसमें विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने भाग लिया था। महापंचायत में पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर लोगों का गुस्सा भड़क गया था। उन्होंने कैराना-कांधला मार्ग पर पहुंचकर सड़क जाम करके जमकर हंगामा किया था। सूचना पर कैराना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे थे। उनके समझाने पर लोगों ने सड़क से जाम हटा लिया था। बाद में सीओ कैराना हेमंत कुमार ने महापंचायत में पहुंचकर लोगों की बात सुनी थी। पंचायत में शामिल संगठनों के पदाधिकारियों ने युवती की घर वापसी और आरोपी युवक व उसके परिजनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को दो दिन का समय दिया था। मांग पूरी नहीं होने पर कैराना कूच करने की चेतावनी दी गई थी। इस दौरान आरोपी युवक के एनकाउंटर और उसके घर पर बुलडोजर कार्यवाही जैसी मांगें भी उठी थी। इसी महापंचायत में रोहित प्रधान सनातनी



सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए थे। अब पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि 15 नवंबर को ऊंचागांव में हुई सभा के दौरान रोहित प्रधान ने मुस्लिम समुदाय के लोगों के खिलाफ गाली-गलौज और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। पुलिस के अनुसार, सभा से संबंधित वीडियो फेसबुक के एक अकाउंट से वायरल हो रहा था, जिसे लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों में नाराजगी थी। तीतरवाड़ा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक पवन कुमार की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक, वह कांस्टेबल अंकित कुमार और पवनीश कुमार के साथ गश्त करते हुए ऊंचागांव पहुंचे थे। वहां मुस्लिम समुदाय के लोग एकत्रित मिले। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि वायरल वीडियो से समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने की बात सामने आई है। उपनिरीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में आशंका जताई कि इस तरह की टिप्पणियों वाले वीडियो के प्रसार से विभिन्न धर्मों और समुदायों के बीच शत्रुता, घृणा और वैमनस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है। इससे क्षेत्र में सांप्रदायिक सद्भाव और शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। पुलिस ने मामले में गंगोह, जनपद सहारनपुर निवासी रोहित प्रधान के खिलाफ 22 नवंबर की रात 10 बजकर 43 मिनट पर एफआईआर संख्या 0742/2026 दर्ज की है। मुकदमा भारतीय न्याय संहिता की धारा 353(2) के तहत दर्ज किया गया है। खास बात यह है कि 15 नवंबर की सभा के सात दिन बाद रोहित प्रधान के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। हालांकि, कथित वायरल वीडियो की प्रामाणिकता और उसमें लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले में रोहित प्रधान का पक्ष भी उपलब्ध नहीं है। वहीं, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि प्रकरण में सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियों पर स्वतः संज्ञान लेकर विधिक कार्यवाही की गई है। युवती की बरामदगी को लेकर शुरू हुआ था विवाद ऊंचागांव की मेडिकल की पढ़ाई कर रही एक युवती के दो नवंबर को हरियाणा के यमुनानगर निवासी युवक के साथ चले जाने के बाद मामला चर्चा में आया था। परिजनों की ओर से युवक पर युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने और जबरन धर्म परिवर्तन कराने के आरोप लगाए गए थे। युवती की मां ने 12 नवंबर को बघरा आश्रम पहुंचकर स्वामी यशवीर महाराज से मदद की गुहार लगाई थी। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया था। पुलिस ने 12 नवंबर की देर रात आरोपी युवक और उसके माता-पिता, भाई तथा मामा के खिलाफ अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोपों में मुकदमा दर्ज किया था। बाद में युवती की बरामदगी की सूचना भी सामने आई थी और पुलिस द्वारा मजिस्ट्रेट के समक्ष उसके बयान दर्ज कराने की तैयारी किए जाने की बात कही गई थी। इसी प्रकरण को लेकर हिन्दू संगठनों ने 15 नवंबर को महापंचायत बुलाई थी। महा पंचायत के विवाद में अब दूसरी एफआईआर युवती से जुड़े मामले में पहले आरोपी युवक और उसके परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

अब महापंचायत वाले दिन की सभा में कथित टिप्पणी को लेकर रोहित प्रधान के खिलाफ अलग एफ आईआर दर्ज हुई है। दोनों मुकदमों की पृष्ठभूमि ऊंचागांव के घटनाक्रम से जुड़ी है, लेकिन आरोप और कानूनी मामले अलग-अलग हैं। फिलहाल रोहित प्रधान के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने की पुष्टि उपलब्ध है, जबकि गिरफ्तारी या आगे की पुलिस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।

नगरपालिका ने चलाया आवारा पशु पकड़ने का अभियान, दर्जनभर पशु पकड़े

-पकड़े गए पशुओं को गौशाला भिजवाया, अभियान आगे भी रहेगा जारी

-आवारा पशुओं से बुजुर्गों और बच्चों को बना रहता है हादसों का खतरा

समाज जागरण

बागपत। खेकड़ा कस्बे की सड़कों और गलियों में घूम रहे आवारा पशुओं पर अंकुश लगाने के लिए नगर पालिका परिषद ने अभियान तेज कर दिया है। सोमवार को पालिका कर्मचारियों ने विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाकर करीब दर्जनभर आवारा पशुओं को पकड़ा। सभी पशुओं को पकड़कर गौशाला भिजवा दिया गया। कस्बे में लंबे समय से आवारा पशुओं की समस्या बनी



हुई है। सड़कों और बाजारों में घूमने वाले पशु आए दिन लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। इनके हमले से बुजुर्गों और बच्चों के घायल होने का खतरा भी बना रहता है। आवारा पशुओं की समस्या को लेकर आईजीआरएस पोर्टल पर भी लगातार शिकायतें पहुंच रही हैं। इसके मद्देनजर पालिका प्रशासन ने पशुओं को पकड़ने का अभियान शुरू किया है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी हरिलाल पटेल ने बताया कि सोमवार को चलाए गए अभियान में करीब एक दर्जन आवारा पशुओं को पकड़ा गया है। उन्हें गौशाला में भिजवा दिया गया है। कस्बे को आवारा पशुओं से मुक्त करने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

नन्हे खिलाड़ियों ने खेल प्रतियोगिताओं में बिखेरा प्रतिभा का जलवा

-डीके कॉन्वेंट स्कूल में ग्रुप-ए की खेल प्रतियोगिताओं का समापन, म्यूजिकल चेयर व कलेक्ट द बॉल में बच्चों ने दिखाया उत्साह

-नर्सरी और एलकेजी के नन्हे खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हासिल किए स्थान

समाज जागरण

कैराना। नगर के डीके कॉन्वेंट स्कूल में सोमवार को ग्रुप-ए के अंतर्गत नर्सरी एवं एलकेजी कक्षाओं की खेल प्रतियोगिताओं का उत्साहपूर्ण माहौल में समापन हुआ। म्यूजिकल चेयर और कलेक्ट द बॉल जैसी रोचक प्रतियोगिताओं में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रतिभा, फुर्ती और उत्साह का शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। प्रतियोगिताओं में नर्सरी कक्षा की म्यूजिकल चेयर स्पर्धा में महक और कुंज ने प्रथम, आयत और आहिल ने द्वितीय तथा एशल और हार्दिक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, एलकेजी वर्ग में नमरा और फारिश प्रथम, आन्या और कृषांक द्वितीय तथा तनिषा और अब्दुल शुभान तृतीय स्थान पर रहे। कलेक्ट द बॉल प्रतियोगिता के नर्सरी वर्ग में नमरा और कृषांक ने प्रथम स्थान हासिल किया। वृन्दा, महक और कुंज वर्मा द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि भूमि, हिदाया और ईबराहिम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रतियोगिता के एलकेजी वर्ग में अतीक्ष राज और बुशरा ने प्रथम, हम्माद और परिशा ने द्वितीय तथा हस्नैन और सानवी ने तृतीय स्थान हासिल किया। स्कूल कोऑर्डिनेटर कमलेश कुमार की देखरेख में आयोजित प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। विद्यालय प्रबंधक एसके गोयल और प्रधानाचार्य राजकुमार सेन ने संयुक्त रूप से विभिन्न स्पर्धाओं में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करने की घोषणा की। प्रतियोगिताओं के आयोजन में स्कूल डायरेक्टर दीपिका गुप्ता के साथ गीता रानी, आरती शर्मा, पारुल शर्मा, तनु सैनी और गायत्री चौधरी सहित विद्यालय स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

जामपानी में 25 नवंबर से शुरू होगा मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण

25 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च करेगी योगी सरकार

समाज जागरण

सोनभद्र। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर बनाने और विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षिक सुविधाओं से जोड़ने के लिए योगी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में दुद्धी तहसील क्षेत्र के ग्राम जामपानी में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण 25 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 25 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च की जाएगी। विद्यालय के निर्माण से क्षेत्र के बच्चों को प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षा एक ही परिसर में उपलब्ध हो सकेगी। इससे विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि जामपानी में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का निर्माण कार्य 25 नवंबर से प्रारंभ कराया जाएगा। निर्माण की जिम्मेदारी सीएंडडीएस को सौंपी गई है। निर्माण कार्य पर 25 करोड़ 28 लाख रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी।उन्होंने बताया कि विद्यालय को आधुनिक शैक्षिक जरूरतों के अनुरूप विकसित किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ तकनीकी और व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने का भी अवसर मिल सके।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा विद्यालय

जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को ध्यान में रखते हुए कई आधुनिक व्यवस्थाएं की जाएंगी। यहां स्मार्ट क्लासरूम बनाए जाएंगे, जिनके माध्यम से विद्यार्थी डिजिटल तकनीक की मदद से पढ़ाई कर सकेंगे। पुस्तक अध्ययन की आदत विकसित करने के लिए बैठकर पढ़ने की समुचित व्यवस्था से युक्त लाइब्रेरी भी बनाई जाएगी।

इसके अलावा कंप्यूटर लैब और विज्ञान एवं रोबोटिक्स की शिक्षा के लिए मॉड्यूलर कंपोजिट लैब स्थापित की जाएगी। इससे विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ प्रयोगात्मक और तकनीकी शिक्षा भी मिल सकेगी।

बाल वाटिका से विकसित होगी सीखने की शुरूआती समझ

बताया कि विद्यालय में छोटे बच्चों की शिक्षा और सर्वांगीण विकास के लिए बाल वाटिका की व्यवस्था भी होगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों में पोषण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से न्यूट्रिशन गार्डन विकसित किया जाएगा। शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए स्टाफ रूम बनाया जाएगा। पूरे परिसर में वाईफाई की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ऑनलाइन सीसीटीवी निगरानी की व्यवस्था भी की जाएगी।

ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

एक ही परिसर में प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक की शिक्षा उपलब्ध होने से बच्चों की पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी। अभिभावकों को अलग-अलग कक्षाओं के लिए दूसरे विद्यालयों की तलाश नहीं करनी पड़ेगी। खासकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के परिवारों के बच्चों को इसका लाभ मिलेगा।

स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर और रोबोटिक्स लैब जैसी सुविधाएं ग्रामीण विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से परिचित कराएंगी। योगी सरकार की इस पहल से दुद्धी क्षेत्र में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलने के साथ ही ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर आज होगी राजनीतिक दलों की बैठक

-तहसील सभागार में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी करेंगे बैठक

-मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

समाज जागरण

बागपत। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर मंगलवार को खेकड़ा तहसील सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित होगी। बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों को लेकर चर्चा की जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन



अधिकारी लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने यह बैठक बुलाई है। इसमें विधानसभा क्षेत्र बागपत के संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भी प्रतिभाग करेंगे। बैठक के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों और सचिवों को सूचना भेजी गई है। बैठक में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण से जुड़े कार्यों को लेकर आवश्यक जानकारी साझा की जाएगी।

देव दीपावली पर 21000 दीपों से जगमगाएंगी, चोपन सोन नदी के तट

समाज जागरण/
आदिवासी सुनील त्रिपाठी



चोपन/ सोनभद्र। चोपन में सोन नदी का पावन तट सोनेश्वर महादेव तट पर एक बार फिर दीपों की रोशनी से जगमगाने जा रहा है। काशी की तर्ज पर वर्ष 2014 से शुरू हुई देव दीपावली की परंपरा इस बार और भी भव्य होने जा रही है। आयोजन को लेकर तैयारियां तेज हैं। इस बार करीब 21 हजार दीपों से छठ घाट से लेकर बजरंग घाट तक दीपदान किया जाएगा। खास बात यह है कि धार्मिक आयोजन के साथ-साथ आदिवासी और जनजातीय समाज की प्रतिभाओं तथा स्थानीय गायकों को भी मंच देने की तैयारी है। साथ ही बच्चों के लिए रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाता है जो आकर्षण का केंद्र होता है। भव्य आयोजन में लगभग 5 हजार लोगों की पहुंचने की उम्मीद से सुरक्षा व्यवस्था व अन्य इंतजाम किये जाते। चोपन के सोन तट पर वर्ष 2014 से लगातार देव दीपावली का भव्य आयोजन किया जा रहा है। सोन सेवा समिति के अध्यक्ष संजीव त्रिपाठी के मुताबिक, इस वर्ष भी हजारों दीपों से सोन नदी के तट को रोशन करने की तैयारी है। आयोजन में करीब तीन से चार हजार लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम में समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गौड व जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों की उप स्थिति प्रस्तावित है। इसके साथ ही रंगोली, कला प्रतियोगिता और बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इस बार आदिवासी एवं जनजातीय समाज के बच्चों और युवाओं को अपनी कला, प्रतिभा और संस्कृति प्रदर्शित करने के लिए विशेष मंच दिया जाएगा। सोन सेवा समिति के राजेश अग्रहरी बताते हैं कि सोन नदी के पावन तट पर देव दीपावली का आयोजन अब एक विराट धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का रूप ले चुका है। सोन नदी का धार्मिक एवं पौराणिक महत्व भी काफी पुराना है। ऐसी मान्यता है कि सोन नदी का संबंध ब्रह्मा जी के पुत्र से है। यह नदी विभिन्न क्षेत्रों से होकर प्रवाहित होती हुई पटना के समीप गंगा नदी में मिलती है। इसी पवित्र सोन तट पर हजारों दीप जलाकर दीपदान किया जाता है। इस वर्ष भी आयोजन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। दीपावली के दिन से ही सोन तट के निवासी और समिति के कार्यकर्ता घाटों की साफ-सफाई, सजावट और अन्य व्यवस्थाओं में जुट जाते हैं। पिछले आयोजनों में लगभग पांच हजार श्रद्धालुओं की सहभागिता रही है। इस बार भी बड़ी संख्या में नगरवासी, क्षेत्रवासी और दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। हम सभी से अपील करते हैं कि देव दीपावली के इस पावन अवसर पर सोन नदी के तट पर पहुंचकर दीपदान करें और इस धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक एकता के महापर्व को सफल बनाएं। सोन तट पर देव दीपावली का आयोजन अब धार्मिक आस्था के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का भी माध्यम बन रहा है। विकास चौबे बताते हैं कि वर्ष 2014 में तत्कालीन जिलाधिकारी दिनेश सिंह ने भी आयोजन की सराहना करते हुए सहयोग दिया था। तब से हर वर्ष दीपदान, 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन, रंगोली और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस बार एक नया आकर्षण जिला स्तरीय गायन प्रतियोगिता होगा, जिसमें सोनभद्र के उभरते हुए गायक अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इस वर्ष पांच से सात हजार श्रद्धालुओं और दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। नमामि गंगे के जिला संयोजक महेंद्र केसरी के मुताबिक, छठ घाट से लेकर बजरंग घाट तक पूरे सोन तट को फूल-मालाओं और दीपों से सजाया जाएगा। आयोजन में अखंड हरिकीर्तन, आरती, भंडारा और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए घाटों के विस्तार और सुविधाओं को बेहतर बनाने की जरूरत है। सोनश्वर घाट की कुछ सीढ़ियों का निर्माण अभी बाकी है और इसके विस्तार का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। समिति का प्रयास है कि आने वाले वर्षों में आयोजन को और अधिक व्यवस्थित एवं भव्य बनाया जाए।

बता दे कि चोपन के सोन तट पर देव दीपावली का यह आयोजन अब केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान दिलाने का भी माध्यम बनता जा रहा है। 21 हजार दीपों की रोशनी, अखंड हरिकीर्तन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच इस बार सोन तट पर आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

जनसुनवाई में एसपी अभिषेक वर्मा ने सुनीं लोगों की समस्याएं, निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

समाज जागरण



सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई एवं जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखा धड़ी, राजस्व प्रकरणों सहित अन्य पुलिस संबंधी शिकायतें सामने आईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक मामले को गंभीरता और संवेदन शीलता से सुनते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण और तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्रवाई की जानकारी समय से उपलब्ध कराई जाए। जिन मामलों में तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है, उनमें बिना विलंब विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एसपी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनावश्यक देरी या उत्पीड़न की शिकायत मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई पुलिस और आमजन के बीच विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष और संतोषजनक समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

रेलवे ट्रैक पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, ट्रेन की चपेट में आने से मौत की आशंका

समाज जागरण



सोनभद्र। रेलवे ट्रैक पर सोमवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सोनभद्र रेलवे स्टेशन से पूर्व खंभा नंबर 168/17 के पास रेलवे ट्रैक पर व्यक्ति का शव पड़ा मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गोमो-बरवाडीह पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। ट्रेन की चपेट में आने से मौत की आशंका-: जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह रेलवे ट्रैक पर शव पड़े होने की सूचना मिली। इसके बाद जीआरपी की टीम घटनास्थल पर पहुंची। मौके का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि व्यक्ति गोमो-बरवाडीह पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गया होगा। हालांकि, वह किन परिस्थितियों में ट्रेन की चपेट में आया, इसकी अभी पुष्टि नहीं हो सकी है। जेब से मिले कई आधार कार्ड और मनरेगा जॉब कार्ड-: मृतक की पहचान के लिए जब जीआरपी ने उसकी तलाशी ली तो जेब से एक पर्स बरामद हुआ। पर्स में कई आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड और एक बंद मोबाइल फोन मिला। एक व्यक्ति के पास कई आधार कार्ड और मनरेगा जॉब कार्ड मिलने से पुलिस भी मामले को लेकर जांच कर रही है। बरामद दस्तावेजों के आधार पर मृतक के बिहार का निवासी और मजदूर होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, दस्तावेजों के आधार पर अभी तक उसकी पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। दस्तावेजों के जरिए पहचान करने में जुटी जीआरपी-: जीआरपी बरामद आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड और मोबाइल फोन के माध्यम से मृतक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि मृतक कहां का रहने वाला था और सोनभद्र रेलवे स्टेशन के आसपास किन परिस्थितियों में पहुंचा था।

फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना को लेकर हादसे की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। मृतक की पहचान होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों तथा घटना से जुड़ी अन्य परिस्थितियों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे में वांछित आरोपी गिरफ्तार, करमा पुलिस ने नहर के पास से दबोचा

समाज जागरण



सोनभद्र। जनपद में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत करमा पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अजीत पटेल (19 वर्ष) पुत्र अश्वनी कुमार निवासी पुरखास, थाना करमा, जनपद सोनभद्र के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल के निर्देशन में करमा पुलिस टीम कार्रवाई कर रही थी। इसी दौरान 22 नवंबर 2026 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने करमा ब्लॉक नहर के पास घेराबंदी कर आरोपी अजीत पटेल को रात करीब 9:15 बजे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी थाना करमा में दर्ज मुकदमा संख्या 172/2026 के तहत धारा 8/21/29/60 एनडीपीएस एक्ट में वांछित था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी की और उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक संतप्रसाद मिश्रा, हेड कांस्टेबल संदीप सिंह और हेड कांस्टेबल विवेक गिरी शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

वनाधिकार के 9856 दावे निरस्त, अपील कर दोबारा पा सकते हैं अधिकार

समाज जागरण



सोनभद्र। बभनी ब्लॉक सभागार में सोमवार को वनाधिकार अधिनियम और जनसमस्याओं को लेकर जन चौपाल आयोजित की गई। अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष जीतसिंह खरवार और अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री आनंदजी के नेतृत्व में आयोजित चौपाल में वनाधिकार के दावों, स्वीकृत पट्टों, राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने और लाभार्थियों को खतौनी वितरण की स्थिति की समीक्षा की गई। चौपाल में बताया गया कि पूरी तहसील में वनाधिकार अधिनियम के तहत कुल 13,675 दावे प्रस्तुत किए गए थे। इनमें से 3,819 दावों को स्वीकृति देते हुए पट्टा आवंटित किया गया, जबकि 9,856 दावे निरस्त कर दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिन लोगों के दावे निरस्त हुए हैं, वे नियमानुसार अपील कर सकते हैं। अपील के माध्यम से उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि वर्ष 2017 से पहले 3,664 और वर्ष 2017 के बाद 3,622 पट्टे स्वीकृत किए गए। आवंटित पट्टों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने तथा लाभार्थियों को खतौनी उपलब्ध कराने की प्रगति पर भी चर्चा हुई। संबंधित अधिकारियों से लंबित मामलों के निस्तारण की स्थिति और समय सीमा की जानकारी ली गई। इसके अलावा ग्रामीणों को जन्म प्रमाणपत्र बनवाने में आ रही परेशानियों और लंबित आवेदनों पर भी चर्चा की गई। चौपाल में जनसमस्याओं के समाधान और लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

इस मौके पर उपजिलाधिकारी दुद्धी अशोक कुमार गुप्ता, एसडीओ वन विभाग अखिलेश पटेल, खंड विकास अधिकारी मुनीष कुमार सिंह, समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार भदौरिया, उत्तर प्रदेश वन निगरानी समिति के सदस्य देवनारायण सिंह खरवार, जिला संगठन मंत्री रविन्द्र कुमार, वन क्षेत्राधिकारी प्रेम प्रकाश चौबे सहित राजस्व एवं वन विभाग की टीम मौजूद रही।

जिलाधिकारी ने ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

समाज जागरण



सोनभद्र। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ ने सोमवार को ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था के तहत स्थापित सीसीटीवी कैमरों एवं उनके बैकअप की जांच की, जो सही एवं क्रियाशील पाया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को वेयरहाउस परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप व्यवस्थित एवं सुरक्षित रखा जाए। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का प्रत्येक माह नियमित निरीक्षण किया जाता है, ताकि सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप बनी रहें। निरीक्षण के दौरान सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जगरूप सिंह पटेल, सीओ चकबंदी, डूडा अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रॉबर्ट्सगंज में 1.680 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार, पहले भी एनडीपीएस एक्ट में दर्ज है मुकदमा

समाज जागरण



सोनभद्र। जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रॉबर्ट्सगंज पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने चुर्क मोड़ बस स्टैंड के पास यात्री शेड से एक युवक को 1 किलो 680 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अनिल विश्वकर्मा (24 वर्ष), निवासी बढ़ौली, थाना रॉबर्ट्सगंज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 22 नवंबर 2026 की रात करीब 10:50 बजे चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने बस स्टैंड चुर्क मोड़ स्थित यात्री शेड के पास संदिग्ध युवक को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके कब्जे में मिले सफेद प्लास्टिक के झोले से 1 किलो 680 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इस मामले में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मुकदमा अपराध संख्या 943/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार अनिल विश्वकर्मा का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ वर्ष 2020 में चोरी, मारपीट और धमकी से संबंधित दो मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा वर्ष 2025 में एनडीपीएस एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज हुआ था। गिरफ्तारी करने वाली टीम में चौकी प्रभारी चुर्क उपनिरीक्षक धर्मनारायण भार्गव, हेड कांस्टेबल अमरजीत यादव, दिनेश पासवान और कांस्टेबल रामसिंह शामिल रहे।

विंध्य एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण पर पोखरा के किसानों का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण



सोनभद्र। विकास खंड बभनी के ब्लॉक सभागार के सामने सोमवार को ग्राम पंचायत पोखरा के प्रभावित किसानों और ग्रामीणों ने विंध्य एक्सप्रेसवे के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर प्रदर्शन किया। इसके बाद उपजिलाधिकारी अशोक कुमार गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर सर्वे जल्द पूरा कराने और अधिग्रहित होने वाली जमीन का चिन्हांकन कर जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में विंध्य एक्सप्रेसवे निर्माण के लिए किसानों की जमीन अधिग्रहित की जा रही है, लेकिन प्रभावित लोगों को पूरी और स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है। इससे किसानों में असमंजस और चिंता बनी हुई है। किसानों ने मांग की कि गांव में कितने लोगों की कितनी जमीन अधिग्रहित की जाएगी, इसका विवरण सार्वजनिक किया जाए। प्रभावित किसानों को समय से लिखित नोटिस देकर भूमि अधिग्रहण की जानकारी उपलब्ध कराई जाए तथा सर्वे और मुआवजे की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की जाए। ज्ञापन में राजस्व अभिलेखों में दूसरे व्यक्ति के नाम दर्ज जमीन पर पीढ़ियों से वास्तविक कब्जा रखने वाले परिवारों का मुद्दा भी उठाया गया। ग्रामीणों ने ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक कब्जाधारियों के हितों का ध्यान रखने की मांग की। साथ ही जिन परिवारों के पास मकान के अलावा कोई दूसरी जमीन नहीं है, उनके पुनर्वास और भविष्य की व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की। प्रदर्शनकारियों ने भूमि अधिग्रहण से पहले ग्राम सभा की खुली बैठक बुलाकर ग्रामीणों को पूरी जानकारी देने और उनकी आपत्तियां सुनने की मांग की। उन्होंने अधिकारियों से निष्पक्ष कार्रवाई कर किसी भी किसान या ग्रामीण के साथ अन्याय नहीं होने देने की अपील की।

इस दौरान सफी मुहम्मद, रामचरित्र, देवकुमार, चंद्रदेव, विशेश्वर, श्याम जी , राजकेरवा, जमजाल, चंद्रिका, विन्ध्याचल, रामछविला, दिनेश कुमार सहित बड़ी संख्या में प्रभावित किसान और ग्रामीण मौजूद रहे।

जिला अस्पताल के मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग में चला हार्टफुलनेस का एकात्म अभियान

- हर दिल ध्यान, हर दिन ध्यान के तीन दिवसीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

समाज जागरण



सोनभद्र। भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय एवं राज्य सरकार की पहल पर देश के आठ राज्यों के गांव-गांव एवं शहरों में सरकारी विभागों में हार्टफुलनेस का एकात्म अभियान, हर दिल ध्यान हर दिन ध्यान के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में जनपद सोनभद्र के जिला अस्पताल के प्रांगण में स्थित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग(MCH) में हार्टफुलनेस का तीन दिवसीय कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ संतोष कुमार और डॉ डी.के. सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। हार्टफुल वॉलिंटियर्स डॉक्टर वैभव, आशीष सिंह , कंचन लता एवं राधिका देवी एवं हार्टफुलनेस ट्रेनर राजकुमार द्वारा कार्यक्रम के संचालन में भरपूर सहयोग किया गया। हार्टफुलनेस ट्रेनर एवं डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर गोपाल द्वारा 3 दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिभागियों को तनाव मुक्ति, आंतरिक शुद्धिकरण, ध्यान एवं आंतरिक स्वर से जुड़ने का तरीका सिखाया गया एवं उसका उन्हें अनुभव कराया गया। हार्टफुलनेस हृदय पर आधारित ऐसे सरल और अनूठे अभ्यास हैं जो व्यक्ति को भीतर से रूपांतरित कर देते हैं जिससे हम एक उद्देश्य पूर्ण, संतुलित एवं आनंदपूर्ण जीवन जीना सीख जाते हैं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला व्यय संवेदनशील कमेटी की बैठक सम्पन्न

समाज जागरण



सोनभद्र। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज जिला व्यय संवेदनशील कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आबकारी विभाग, राज्य कर एवं वाणिज्य कर विभाग, आयकर विभाग, नोडल व्यय अधिकारी, पुलिस विभाग तथा जिला अग्रणी बैंक के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। बैठक के दौरान संबंधित विभागों एवं एजेंसियों के प्रतिनिधियों द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद की कोई भी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र व्यय के दृष्टिकोण से संवेदनशील श्रेणी में नहीं है। जिला धिकारी द्वारा सभी संबंधित एजेंसियों से इस संबंध में लिखित इनपुट भी प्राप्त किए गए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान यदि कहीं भी अवैध नकदी, शराब, मादक पदार्थ, बहुमूल्य धातुओं, आभूषणों अथवा अन्य किसी प्रकार की सामग्री के वितरण या नकदी की बरामदगी का मामला संज्ञान में आता है, तो उसकी सूचना तत्काल जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ सतर्कता एवं निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं प्रलोभनमुक्त ढंग से सम्पन्न कराया जा सके।

एक साल से बंद पड़ी सौर ऊर्जा पानी टंकी, पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण

महुअरिया के 10 से 12 परिवारों को नहीं मिल रहा पानी, ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई मरम्मत की गुहार

समाज जागरण/प्रेम शंकर यादव

दुद्धी/सोनभद्र। ग्राम सभा फुलवार के टोला महुअरिया में ग्रामीणों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित सरकारी सौर ऊर्जा संचालित पानी टंकी करीब एक वर्ष से बंद पड़ी है। पंप में खराबी आने के कारण पानी की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। इससे ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, इस टंकी से गांव के लगभग 10 से 12 परिवारों को पानी मिलता था। लेकिन पंप खराब होने के बाद से व्यवस्था बंद है।

टंकी से जुड़े पाइप और सार्वजनिक नल भी खराब स्थिति में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी धन से स्थापित पेयजल सुविधा का लंबे समय तक बंद रहना विभागीय उदासीनता को दर्शाता है। राम परीक्षा यादव, मनोज यादव, रामदास यादव, गुलाब चंद यादव, रामचलित्तर यादव और रूपन यादव सहित अन्य ग्रामीणों ने संबंधित विभाग एवं ग्राम पंचायत से टंकी की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से स्थलीय निरीक्षण कराकर खराब पंप, पाइप और सार्वजनिक नलों को दुरुस्त कराने की गुहार लगाई है, ताकि बंद पड़ी पानी टंकी दोबारा चालू हो सके और लोगों को नियमित पेयजल सुविधा मिल सके।

काव्य कृति यादों के फूल का भव्य विमोचन, कवियों ने रचनाओं से बांधा समां

जागृति योग संस्थान शाला में आयोजित हुई काव्य संध्या

समाज जागरण

सोनभद्र। जागृति योग संस्थान शाला, न्यू कॉलोनी रॉबर्ट्सगंज में रविवार को कवयित्री अलका केशरी आरिया की काव्य कृति यादों के फूल का भव्य विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कथाकार रामनाथ शिवेन्द्र ने की, जबकि संचालन मेघ प्रकाश मिजार्पुरी ने किया। समारोह में रामनाथ शिवेन्द्र, राकेश शरण मिश्र, प्रद्युम्न त्रिपाठी, अशोक तिवारी, जुल्फेकार हैदर खान और कौशल्या कुमारी चौहान सहित अतिथियों ने संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान अतिथियों का अंगवस्त्र, लेखनी एवं पुस्तिका भेंटकर सम्मान किया गया। काव्य संध्या में कवियों ने हिंदी और लोकभाषा की रचनाओं, गीतों एवं गजलों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कौशल्या कुमारी चौहान ने वीर रस की कविता सुनाई, वहीं अशोक तिवारी, सुशील मिश्रा, विवेक चतुर्वेदी और अन्य रचनाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम के अंत में अलका केशरी आरिया ने सभी अतिथियों एवं साहित्यप्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने रचा इतिहास, पहली बार आयोजित की राज्य स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी

- चेयरमैन डॉ. शंकर लाल धूपड़ के दूरदर्शी नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]



भिवानी, 23 नवंबरः हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए पहली बार राज्य स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया। बोर्ड परिसर, भिवानी स्थित सर्वपल्ली राधाकृष्णन लैब स्कूल (एसआरएस) में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर के विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से कुल 63 टीमों ने पंजीकरण करवाया, जिनमें से 58 टीमों ने तीन-तीन विद्यार्थियों के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आठ टीमों का चयन दूसरे चरण के लिए किया गया। दूसरे चरण में इन आठ टीमों के बीच रोचक एवं ज्ञानवर्धक विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हांसी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वैश्य गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चरखी दादरी ने द्वितीय तथा वैश्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चरखी दादरी ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता टीमों को प्रथम पुरस्कार के रूप में 11,000 रुपये, मेडल एवं प्रमाण-पत्र, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 5,100 रुपये, मेडल एवं प्रमाण-पत्र तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 3,100 रुपये, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। चेयरमैन डॉ. शंकर लाल धूपड़ की दूरदर्शी सोच को सलाम कार्यक्रम में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. शंकर लाल धूपड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में बोर्ड द्वारा की गई यह पहल प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना के अनुरूप इस प्रतियोगिता में रटने की प्रवृत्ति के स्थान पर अनुभव आधारित शिक्षा, आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विशेष महत्व दिया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना, उनकी तार्किक क्षमता को बढ़ावा देना तथा उनकी प्रतिभा और अभिव्यक्ति को एक सशक्त मंच प्रदान करना था। निर्णायक मंडल एवं आयोजन टीम की महत्वपूर्ण भूमिका प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका श्री सुनील जैन, प्रिंसिपल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पटौदी तथा श्री भुवनेश मुद्गिल, प्रिंसिपल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भैणी कुंगड़ ने निभाई। क्विज मास्टर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी श्री अनिल अरोड़ा, पीजीटी फिजिक्स, राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भिवानी ने निभाई, जबकि श्रीमती रीतिका, पीजीटी फिजिक्स, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहल ने प्रभावशाली मंच संचालन किया। प्रतियोगिता के सुव्यवस्थित एवं अनुशासित संचालन में श्री सौरभ वधवा, पीजीटी फिजिक्स, राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय, तोशाम, श्रीमती रीतिका, पीजीटी फिजिक्स, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहल, श्री राजेंद्र मेहतानी, पीजीटी मैथेमेटिक्स, राजकीय विद्यालय, बापोड़ा, श्री गुरदीप सिंह, पीजीटी मैथेमेटिक्स, श्रीमती विभा यादव, पीजीटी बायोलॉजी, श्री विनेश कुमार, एसआरएस भिवानी, श्री नवल, पीजीटी केमिस्ट्री तथा श्री राकेश कुमार, पीजीटी केमिस्ट्री, भिवानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर श्री विनस कुमार, पीजीटी बायोलॉजी, एस आरएस भिवानी रहे। शिक्षा के क्षेत्र में एक नई परंपरा की शुरूआत इस ऐतिहासिक पहल के लिए बोर्ड चेयरमैन डॉ. शंकर लाल धूपड़ विशेष बधाई और साधुवाद के पात्र हैं। किसी भी संस्थान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए केवल प्रशासनिक अनुभव ही नहीं, बल्कि नई सोच, सकारात्मक दृष्टिकोण और भविष्य की आवश्यकताओं को समझने वाली दूरदर्शिता भी आवश्यक होती है।

श्री धूपड़ जी ने अपने नेतृत्व में यह संदेश दिया है कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड केवल परीक्षा संचालन करने वाला संस्थान नहीं, बल्कि प्रदेश की शैक्षणिक प्रतिभाओं को तलाशने, तराशने और उन्हें आगे बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण मंच भी बन सकता है। निश्चित रूप से यह पहल प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में एक दूरगामी कदम साबित होगी। आने वाले वर्षों में विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता प्रदेश की एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक परंपरा बन सकती है।

ढंड व कोहरे की दस्तक के चलते वाहन चालक रहें सजग व सतर्क : भारद्वाज

:गोविंदपुरा-प्रह्लादगढ़ ओवरब्रिज की सभी लाइटें खराब
: संबंधित विभाग से जल्द समाधान की मांग : अशोक कुमार भारद्वाज
:जिला प्रशासन व संबंधित विभाग को दिया संज्ञान में

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]





भिवानी। देश और प्रदेश में सर्दी तथा कोहरे की दस्तक के साथ ही सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए सामाजिक संस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृति सेवा समिति ने सड़क सुरक्षा अभियान, हिट एंड रन कानून जागरूकता एवं आपदा सुरक्षा अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के पहले दिन संस्था ने भिवानी के गोविंदपुरा और प्रह्लादगढ़ गांव के पास स्थित ओवरब्रिज पर खराब पड़ी सभी लाइटों की समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए संबंधित विभाग का ध्यान इस ओर आकर्षित किया। संस्था ने विभाग से मांग की कि ओवरब्रिज पर बंद पड़ी लाइटों को जल्द ठीक करवाया जाए, ताकि कोहरे और अंधेरे के कारण किसी संभावित सड़क दुर्घटना को रोका जा सके। इस अवसर पर भारत सरकार से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता एवं अभियान के संयोजक अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि सर्दी के मौसम में कोहरा वाहन चालकों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे में प्रत्येक वाहन चालक को अतिरिक्त सावधानी और सतर्कता बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकार, यातायात पुलिस और कानून तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी है। भारद्वाज ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य संबंधित विभागों, विद्यार्थियों, युवाओं और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने वाहन चालकों से हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने तथा नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की अपील की। उन्होंने हिट एंड रन कानून के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना होने पर घायलों की सहायता करना, उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध करवाने में सहयोग देना और पुलिस को तुरंत सूचना देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। सड़क पर दुर्घटना पीड़ितों की मदद के लिए लोगों को आगे आना चाहिए। अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि सड़क सुरक्षा अभियान को जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी, विभागों की जिम्मेदारी और आमजन की जागरूकता से ही सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित सड़क व्यवस्था बनाने में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

1977 में चौधरी देवीलाल ने सता परिवर्तन करवाया,2029 में जजपा दोहराएगी इतिहास : दिग्विजय चौटाला

शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार के लिए काम करना जरूरी है, भाजपा की जात-पात धर्म मजहब की राजनीति से जनता उब चुकी है : दिग्विजय चौटाला

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]



भिवानी 23 नवम्बर.. जननायक जनता पार्टी के 9वें स्थापना दिवस को लेकर आज जजपा युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने हल्का लोहारू के गांव कुडल, बड़दु चन्ना, ढाणी लक्ष्मण, गिगनाव ,शेहर ,नकीपुर,चहड़ कला,बहल, गरवा,सुरपुरा खुर्द,बिधनोई का दौर कर 6 दिसम्बर जन जन अधिकार रैली का निमंत्रण दिया। इस मौके पर दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा की आज फिर से 1977 का दौर आ गया उस समय चौधरी देवीलाल ने संघर्ष कर कांग्रेस के तानाशाही राज को समाप्त किया था और आज डाक्टर अजय सिंह चौटाला के नेतृत्व में जजपा भाजपा के किसान,युवा विरोधी सरकार को बाहर करेगी। दिग्विजय ने उपस्थित ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में 6 दिसम्बर को महेन्द्रगढ़ पहुंचने का आह्वान किया। हल्का लोहारू से डा. अजय सिंह चौटाला का पुराना नाता बताते हुए कहा की यहां के लोग हमारे घर के लोग हैं। लोहारू से रैली में 7-8 हजार लोग शिरकत करेंगे। उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा की कांग्रेस सरकार में जिस षड्यंत्र के तहत डा.अजय सिंह चौटाला को 13 हजार नौकरियां देने पर जेल करवाई थी। वह सब जनता को याद है। डा अजय सिंह के चुनाव लडने की सभी पाबंदियां समाप्त हो गई है और वे अगामी लोकसभा चुनाव भिवानी महेंद्रगढ़ से लड सकते हैं। भाजपा को युवा विरोधी करार देते हुए दिग्विजय ने कहा की युवाओं को एचटेट परीक्षा के नाम बरगलाया जाता है। पिछली एचटेट परीक्षा में 3-3 लाख रुपए में एचटेट परीक्षा पास करवाई गई। हजारों एचटेट पास भावी अध्यापक आज भी घर बैठे हैं लेकिन भाजपा सरकार स्थाई नौकरियां नहीं दे रही। एचकेआरएन के नाम पर युवाओं को लुटा जा रहा है। दिग्विजय ने कहा की आज खाद थानों में मिलती है और भाजपा सरकार सबसे कम फसल खरीदने पर स्वयं की पीठ थपथपा रही है। चौटाला ने लोहारू की जनता से ज्यादा से ज्यादा संख्या में 6 दिसम्बर को महेन्द्रगढ़ पहुंचने का आह्वान किया। दिग्विजय चौटाला के सानिध्य में आज गांव गर्वा में सुनील गर्वा ने साथियों के साथ जजपा में शामिल होने की घोषणा की। इस मौके पर संगठन सचिव राजेंद्र लितानी,जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा जिला प्रभारी कृष्ण बजीणा हल्का अध्यक्ष देवेंद्र नकीपुर , राजबीर तालु , ,प्रभारी राजकुमार ओबरा, दिनेश सुरपूरा, हिम्मत जावला, प्रवक्ता राजू मेहरा, राजेश गरवा ,मा.राजेश पूनिया, किताबौ देवी,सुनील गर्वा, अजित नूनसर, धन सिंह सलेमपूर, राजेन्द्र बडदू,मदन यादव,अशोक सिहाग,सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे

मैराथन में मुख्यमंत्री ने मंच से जिलाध्यक्ष रेनू शर्मा का नाम लेकर किया संबोधन, शहरवासियों की बढ़ीं उम्मीदें

मुख्यमंत्री के संबोधन से क्षेत्र में उत्साह, विकास कार्यों और स्थानीय समस्याओं के समाधान की जगी आस

समाज जागरण



कालांवाली 23नवम्बर (सुरेश जोरासिया) मैराथन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा मंच से जिलाध्यक्ष रेनू शर्मा का नाम लेकर संबोधित किए जाने से क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई चर्चा शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री के इस संबोधन के बाद शहरवासियों में उत्साह देखने को मिल रहा है। लोगों को उम्मीद है कि अब क्षेत्र की आवाज प्रदेश स्तर पर और मजबूती से पहुंचेगी तथा लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल होगी।
मैराथन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के मंच से रेनू शर्मा का नाम लेकर संबोधन करना स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस घटनाक्रम के बाद रेनू शर्मा के समर्थकों और शहरवासियों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। लोगों का मानना है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सार्वजनिक मंच से स्थानीय जिलाध्यक्ष को पहचान देना क्षेत्र के लिए उत्साहजनक संदेश है। शहरवासियों को उम्मीद है कि रेनू शर्मा आने वाले समय में क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं, विकास कार्यों, सड़क, सफाई, पेयजल, यातायात और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाएंगी। लोगों की अपेक्षा है कि शहर को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत नेतृत्व और सरकार तक सीधी पहुंच महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में मुख्यमंत्री के इस संबोधन के बाद लोगों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। अब शहरवासियों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में क्षेत्र को विकास और जनसुविधाओं के रूप में क्या नई सौगात मिलती है।
मुख्यमंत्री के संबोधन ने शहरवासियों के मन में एक नई उम्मीद जगाई है। अब लोगों को इस उम्मीद के धरातल पर उतरने और क्षेत्र में विकास की नई शुरूआत होने का इंतजार है।

साइकिल दौड़ में मोहिला निवासी रवीना ने सबसे तेज साइकिल चलाकर किया प्रथम स्थान हासिल, रूपाना की स्नेहा द्वितीय और बड़वा निवासी पंकज तृतीय स्थान पर रहीं

महिला खेलकूद प्रतियोगिता में महिलाओं ने दिखाया दम
- सिवानी में खंड स्तरीय ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]



सिवानी/भिवानी, 23 नवंबर। महिला एवं बाल विकास विभाग के आदेशानु सार और सीडीपीओ सत्यबाला के निर्देशन में मंगलवार को सिवानी के स्थानीय राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल के खेल परिसर में खंड स्तरीय ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की अनेक ग्रामीण महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपना दमखम दिखाया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) मंजू राणा तथा सीडीपीओ सत्यबाला ने हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया।
डीपीओ मंजू राणा उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए डीपीओ मंजू राणा ने कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सुबह से शाम तक घर की जिम्मेदारियां संभालने के बावजूद महिलाएं घर से बाहर भी हर कार्य में अव्वल साबित हो रही हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली महिलाओं के जोश की सराहना की और विशेष रूप से बुजुर्ग महिलाओं के उत्साह की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जज्बे के दम पर अव्वल स्थान हासिल कर सभी को प्रेरित किया है।

- विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे

साइकिल दौड़ में मोहिला निवासी रवीना ने सबसे तेज साइकिल चलाकर प्रथम स्थान हासिल किया। रूपाना की स्नेहा द्वितीय और बड़वा निवासी पंकज तृतीय स्थान पर रहीं। म्यूजिकल चेयर में किकराल निवासी नीलम प्रथम स्थान प्राप्त किया। झुपा निवासी राम कला द्वितीय रहीं, जबकि रूपाना निवासी सुमित्रा ने तृतीय स्थान हासिल किया। 400 मीटर दौड़ (18 से 30 आयुवर्ग) में नलोई निवासी वंशीका प्रथम रहीं। आशा ने द्वितीय तथा निशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो में गुरेरा की जगवती ने प्रथम स्थान अपने नाम किया। रूपाना निवासी सुशीला द्वितीय और ममता तृतीय स्थान पर रहीं। 300 मीटर दौड़ में नलोई निवासी रवीना ने प्रथम, इसी गाव की कशिश ने द्वितीय और गुरेरा निवासी सुमन ने तृतीय स्थान हासिल किया।

- विजेताओं को मिलेगी नकद पुरस्कार राशि

विभाग की ओर से सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागी को 2100 रुपये, द्वितीय स्थान पर रहने वाली प्रतिभागी को 1100 रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागी को 750 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।
इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी सत्यबाला एवं समस्त स्टाफ, आंगनवाड़ी वर्कर मौजूद रही।

अधिकारी शिकायतकर्ताओं की शिकायत को गंभीरता से लेकर शीघ्र करें उचित कार्रवाई : एसडीएम

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]



भिवानी, 23 नवंबर। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में सोमवार को समाधान शिविर आयोजित हुआ। समाधान शिविर में एसडीएम महेश कुमार ने लोगों की शिकायतें सुनी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिविर में आने वाले प्रत्येक शिकायतकर्ता की शिकायत को गंभीरता से लेकर शीघ्र उचित कार्रवाई करें। एसडीएम महेश कुमार के समक्ष में गांव पालूवास निवासी रामभगत व सतेन्द्र ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त दिलवाने, पतराम गेट निवासी सुरेश कुमार ने गौशाला के सामने पेयजल लाइन दुरूस्त करवाने, दादरी गेट निवासी जगप्रवेश ने वारिसाना दर्ज करवाने, डीसी कॉलोनी निवासी आत्माराम ने किरायेदार से किराया दिलवाने व मकान का ताला खुलवाने तथा विद्यानगर निवासी योगेश कुमार ने रिहायशी क्षेत्र में डेयरी को बंद करवाने बारे शिकायत रखी। इसी प्रकार से गांव लेघा निवासी सत्यवान, वार्ड नंबर 21 निवासी रेनू, वार्ड नंबर 23 निवासी राकेश, बैंक कॉलोनी निवासी संतोष कुमारी, पतराम गेट निवासी दिनेश, गांव खरक कलां निवासी सुरेश, गांव बवानी खेड़ा निवासी जगदीश, गांव इंदीवाली निवासी राजबीर तथा हनुमान ढाणी निवासी सोनू सैनी ने पीपीपी में त्रुटियों को दुरूस्त करवाने की शिकायत रखी। एसडीएम ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक मामले की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा कर प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। इस अवसर पर बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता संजय रंगा, नायब तहसीलदार गौरव राजोरा व डिप्टी एलडीएम राजवंती सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के अलावा गैर सरकारी सदस्य राम किशन हलवासिया, सुनील वर्मा नंबरदार, अजीत सेखावत व केके ग्रोवर भी मौजूद रहे।

विश्व दिव्यांग दिवस क्रिकेट चैंपियनशिप की ट्रॉफी का विधायक कपूर वाल्मीकि ने किया अनावरण

सरकार की खेल नीति का खिलाड़ियों को मिल रहा है लाभ : कपूर वाल्मीकि
छह राज्यों के दिव्यांग खिलाड़ी दिखाएंगे क्रिकेट में दमखम, 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक होंगे मुकाबले

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]



भिवानी। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा की ओर से विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली चार दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस दौरान एसोसिएशन के चीफ पैटर्न एवं बवानी खेड़ा के विधायक कपूर वाल्मीकि ने प्रतियोगिता के लिए तैयार की गई ट्रॉफी का अनावरण किया। इस अवसर पर विधायक कपूर वाल्मीकि ने कहा कि उन्होंने दिव्यांग खिलाड़ियों को क्रिकेट खेलते हुए देखा है। उनका खेल और प्रदर्शन किसी भी सामान्य खिलाड़ी से कम नहीं है। ये खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर देश-दुनिया में नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ी किसी से कम नहीं हैं और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर अवसर मिलने चाहिए। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार की खेल नीति का लाभ खिलाड़ियों को मिल रहा है। राज्य और केंद्र सरकार खिलाड़ियों को नौकरियां तथा करोड़ों रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित कर रही हैं। पैरा ओलंपिक से लेकर एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ और ओलंपिक तक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकार प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दिव्यांग खिलाड़ियों की समस्याओं और मांगों को सरकार के समक्ष उठाया जाएगा, ताकि उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिल सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि हांसी में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शानदार प्रदर्शन करेंगे।
एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एसएस मान, संरक्षक गोवर्धन आचार्य एवं राजकुमार सुनसुना ने बताया कि 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छह राज्यों के दिव्यांग खिलाड़ी टी-20 क्रिकेट मुकाबलों में भाग लेंगे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध करवाना तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रयास करना है।

उन्होंने बताया कि दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उन्हें उचित सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए बीसीसीआई एवं सरकार को कई बार पत्र लिखे जा चुके हैं। दिव्यांग क्रिकेट से जुड़ी सभी एसोसिएशनों को मजबूत बनाने के प्रयास लगातार जारी हैं। भविष्य में भी बड़े स्तर पर चैंपियनशिप आयोजित करने की योजना है, ताकि दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अधिक अवसर मिल सकें। इस अवसर पर मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजेंद्र हंस, हांसी से राजेंद्र भूटानी , संजय कुमार, संरक्षक गोवर्धन आचार्य, महासचिव राजकुमार सुनसुना सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में साल में एक बार करें बदलाव, ऐसे काबू में रखें निवेश का जोखिम और नुकसान

शेयर बाजार में तेजी आने पर इक्विटी निवेश की वैल्यू तेजी से बढ़ती है। इससे आपके पोर्टफोलियो में शेयरों का हिस्सा तय लक्ष्य से ज्यादा हो सकता है। ऐसे में साल में एक बार पोर्टफोलियो का संतुलन बनाना जरूरी है, ताकि निवेश का जोखिम आपकी क्षमता और जरूरत के मुताबिक बना रहे। निवेश करना ही काफी नहीं है, समय-समय पर अपने निवेश की जांच करना भी जरूरी है। मान लीजिए आपने अपने पोर्टफोलियो में 60 फीसदी पैसा इक्विटी और 40 फीसदी डेट में लगाने का फैसला किया है। लेकिन बाजार में तेजी आने से इक्विटी निवेश की वैल्यू बढ़कर कुल पोर्टफोलियो का 68 फीसदी हो जाती है। आपने भले ही कोई नया निवेश नहीं किया हो, लेकिन आपके पोर्टफोलियो का जोखिम पहले से बढ़ चुका है। इस बदलाव को एसेट एलोकेशन ड्रिफ्ट कहते हैं। इससे बचने का तरीका पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग है। इसका मतलब है कि इक्विटी और डेट में निवेश का अनुपात फिर से उसी स्तर पर लाना, जो आपने अपने वित्तीय लक्ष्य के हिसाब से तय किया था। निवेशकों को यह काम रोज या हर महीने करने की जरूरत नहीं है। साल में एक बार तय तारीख पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करके जरूरी बदलाव किए जा सकते हैं। इससे बाजार की रोजाना की हलचल देखकर जल्दबाजी में फैसले लेने से भी बचा जा सकता है। सबसे पहले तय करें इक्विटी और डेट में कितना पैसा लगाना है पोर्टफोलियो में बदलाव करने से पहले यह तय होना चाहिए कि इक्विटी और डेट में कितना पैसा रखना है। यह फैसला आपके वित्तीय लक्ष्य और उस लक्ष्य को पूरा करने में बचे समय के आधार पर होना चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर आपका लक्ष्य 20 साल बाद रिटायरमेंट के लिए पैसा जुटाना है तो आप ज्यादा जोखिम लेकर इक्विटी में 75 फीसदी और डेट में 25 फीसदी निवेश कर सकते हैं। लंबी अवधि होने के कारण आपके पास बाजार के उतार-चढ़ाव से उबरने का समय रहेगा। वहीं, अगर आपको पांच साल बाद बच्चे की पढ़ाई के लिए पैसे की जरूरत है तो निवेश में जोखिम कम रखना ज्यादा जरूरी होगा। ऐसे में इक्विटी में 30 फीसदी और डेट में 70 फीसदी निवेश का अनुपात रखा जा सकता है। यही अनुपात आपके पोर्टफोलियो का आधार होना चाहिए। बाजार में तेजी या गिरावट देखकर इसे बार-बार बदलने के बजाय अपने वित्तीय लक्ष्य को ध्यान में रखकर निवेश में बदलाव करना चाहिए। कम जोखिम के साथ स्थिर कमाई, गिरते-संभलते बाजार में कितना दमदार है कोटक आर्बिट्राज फंड? बाजार में तेजी से कैसे बिगड़ता है पोर्टफोलियो का संतुलन? इसे एक उदाहरण से समझ सकते हैं। मान लीजिए आपने 10 लाख रुपये का निवेश किया है।

मरीजों की स्वस्थ रखने की जिम्मेदारी हमारी

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। मरीजों को अपने आप को स्वास्थ्य से बढ़ कर कुछ नहीं होता।मरीज हॉस्पिटल आने के बाद जल्द स्वस्थ हो कर अपने परिवार में जाना चाहता है।आज सेवापुरी विकास खंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश सैनी ने समाज जागरण से अपने



अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब हम मरीज व समाज के कल्याण को प्राथमिकता देकर अपना कर्म ईमानदारी से करते हैं तो सफलताएं खुद कदम चूमने लगती हैं। उन्होंने सभी चिकित्सकों से अपील करते हुए कहा कि जो मरीज गरीब, असहाय और वंचित हैं, उनके लिए अपनी ड्यूटी से हटकर थोड़ा समय जरूर निकालने की कोशिश करें।साथ ही उन्होंने बताया क्षेत्र के हरिहरपुर,देहली विनायक,खेवाशीपुर,बहरा, सहित अन्य गांव के मरीजों की सेवा पिछले अगस्त 2025 से करता आ रहा हूं।केंद्र के साफ सफाई के साथ साथ दवाओं की उपलब्धता का विशेष ध्यान रखते हुए आए हुए मरीजों को जल्द से जल्द स्वस्थ करने का कार्य पूरी ईमानदारी से करते आ रहे है।वही क्षेत्र के ग्रामीणों की माने से तो दिनेश सैनी समय से पूर्व आने के बाद देर शाम तक मरीजों का इलाज करने का कार्य करते आ रहे है।इनके आने के बाद हॉस्पिटल की स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में तीन गंभीर घायल

गांव कैल के पास शाम 7:40 बजे हुआ भीषण हादसा, प्राथमिक उपचार के बाद तीनों हायर सेंटर रेफर

(समाज जागरण)

संवाद, गुन्नौर बबराला थाना क्षेत्र के गांव कैल के समीप सोमवार शाम करीब 7:40 बजे दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे राहगीरों और पुलिस की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार, गांव कैल के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं और उन पर सवार लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में जगदीश (65) पुत्र सोहनलाल निवासी पुरन पट्टी, जगदीश (28) निवासी पतेई कास्ट तथा नितेश (30) पुत्र जयप्रकाश निवासी धनीपुर घायल हो गए।हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से तीनों घायलों को अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यातायात जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताए सड़क सुरक्षा के नियम

सिल्वर स्टोन स्कूल में यातायात पुलिस ने छात्र-छात्राओं को हेलमेट, सीट बेल्ट और सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति किया जागरूक

समाज जागरण

बहजोई। यातायात माह नवंबर के अंतर्गत सिल्वर स्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बहजोई में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।



कार्यक्रम में यातायात पुलिस कर्मियों ने छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने और सड़क पार करते समय सावधानी बरतने के नियम समझाए गए।

यातायात पुलिस कर्मियों ने विद्यार्थियों को बताया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। थोड़ी सी लापरवाही गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक रहने और सड़क सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

स्कॉर्पियो से पहुंची पुलिस, बाइक से भाग रहे हत्या के प्रयास के वांछित आरोपी को दौड़ाकर दबोचा

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर स्योहारा। सोमवार की देर रात नगर के स्टेशन रोड पर उस समय अचानक अफरा-तफरी मच गई, जब मेरठ जनपद के मवाना थाने की पुलिस ने लोकेशन के आधार पर एक वांछित आरोपी को पकड़ने के लिए फिल्मी अंदाज में दबिश दी। पुलिस को सामने देखकर आरोपी मोटरसाइकिल से भागने लगा, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने पीछा कर उसे धर दबोचा।

जानकारी के अनुसार, मवाना थाने की पुलिस टीम स्कॉर्पियो गाड़ी से स्टेशन रोड पहुंची थी। आरोपी को पकड़ने के दौरान कुछ देर तक पुलिस और आरोपी के बीच भागदौड़ का माहौल बना रहा। आखिरकार पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर स्कॉर्पियो में बैठाया और अपने साथ मेरठ ले गई। इस दौरान आरोपी की मोटरसाइकिल मौके पर ही छूट गई।

अचानक हुई इस कार्रवाई से स्टेशन रोड पर लोगों में हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गईं।

घटना की जानकारी मिलते ही स्योहारा थाना प्रभारी प्रवेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कराई और मौके पर छूटी मोटरसाइकिल के मालिक से पूछताछ की। जांच-पड़ताल के बाद स्पष्ट हुआ कि युवक को स्कॉर्पियो में बैठाकर ले जाने वाली टीम मेरठ जनपद के मवाना थाने की पुलिस थी, जो अपने थाने के वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर ले गई थी।

इस संबंध में मवाना थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अर्पित कश्यप पुत्र अरुण कुमार, निवासी ग्राम मुबारिकपुर, थाना मवाना, मेरठ के रूप में हुई है। आरोपी हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर अपने साथ मेरठ ले गई है।

देर रात स्टेशन रोड पर हुई इस फिल्मी अंदाज की पुलिस कार्रवाई ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी। स्कॉर्पियो से पहुंची पुलिस, बाइक से भागता आरोपी और पीछा कर गिरफ्तारी का नजारा देर तक लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

जनचौपाल में विधायक ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। विधानसभा क्षेत्र अजगरा के ग्राम राजवारी में संगठन के निदेर्शानुसार विधायक त्रिभुवन राम ने जनचौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जनचौपाल के दौरान क्षेत्र की बेटियों ने अपने विद्यालय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। उनकी बातों कोसंवेदनशीलता से सुना और समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण कराने का आश्वासन दिया।



इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देकर पात्र युवाओं को मतदाता बनाने के लिए प्रेरित किया।

विधायक टी0 राम ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनचौपाल जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष चौबेपुर लक्ष्मण सिंह , शक्तिकेंद्र संयोजक अंकुर सिंह , बूथ अध्यक्षगण अमलेश मिश्रा, अरुण सिंह , कृष्ण कुमार सिंह, अजीत कुमार सिंह एवं अन्य सम्मानित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

यंग माइंड्स-ब्राइट फ्यूचर थीम पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन सम्पन्न

बच्चों ने वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता का किया शानदार प्रदर्शन।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। अटेसुआ,मुर्दहा बाजार स्थित सनग्रेस ग्लोबल स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी ह्यसनग्रेस एक्सपो-2026 का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। यंग माइंड्स-ब्राइट फ्यूचर थीम पर आधारित इस प्रदर्शनी में प्लेग्रुप से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा,रचनात्मकता और नवाचार का शानदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने मानव हृदय एवं रक्त संचार तंत्र, ज्वालामुखी, सौरमंडल, रोबोटिक्स सहित विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों और प्रयोगों पर आधारित आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए। नन्हे विद्यार्थियों ने अपने हाथों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ समझाया। बच्चों की कल्पनाशीलता, मेहनत और वैज्ञानिक विषयों की समझ देखकर अभिभावक काफी प्रभावित नजर आए। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान से आगे



बढ़कर प्रयोगात्मक शिक्षा,नई चीजें सीखने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। साथ ही अभिभावकों ने भी बच्चों की रचनात्मक क्षमता और सीखने की ललक को करीब से देखा।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या रंभा पाण्डेय ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नन्हे-मुन्ने बच्चों ने प्रदर्शनी के लिए काफी मेहनत और लगन से शानदार मॉडल तैयार किए हैं। बच्चों की प्रतिभा और उत्साह देखकर उन्हें बेहद प्रसन्नता हुई। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में जिज्ञासा, आत्मविश्वास,वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना विकसित होती है। विद्यालय प्रबंधन का उद्देश्य शिक्षा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना है। विद्यालय का विश्वास है कि आज के ये नन्हे जिज्ञासु कल केवैज्ञानिक, आविष्कारक और देश के उज्ज्वल भविष्य के निमार्ता बनेंगे।

मतदाता फोटो पहचान पत्रों की गुणवत्ता की जांच पूर्ण, सभी विधानसभा क्षेत्रों की ईपीआईसी किट पाई गई सही

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से रेंडम आधार पर 10-10 ईपीआईसी किट की गईं जांच, मतदाताओं को स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजे जाएंगे पहचान पत्र

समाज जागरण

सम्भल (बहजोई), 23 नवंबर 2026।जनपद सम्भल के समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के दिनांक 28 अक्टूबर 2025 से 28 जुलाई 2026 तक की अवधि में तैयार किए गए मतदाता फोटो पहचान पत्र संबंधित फर्म से मुद्रित होकर प्राप्त हुए।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सत्यप्रिय सिंह द्वारा रेंडम आधार पर जनपद के प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से 10-10



ईपीआईसी किट का निरीक्षण कर गुणवत्ता एवं उपलब्ध अभिलेखों की जांच की गई। प्रत्येक ईपीआईसी किट में मतदाता का फोटो पहचान पत्र, मतदाता की जानकारी हेतु मार्गदर्शिका तथा निर्वाचक के पते से संबंधित विवरण उपलब्ध पाया गया। रेंडम आधार पर की गई जांच में सभी विधानसभा क्षेत्रों की ईपीआईसी किट सही पाई गईं। इसके उपरांत उक्त मतदाता फोटो पहचान पत्र संबंधित मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिन्हें आज ही स्पीड पोस्ट के माध्यम से बुक कराकर मतदाताओं के पते पर प्रेषित किया जाएगा।

पुलिस झंडा दिवस पर एसपी ने फहराया पुलिस ध्वज, जवानों को लगाया पुलिस कलर

पुलिसकर्मियों को निष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए किया प्रेरित

समाज जागरण

बहजोई। पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर गार्ड में पुलिस ध्वज फहराकर सम्मान प्रकट किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश की ओर से प्रेषित संदेश पढ़कर सुनाया। साथ ही पुलिसकर्मियों को पुलिस कलर (पुलिस ध्वज का प्रतीकात्मक बैज) लगाया।

उल्लेखनीय है कि 23 नवंबर 1952 को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उत्तर प्रदेश पुलिस को उसकी उत्कृष्ट कार्यकुशलता, अदम्य साहस एवं समर्पित सेवाओं के लिए पुलिस कलर प्रदान किया था। यह सम्मान



प्राप्त करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य पुलिस बल बना था। पुलिस ध्वज के लाल और नीले रंग पुलिस बल की शक्ति, निष्ठा एवं गौरवशाली परंपरा के प्रतीक हैं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ करें। आमजन की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जनसेवा के प्रति सदैव समर्पित रहें। उन्होंने पुलिस बल की गौरवशाली परंपरा, शौर्य और बलिदान की विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा पुलिस ध्वज की आन, बान और शान कायम रखने का संदेश दिया।

पोल से गिरकर संविदा कर्मचारी घायल

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। कपसेठी थाना क्षेत्र के इसरवार गांव में सोमवार दोपहर एचपी गैस प्लांट का विद्युत फाल्ट ठीक करने के दौरान एक संविदा कर्मी पोल से नीचे गिर पड़ा। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके हाथ और पैर में फ्रैक्चर होने की बात सामने आई है। सहकर्मियों और ग्रामीणों की मदद से उसे सेवापुरी स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार, सेवापुरी विद्युत उपकेंद्र पर तैनात संविदाकर्मी मनोज कुमार जंसा थाना क्षेत्र के रैसीरामपुर गांव का निवासी है। सोमवार को वह एचपी गैस प्लांट का विद्युत फाल्ट ठीक करने पहुंचा था। बताया जा रहा है कि गैस प्लांट की बिजली आपूर्ति बंद (शटडाउन) कराने के बाद वह गलती से गैस प्लांट के विद्युत पोल पर चढ़ने के बजाय बगल से गुजर रही कृषि कार्य के लिए संचालित विद्युत लाइन के पोल पर चढ़ गया। उक्त लाइन में बिजली प्रवाहित हो रही थी, जिसकी चपेट में आने से वह नीचे गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे के संबंध में सेवापुरी के एसडीओ सौरभ पटेरिया ने विद्युतकर्मी के झुलसने की बात से इनकार करते हुए केवल पोल से गिरने के कारण पैर फैक्चर होने की बात स्वीकार की है। वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों और घायल के परिजनों का कहना है कि मनोज करंट से बुरी तरह झुलसा है। फिलहाल ट्रामा सेंटर में उसका उपचार चल रहा है।

देव दीपावली व लोटा-भंटा मेले की तैयारी का रोहनिया विधायक ने लिया जायजा

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के रामेश्वर स्थित पंचक्रोशी यात्रा के तृतीय पड़ाव, पावन रामेश्वर महादेव मंदिर पर सोमवार को रोहनिया विधायक डॉ.सुनील पटेल ने रामेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्तकर क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

आगामी 24 नवम्बर को देव दीपावली व 30 नवम्बर सोमवार को आयोजित होने वाले काशी के ऐतिहासिक लोटा-भंटा मेले की तैयारियों का जायजा लिया तथा श्रद्धालुओं की सुविधा, साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित लोगों से जानकारी प्राप्त की। देव दीपावली पर्व के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की सुविधा



एवं सुचारु व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने हेतु मंदिर परिसर, घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने खंड विकास अधिकारी आराजी लाइन तथा उपजिलाधिकारी राजातालाब ,जनसा थानाध्यक्ष सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं।

विधायक के साथ प्रमुख रूप से पुजारी प0 अन्नू तिवारी, पूर्व प्रधान रामप्रसाद ,राहुल सिंह , त्रिभुवन मौर्य,रविन्द्र पटेल, अनिल कुमार, बीडीसी विशाल कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

देव दीपावली को लेकर झालर व फ्लड लाइटों से चमक उठा घाट

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। विश्व प्रसिद्ध देव दीपावली पर्व को भव्य और दिव्य बनाने के लिए नगर निगम प्रशासन ने तैयारी पूर्ण कर ली है। नमो घाट से लेकर अस्सी घाट तक सभी प्रमुख घाटों पर उत्कृष्ट प्रकाश व्यवस्था, आकर्षक झालर लाइटिंग और हाई-मास्ट फ्लड लाइटें लगा दी गई हैं। रंग-बिरंगी और दूधिया रोशनी में नहाए घाटों की छटा देखते ही बन रही है।

तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से नगर आयुक्त शाश्वत त्रिपुरारि ने सोमवार को जल निगम व प्रकाश विभाग (लाइटिंग) के अधिकारियों के साथ नमो घाट से अस्सी घाट तक का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके अलावा नगर आयुक्त द्वारा नमो घाट स्थित शौचालय का भी निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान देव दीपावली में काफी भीड़



पर्यटक घाट पर उपस्थित होंगे विशेष स्वच्छता अभियान समय-समय पर शौचालय की उत्कृष्ट सफाई व्यवस्था हैंड वॉश तौलिया आदि व्यवस्था सुनिश्चित रखें जाने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर उनके साथ जल निगम के अधिकारी, अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्रा समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पर्व के दौरान किसी भी घाट या संपर्क मार्ग पर सीवर ओवरफ्लो और गंदगी की समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इसके लिए जल निगम और सफाई कर्मियों की टीमों को विशेष रूप से अलर्ट रखा गया है। अपर नगर आयुक्त ने बताया कि घाटों और रास्तों की साफ-सफाई तथा प्रकाश व्यवस्था से जुड़े अधिकांश कार्य पूरे कर लिए गए हैं और शेष बची तैयारियां भी आज रात तक हर हाल में पूर्ण कर ली जाएंगी।

सिसौना डांडा गंगा मेले में किसान मेला एवं कृषि गोष्ठी का आयोजन

समाज जागरण

सम्भल (बहजोई) 23 नवंबर 2026।जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में आज सिसौना डांडा गंगा मेला (निकट अनूपशहर पुल) में कृषि विभाग, जनपद सम्भल के तत्वावधान में एक दिवसीय जनपद स्तरीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी तथा कृषि गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (ATMA) एवं त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सहकारिता विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे.पी.एस. राठौर ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह 'रिंकू' की गरिमामयी उपस्थिति रही।

किसान मेले एवं गोष्ठी के प्रमुख आकर्षण



कृषि प्रदर्शनी एवं स्टॉलों का अवलोकनः मेले में विभिन्न विभागों एवं कृषि संस्थानों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जिनमें उन्नत बीज, जैविक खाद तथा आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। अतिथियों ने स्टॉलों का अवलोकन कर किसानों से संवाद किया।

कृषि योजनाओं की जानकारीः कृषि गोष्ठी के दौरान उप कृषि निदेशक, सम्भल द्वारा कृषि विभाग की विभिन्न कल्याणकारी एवं अनुदानपरक योजनाओं की विस्तृत जानकारी किसानों को दी गई।

आधुनिक कृषि तकनीक का प्रशिक्षणः कृषि वैज्ञानिकों एवं विभागीय अधिकारियों ने किसानों को त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम, श्री अन्न (मिलेट्स) की खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों एवं फसल सुरक्षा के उपायों के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया।

जन-जागरूकता अभियानः कार्यक्रम के दौरान किसानों एवं आमजन को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए 'पेड़ लगाओ-जल बचाओ-प्लास्टिक हटाओ', 'नशा मुक्त भारत अभियान' तथा 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' के प्रति भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने, कृषि योजनाओं का लाभ उठाने तथा उन्नत तकनीकों के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

स्वास्थ्य एवं शिक्षा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

समाज जागरण

संभल। खिरनी मोहम्मदपुर स्थित श्री शांति देवी कन्या इंटर कॉलेज में गरिमा समाज सेवा समिति फाउंडेशन, हापुड़ एवं कैंब्रिज अकैडमी ऑफ फॉरेन स्टडीज, संभल के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य एवं शिक्षा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर विजेता छात्राओं को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, शिक्षा के महत्व को समझाना तथा उनके सामान्य ज्ञान के स्तर को बेहतर बनाना था। छात्राओं ने पूरे उत्साह एवं ऊर्जा के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के परिणाम

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र- छात्राओं के परिणाम इस प्रकार रहेः



- प्रथम स्थानः हैदर सैफी
- द्वितीय स्थानः सपना
- तृतीय स्थानः नीरज

कार्यक्रम के समापन पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में गरिमा समाज सेवा समिति फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक मित्तल ने विजेता छात्राओं को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर अशोक मित्तल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी समाज की उन्नति के मुख्य स्तंभ हैं। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों का मानसिक विकास होता है, उनके ज्ञान में वृद्धि होती है तथा उनमें आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की भावना विकसित होती है। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है।

प्रतियोगिता के संचालन एवं मार्गदर्शन में कैंब्रिज अकैडमी ऑफ फॉरेन स्टडीज की अध्यापिका मुस्कान का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रबंधक सुलेराम सिंह एवं प्रधानाचार्य दिनेश पाल सिंह ने गरिमा समाज सेवा समिति फाउंडेशन, हापुड़ एवं कैंब्रिज अकैडमी ऑफ फॉरेन स्टडीज, संभल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया तथा भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई।

दो साल की पहल लाई रंग, सकोला शाला को मिलेगी नए भवन की सौगात

₹10.61 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति से खुलेगा निर्माण का रास्ता, नगर परिषद उपाध्यक्ष डॉ. राज तिवारी के सतत प्रयासों को मिली सफलता; क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर भी हमेशा रहते हैं सक्रिय

समाज जागरण

बरगवां-अमलाई । जनप्रतिनिधि की वास्तविक पहचान केवल पद से नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करने से होती है। इसी की एक मिसाल नगर परिषद बरगवां-अमलाई के उपाध्यक्ष डॉ. राज तिवारी के प्रयासों में देखने को मिली है। नगर परिषद क्षेत्र के ग्राम सकोला स्थित प्राथमिक शाला के नवीन भवन निर्माण की वर्षों पुरानी आवश्यकता अब पूरी होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। विद्यालय भवन निर्माण के लिए ₹10 लाख 61 हजार की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति मिलने के साथ ही ग्रामवासियों और विद्यार्थियों के लिए नई उम्मीद जगी है। जानकारी के अनुसार, डॉ. राज तिवारी ने लगभग दो वर्ष पूर्व ग्राम सकोला में प्राथमिक शाला के लिए नए भवन की आवश्यकता को गंभीरता से लेते हुए तत्कालीन कलेक्टर अनूपपुर को लिखित ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने प्रशासन के समक्ष विद्यालय की स्थिति और बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की आवश्यकता को प्रमुखता से रखा था। उनकी इस पहल के बाद लगातार प्रयास जारी रहे और अब कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा अभियान, जिला अनूपपुर द्वारा जारी प्रशासकीय स्वीकृति आदेश में सकोला शाला भवन निर्माण के लिए ₹10.61 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। इस तरह दो वर्ष पहले उठाई गई मांग अब धरातल पर उतरने की ओर अग्रसर है।

जनता की समस्याओं को लेकर सक्रिय रहते हैं डॉ. तिवारी

डॉ. राज तिवारी की पहचान केवल विद्यालय भवन की मांग तक सीमित नहीं है। नगर परिषद बरगवां-अमलाई क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, स्वच्छता, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी जनसमस्याओं को लेकर भी वे लगातार सक्रिय रहते हैं। स्थानीय नागरिकों की परेशानियों को प्रशासन तक पहुंचाना और उनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों से पहल करना उनकी कार्यशैली का हिस्सा रहा है। जनहित से जुड़े मुद्दों पर उनकी सक्रियता के चलते क्षेत्रवासियों को उनसे कई अपेक्षाएं भी रहती हैं। सकोला शाला भवन की स्वीकृति उनके इन्हीं प्रयासों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखी जा रही है।

छह माह में पूरा करना होगा निर्माण कार्य

कलेक्टर कार्यालय जिला शिक्षा केंद्र अनूपपुर द्वारा 11 अक्टूबर 2026 को जारी प्रशासकीय स्वीकृति आदेश में स्पष्ट किया गया है कि नगरीय क्षेत्र में निर्माण एजेंसी संबंधित नगर परिषद होगी। निर्माण कार्य का तकनीकी पर्यवेक्षण, मूल्यांकन और गुणवत्ता परीक्षण निर्धारित नियमों के अनुसार कराया जाएगा। आदेश के मुताबिक नवीन शाला भवन का निर्माण छह माह की समयावधि में पूर्ण कराना अनिवार्य है। निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड, स्वीकृत प्राक्कलन, सामग्री परीक्षण रिपोर्ट, माप पुस्तिका और जियो टैग फोटोग्राफ सहित आवश्यक अभिलेखों का संधारण भी सुनिश्चित करना होगा। मजदूरों का भुगतान समय पर करना और निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखना भी अनिवार्य शर्तों में शामिल है।

अब बच्चों को मिलेगी बेहतर शैक्षणिक सुविधा

सकोला शाला के नवीन भवन की स्वीकृति से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की उम्मीद मजबूत हुई है। दो वर्ष पहले जिस आवश्यकता को लेकर डॉ. राज तिवारी ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया था, उस पर अब स्वीकृति की मुहर लगना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अब अपेक्षा है कि नगर परिषद शीघ्र निर्माण प्रक्रिया आगे बढ़ाए और निर्धारित छह माह की समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण भवन तैयार कराए, ताकि सकोला के नौनिहालों को सुरक्षित और सुविधायुक्त विद्यालय भवन मिल सके।

रबी सीजन 2025 की गिरदावली का भुगतान अटका, लोकल यूथ सर्वेयरों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

कई महीनों से भुगतान का इंतजार, अन्य तहसीलों में राशि जारी होने के बावजूद गोहपारू के सर्वेयरों को नहीं मिला मेहनताना; जल्द बिल लगाने की मांग

समाज जागरण

गोहपारू, शहडोल। रबी सीजन 2025 की गिरदावली का कार्य करने वाले लोकल यूथ सर्वेयरों को अब तक भुगतान नहीं मिलने से नाराजगी बढ़ने लगी है। 23 नवंबर 2026 तक भुगतान लंबित रहने के कारण सर्वेयरों ने प्रशासन से जल्द भुगतान प्रक्रिया पूरी कराने की मांग उठाई है। इसी सिलसिले में संभाग अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में गोहपारू तहसील अध्यक्ष जोहन सिंह, तहसील सचिव लोकेश सिंह सहित दुष्यंत सिंह, बृजभान सिंह, उमेश सिंह, स्वामी शरण बेगा एवं घनश्याम साहू ने तहसीलदार दिव्या सिंह को



ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार से जल्द से जल्द लंबित भुगतान कराने तथा संबंधित बिल की प्रक्रिया पूरी करवाने का निवेदन किया। ज्ञापन में सर्वेयरों ने बताया कि शहडोल जिले की ब्यौहारी और सोहागपुर तहसीलों में रबी सीजन 2025 की गिरदावली का भुगतान किया जा चुका है, लेकिन गोहपारू तहसील के सर्वेयर साथी अभी भी अपने मेहनताने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस संबंध में कई बार तहसील कार्यालय में संपर्क कर नाजिर के माध्यम से भी अवगत कराया गया है। सर्वेयरों के अनुसार, इस मामले को लेकर विधायक मनीष सिंह एवं कलेक्टर महोदय को भी ज्ञापन सौंपा जा चुका है। वहीं 11 नवंबर 2026 को शहडोल पहुंचकर संबंधित अधिकारी हरीश सर के माध्यम से बिल लगवाने का प्रयास भी किया गया, लेकिन इसके बावजूद 23 नवंबर तक बिल प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि लंबित बिल तत्काल लगवाकर उसकी प्रति सर्वेयरों के ग्रुप में साझा की जाए, ताकि सभी साथियों को भुगतान की स्थिति स्पष्ट हो सके। सर्वेयरों ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं होती है तो उन्हें सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। अब देखना यह है कि तहसील प्रशासन सर्वेयरों की इस लंबित मांग पर कितनी जल्दी कार्रवाई करता है और उन्हें उनके कार्य का मेहनताना कब तक मिल पाता है।

पुष्पराजगढ़ विकास मंच का अनोखा प्रदर्शन

घड़ी, कैलेंडर और लाउडस्पीकर लेकर सड़क पर उतरे लोग

समाज जागरण

अनूपपुर। जिले के पुष्पराजगढ़ की बदहाल सड़कों, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, बेरोजगारी से जुड़े स्थानीय मुद्दों और अव्यवस्थित यातायात जैसी समस्याओं को लेकर अब क्षेत्र में जनआवाज मुखर होने लगी है। इसी कड़ी में पुष्पराजगढ़ विकास मंच ने सोमवार को एक अलग अंदाज में प्रशासन के सामने अपनी बात रखी है। मंच के सदस्यों ने घड़ी, कैलेंडर और लाउडस्पीकर को प्रतीक बनाकर सांकेतिक प्रदर्शन किया है। घड़ी के जरिए प्रशासन को समय रहते निर्णय लेने, कैलेंडर के माध्यम से वर्षों से लंबित समस्याओं की याद दिलाने और लाउडस्पीकर के जरिए जनसमस्याओं को सुनने का संदेश दिया गया है। नगर भ्रमण के दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी की और तहसील कार्यालय पहुंचकर अनुविभागीय दंडाधिकारी पुष्पराजगढ़ को ज्ञापन सौंपा है। मंच ने ज्ञापन में शामिल मांगों पर निर्धारित समय-सीमा में ठोस कार्यवाही सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो मंच



अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ में जनसमस्याओं को लेकर पुष्पराजगढ़ विकास मंच ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए अनोखा सांकेतिक प्रदर्शन किया है।
हाथों में घड़ी, कैलेंडर और लाउडस्पीकर लेकर नगर भ्रमण पर निकले मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों ने जोरदार नारेबाजी की है। प्रदर्शन के माध्यम से प्रशासन को याद दिलाया गया कि क्षेत्र की समस्याएं वर्षों से लंबित हैं, लेकिन समाधान की समय-सीमा अब भी तय नहीं हो पा रही है। इसके बाद अनुविभागीय दंडाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया है।

अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करने के लिए बाध्य होगा। घड़ी, कैलेंडर और लाउडस्पीकर से दिया अनूठा संदेश पुष्पराजगढ़ विकास मंच का यह प्रदर्शन अपने प्रतीकात्मक स्वरूप के कारण चर्चा का विषय रहा है। प्रदर्शन में घड़ी के माध्यम से प्रशासन को समय की अहमियत समझाने, कैलेंडर के जरिए लंबे समय से लंबित समस्याओं की याद दिलाने और लाउडस्पीकर के माध्यम से जनता की आवाज सुनने का संदेश दिया गया है। मंच के सदस्यों ने नगर भ्रमण कर नारेबाजी के साथ प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। यह प्रदर्शन केवल विरोध नहीं, बल्कि वर्षों से समाधान की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रीय मुद्दों को सामने लाने का प्रयास था।

बदहाल सड़कों और स्वास्थ्य सुविधाओं पर उठाए सवाल

मंच ने क्षेत्र की प्रमुख सड़कों की खस्ताहाल स्थिति को लेकर नाराजगी जताई है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को जोड़ने वाले मार्गों की मरम्मत एवं सुधार की मांग उठाई गई है। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुष्पराजगढ़ में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर करने और सोनोग्राफी सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। मंच का कहना है कि स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में स्थानीय लोगों को उपचार और जांच के लिए दूसरे स्थानों का रुख करना पड़ता है। ऐसे में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना बेहद जरूरी है।

दस साल से बनी दुकानों का आवंटन अब तक अधर में

पुष्पराजगढ़ जनपद पंचायत के सामने लगभग दस वर्षों से निर्मित दुकानों का आवंटन नहीं होने का मुद्दा भी ज्ञापन में शामिल रहा है। मंच ने सवाल उठाया कि जब दुकानें बनकर तैयार हैं तो उनका उपयोग पूर्व से ही उस स्थानों पर जीविका चला रहे हितग्राहियों को आवंटन अब तक क्यों नहीं हो पाया है? दुकानों के आवंटन से स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं। लंबे समय से लंबित इस मामले में पारदर्शी प्रक्रिया अपनाकर शीघ्र आवंटन करने की मांग की गई है। मंच ने इसे स्थानीय आर्थिक गतिविधियों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बताया है। भारी वाहनों पर रोक और यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग नगर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ स्कूल खुलने और छुट्टी होने के समय भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने की मांग की गई है। मंच का कहना है कि विद्यालयों के आसपास और नगर की सड़कों पर बच्चों की आवाजाही अधिक रहती है। ऐसे समय भारी वाहनों का आवागमन दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ाता है। इसलिए स्कूल समय के दौरान भारी वाहनों के प्रवेश और संचालन पर प्रभावी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके साथ ही नगर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने की मांग की गई है। निर्धारित समय-सीमा में समाधान नहीं तो अनिश्चितकालीन धरना नगर भ्रमण के बाद पुष्पराजगढ़ विकास मंच ने अनुविभागीय दंडाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर सभी मांगों पर निर्धारित समय-सीमा में कार्यवाही सुनिश्चित करने की मांग की है। मंच ने स्पष्ट किया कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि समस्याओं का धरातल पर समाधान चाहिए। ज्ञापन में निर्धारित समय के भीतर मांगों पर ठोस कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी गई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इन जनसमस्याओं को कितनी गंभीरता से लेता है और समाधान की दिशा में क्या कदम उठाता है।

दुर्घटना संभावित स्थलों पर पहले से लगें चेतावनी संकेतक, खराब सड़कों की तत्काल कराएं मरम्मत : कलेक्टर

समाज जागरण विजय तिवारी

उमरिया।* जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क निर्माण एजेंसियों एवं संबंधित विभागों को दुर्घटना संभावित स्थलों पर पहले से चेतावनी संकेतक लगाने और खराब सड़कों की मरम्मत समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए केवल घटना के बाद कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान कर पहले से सुरक्षा इंतजाम करना जरूरी है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, एमपीआरडीसी एवं एनएचएआई के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार की सड़कों का नियमित निरीक्षण करने तथा निर्धारित समय सीमा में आवश्यक सुधार कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही प्रमुख मार्गों पर गति सीमा निर्धारित करने वाले बोर्ड लगाने को कहा। *डॉक्टर्स कॉलोनी के पास सब्जी दुकानों को व्यवस्थित करने के निर्देश* शहरी क्षेत्र की यातायात व्यवस्था पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं यातायात प्रभारी को संयुक्त रूप से डॉक्टर्स कॉलोनी के पास सड़क किनारे लगने वाली सब्जी दुकानों के स्थल का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सब्जी दुकानों को व्यवस्थित स्थान पर संचालित कराया जाए, ताकि सड़क पर आवागमन बाधित न हो। इसके लिए हॉकर्स जोन विकसित करने पर भी जोर दिया, जिससे दुकान संचालकों को निर्धारित स्थान पर दुकान लगाने की सुविधा मिल सके। *हेलमेट नहीं पहनने वालों पर होगी कार्रवाई, भरौला में रंबल स्ट्रिप सुधारने के निर्देश* कलेक्टर ने यातायात प्रभारी को समय-समय पर हेलमेट नहीं पहनने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा लोगों को हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए।

उन्होंने भरौला के पास क्षतिग्रस्त हो चुके रंबल स्ट्रिप का तत्काल सुधार कराने को कहा, ताकि तेज रफ्तार वाहनों की गति नियंत्रित हो और संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह, वन मंडलाधिकारी विवेक सिंह, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रिया अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रेलवे ट्रैक पर मिला भालू का शव

कक्ष क्र 370 में हुआ हादसा, वन विभाग ने की कार्यवाही

समाज जागरण

उमरिया --- जिले के घुनघुटी वन क्षेत्र में एक भालू की रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक भालू की ज़मौत हो गई, भालू का शव मोर्चा फाटक से घुनघुटी रेलवे स्टेशन के बीच वन कक्ष क्रमांक 370 में मिला है, सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की, वन विभाग के अधिकारी दिगेंद्र सिंह पटेल के अनुसार भालू की मौत रेलवे की थर्ड लाइन में ट्रेन की चपेट में आने से हुई है, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हो सकेगी, इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा और औद्योगिक गतिविधियों के बीच बढ़ते टकराव को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं, ग्रामीणों का आरोप है कि बजरंग पावर एंड इस्पात कंपनी द्वारा प्रस्तावित खदान क्षेत्र में दिनभर भारी वाहनों की आवाजाही हो रही है, लगातार वाहनों के शोर और आवाजाही से वन्यजीवों के प्राकृतिक रहवास पर असर पड़ने की आशंका है, ग्रामीणों का कहना है
कि जंगल में मानवीय गतिविधियां बढ़ने से जंगली जानवर अपने सामान्य रास्तों से भटककर रेलवे ट्रैक और आबादी की ओर जाने को मजबूर हो सकते हैं, हालांकि भालू की मौत का कंपनी के वाहनों से सीधा संबंध अभी प्रमाणित नहीं हुआ है, लेकिन ग्रामीण इस पहलू की जांच की मांग कर रहे हैं, गौरतलब है कि बजरंग पावर एंड इस्पात कंपनी की खदान को लेकर घुनघुटी, गिठोरी और आसपास के ग्रामीण लगातार विरोध दर्ज करा रहे हैं, ग्रामीणों की आपत्ति केवल खदान संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका कहना है कि इस पूरे क्षेत्र का जल, जंगल और जमीन से गहरा संबंध है, अब रेलवे ट्रैक पर भालू की मौत के बाद ग्रामीणों के सवाल और गंभीर हो गए हैं, सवाल यह है कि यदि क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां और भारी वाहनों की आवाजाही बढ़ रही है तो वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए क्या इंतजाम किए जा रहे हैं, क्या वन विभाग ने वन्यजीवों के आवागमन वाले रास्तों और रेलवे ट्रैक के संवेदनशील हिस्सों का आकलन किया है,

फिलहाल एक भालू की मौत ने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन को लेकर फिर बहस छेड़ दी है, जरूरत है कि वन विभाग और संबंधित जिम्मेदार एजेंसियां घटना की निष्पक्ष जांच कराएं और यह स्पष्ट करें कि क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए आखिर क्या कदम उठाए जा रहें हैं।

पेण्ड्रा बायपास निर्माण को मिली बड़ी सौगात, 108.86 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति जारी

वर्ष 2015-16 से बजट में शामिल परियोजना को मिली नई गति, पहले 54.15 करोड़ थी स्वीकृत राशि; अब बढ़कर 108.86 करोड़ रुपये हुई

समाज जागरण विजय तिवारी

पेण्ड्रा। लंबे समय से प्रतीक्षित पेण्ड्रा बायपास मार्ग निर्माण परियोजना को लेकर छत्तीसगढ़ शासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। लोक निर्माण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा 23 नवंबर 2026 को जारी आदेश के माध्यम से जिला बिलासपुर के अंतर्गत पेण्ड्रा बायपास मार्ग निर्माण कार्य के लिए 108 करोड़ 86 लाख 59 हजार रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। शासन के इस निर्णय से क्षेत्र में बायपास निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। जारी शासकीय आदेश के अनुसार पेण्ड्रा बायपास मार्ग निर्माण कार्य वर्ष 2015-16 के बजट में शामिल किया गया था। इस परियोजना के लिए पूर्व में विभागीय पत्र दिनांक 6 सितंबर 2016 के माध्यम से 54 करोड़ 25 लाख 53 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई थी। लेकिन निर्माण कार्य के पुनरीक्षित प्राक्कलन और लोक निर्माण विभाग के प्रस्ताव के आधार पर अब स्वीकृत राशि में संशोधन करते हुए इसे बढ़ाकर 108 करोड़ 86 लाख 59 हजार रुपये कर दिया गया है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के अपर सचिव एस.एन. श्रीवास्तव द्वारा प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग नवा रायपुर को आदेश जारी किया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति के अनुसार तकनीकी स्वीकृति भी पुनरीक्षित की जाएगी तथा उपलब्ध बजट आवंटन के अनुसार ही निर्माण कार्य संपादित किया जाएगा।

भू-अर्जन में पारदर्शिता और जांच के निर्देश

शासन ने परियोजना के लिए भू-अर्जन के संबंध में भी महत्वपूर्ण शर्तें निर्धारित की हैं। आदेश के मुताबिक भू-अर्जन के लिए स्वीकृत राशि की सीमा के भीतर ही नियमानुसार खर्च किया जाएगा। किसी अन्य मद की बचत राशि से पूर्व अनुमति के बिना भू-अर्जन की कार्रवाई नहीं की जा सकेगी। निजी भूमि के स्वामित्व, रकबे, लागू दरों और देय राशि का राजस्व विभाग के सक्षम अधिकारियों से गहन परीक्षण एवं सत्यापन कराने के बाद ही भू-अर्जन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि प्रस्तावित निजी भूमि का पूर्व में अधिग्रहण न हुआ हो और वह पहले से मार्ग निर्माण अथवा अन्य संबंधित कार्य के अंतर्गत शामिल न हो। भू-अर्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्रुटि या अतिरिक्त भुगतान की स्थिति में संबंधित अधिकारियों की जवाब देही निर्धारित की गई है।

खर्च और निर्माण गुणवत्ता पर भी रहेगी नजर

शासन ने स्पष्ट किया है कि 108.86 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति को वास्तविक व्यय या भुगतान का आधार नहीं माना जाएगा, बल्कि यह परियोजना पर संभावित खर्च की अधिकतम सीमा होगी। विभाग को प्राक्कलन में शामिल मदों, कार्य की मात्रा और निर्धारित दरों का सूक्ष्म परीक्षण करने तथा आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन करने के बाद ही व्यय करने के निर्देश दिए गए हैं। इस परियोजना का व्यय मांग संख्या 42 के अंतर्गत मुख्य सड़कों के निर्माण मद से वहन किया जाएगा। वित्त विभाग की सहमति के आधार पर यह स्वीकृति जारी की गई है।

क्षेत्रवासियों को बायपास निर्माण से उम्मीदें

पेण्ड्रा बायपास मार्ग का निर्माण क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। परियोजना पूरी होने से नगर के भीतर से गुजरने वाले वाहनों का दबाव कम करने, आवागमन को सुगम बनाने और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

अब सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति जारी होने के बाद विभाग तकनीकी स्वीकृति, भू-अर्जन और निर्माण संबंधी आवश्यक प्रक्रियाओं को कितनी तेजी से पूरा करता है। करीब एक दशक से बजट में शामिल इस परियोजना को अब धरातल पर उतारने की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की होगी। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि कागजी प्रक्रिया से आगे बढ़कर पेण्ड्रा बायपास का निर्माण जल्द शुरू होगा और लंबे समय से प्रतीक्षित सुविधा उन्हें मिल सकेगी।

बजट 2027-28 में महिलाओं और बुजुर्गों को मिलेगी बड़ी राहत ? सुरक्षित सफर और बेहतर देखभाल की उठी मांग

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई बजट पूर्व 10वीं परामर्श चर्चा में सामाजिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने बुजुर्गों के लिए सेवाएं और आवाजाही को प्राथमिकता देने की मांग की है। उन्होंने केवल कौशल विकास और उद्यमशीलता तक सीमित न रहकर महिलाओं से जुड़ी व्यवस्था में अन्य पहलुओं पर भी ध्यान देने के सुझाव दिए। इस बैठक में हुई चर्चा से वाकिफ एक सूत्र ने इसकी जानकारी दी। सूत्र ने यह भी कहा कि गरीबी उन्मूलन और कमजोर वर्गों के लिए जलवायु-अनुकूल सुरक्षा पर भी चर्चा हुई।
वित्त वर्ष 2027-28 की तैयारियों के तहत सोमवार को नई दिल्ली में निर्मला सीतारमण ने स्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्र के हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ बैठक की। इस परामर्श बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग और जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिवों, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों और मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने भी शिरकत की। हितधारकों ने गिग इकॉनमी यानी अस्थायी कार्य व्यवस्था में शामिल हो रही महिलाओं की जरूरतों पर ध्यान देने का सुझाव दिया। इनमें महिलाओं के लिए आराम करने की जगह एवं सार्वजनिक शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। यह सुझाव भी दिया गया कि महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन सुरक्षित, किफायती और सुलभ होना चाहिए भले ही इसके लिए थोड़े शुल्क ही क्यों न लिए जाएं। एक सुझाव यह भी आया कि निर्भया फंड (जो मुख्य रूप से सुरक्षा और निगरानी के लिए इस्तेमाल होता है) के दायरे को बढ़ाया जाए ताकि इसमें महिलाओं के लिए अन्य सेवाएं और अपराध रोकने के उपाय भी शामिल किए जा सकें। सामाजिक एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराने के लिए केवल सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाना काफी नहीं है।
सूत्र ने बताया,ह्यबुजुर्ग आबादी से जुड़े मुद्दों पर कई सुझाव दिए गए। इनमें बुजुर्गों के लिए आवागमन और देखभाल सेवाएं विकसित करने, देखभाल करने वालों का एक बड़ा वर्ग तैयार करने और उनके लिए क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण के मानक तय करने जैसे विषय शामिल थे।
कुछ लोगों ने ध्यान दिलाया कि जहां एक ओर युवा आबादी पर बहुत अधिक ध्यान दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर भारत में लोगों की जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है। अनुमान है कि वर्ष 2047 तक 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या 30 करोड़ पार कर जाएगी। गरीबी उन्मूलन के संदर्भ में पहले से चल रही योजनाओं को अधिक मजबूत और लचीला बनाने के सुझाव दिए गए। यह भी कहा गया कि योजनाओं को केवल एक बार के उपाय के बजाय दीर्घकालिक और टिकाऊ बनाया जाना चाहिए। सामाजिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु संबंधी आपदाओं के दौरान पहले से ही हाशिए पर मौजूद और कमजोर वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। सूत्र ने बताया,ह्यइस बात पर भी बात हुई कि कमजोर वर्गों के जीवन को कैसे अधिक लचीला और मजबूत बनाया जाए, खासकर यह देखते हुए कि बाढ़ जैसी आपदा उनकी सारी बचत को खत्म कर सकती है।

स्वास्थ्य देखभाल उद्योग के सूत्रों ने बताया कि वर्ष 2027-28 के बजट में कुछ प्रमुख मांगों में 1 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय कोष की सुविधा तैयार करना शामिल है।

मार्च 2028 तक 68 लाख करोड़ का हो सकता है आकार, क्रिसिल ने बताई वजह



गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) अगले 2 साल तक मजबूत वृद्धि बनाए रख सकती हैं। इनकी प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) 20 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर मार्च 2028 तक लगभग 68 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। साथ ही बढ़ते घरेलू ऋण के बीच असुरक्षित ऋण का बढ़ता हिस्सा निगरानी का विषय बना रहेगा। क्रिसिल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में यह कहा है। असुरक्षित ऋण में व्यक्तिगत ऋण और सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को दिया गया असुरक्षित ऋण शामिल है। यह वित्त वर्ष 2027 और 2028 में 25 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़ने की संभावना है, जो पिछले वित्त वर्ष के 19 प्रतिशत से ज्यादा है।
मार्च 2026 तक एनबीएफसी के एयूएम में इस सेग्मेंट की हिस्सेदारी करीब 17 प्रतिशत थी और उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष तक इसकी हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत होगी। इससे होम लोन और वाहन ऋण खंडों के साथ इसका अंतर कम हो जाएगा। क्रिसिल रेटिंग्स के मुख्य रेटिंग अधिकारी कृष्णन सीतारमण ने कहा, कुल मिलाकर एनबीएफसी क्षेत्र की वृद्धि मजबूत रहने की उम्मीद है। परिसंपत्ति वर्गों के हिसाब से वृद्धि काफी भिन्न होगी, जिससे उस क्षेत्र में मांग, प्रतिस्पर्धा और जोखिमों को दिखाती है। गोल्ड लोन, असुरक्षित ऋण और संपत्ति के बदले ऋण में तेजी की तुलना में पारंपरिक होम लोन और वाहन ऋण की वृद्धि दर स्थिर रहेगी।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र
200 रुपये रोज मे।

सर्दियों में जरूरतमंदों को बांटे एक हजार से अधिक कंबल, मुकेश शर्मा का सेवा अभियान जारी





नोएडा। सर्दियों की शुरूआत के साथ जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से समाजसेवी एवं शिक्षाविद् मुकेश शर्मा ने अपने सामाजिक अभियान ह्यएक दीया उनके नाम, जो पूरे साल हमारे घरों को रोशन करते हैंह्ण के तहत रविवार को नोएडा की दो आवासीय सोसायटियों में एक हजार से अधिक लोगों को कंबल, दीये और मिठाइयां वितरित कीं। सेक्टर-120 स्थित आम्रपाली जोडिएक सोसायटी में 600 से अधिक और सेक्टर-119 स्थित अरन्या सोसायटी में 400 से अधिक घरेलू सहायिकाओं, सुरक्षा गार्डों, सफाई कर्मचारियों और हाउसकीपिंग स्टाफ को उपहार दिए गए।

मुकेश शर्मा ने बताया कि अभियान के तहत 10 हजार परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य पहले ही पूरा हो चुका है। सोसायटियों से मिल रहे अनुरोध को देखते हुए अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सालभर हमारी सोसायटियों और घरों की व्यवस्था संभालने वाले सहयोगी कर्मचारियों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करना समाज का दायित्व है।

आयोजन में आम्रपाली जोडिएक के एओए अध्यक्ष के.के. मिश्रा और उनकी टीम सहित अरन्या सोसायटी के प्रबंधन एवं निवासियों ने सहयोग किया। आने वाले सप्ताहों में नोएडा की अन्य सोसायटियों में भी कंबल और उपहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

योगी सरकार की तीसरी बार वापसी के लिए प्रचार करेंगे फलाहारी महाराज

आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में करेंगे जनसंपर्क, प्रदेश में बड़े स्तर पर 'सनातन हिंदू सम्मेलन' आयोजित करने का भी ऐलान

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले के प्रमुख पक्षकारों में शामिल फलाहारी महाराज ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सक्रियता बढ़ाने का संकेत दिया है। उन्होंने प्रदेश में तीसरी बार योगी सरकार की वापसी के लिए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में प्रचार करने का ऐलान किया है। मथुरा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि वह योगी आदित्यनाथ को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने के लिए दिन-रात जनसंपर्क और प्रचार-प्रसार करेंगे।

पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए फलाहारी महाराज ने प्रदेश की वर्तमान कानून-व्यवस्था और विकास कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश दंगा मुक्त हुआ है तथा अपराध और माफिया गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण लगा है। उन्होंने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि बहन-बेटियों की सुरक्षा के लिए प्रदेश में पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उनके अनुसार, कानून-व्यवस्था में सुधार के कारण अपराधियों के हौसले पस्त हुए हैं।



सनातनी समाज से एकजुट रहने की अपील

फलाहारी महाराज ने कहा कि प्रदेश का सनातनी समाज एक बार फिर योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहता है। उन्होंने हिंदू समाज से एकजुट रहने की अपील करते हुए 'बटेंगे तो कटेंगे' और 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' जैसे नारों को दोहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ विदेशी ताकतें देश को बांटने का प्रयास कर रही हैं। ऐसी ताकतों के प्रयासों को विफल करने के लिए समाज का संगठित और एकजुट रहना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से वह प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों से संपर्क करेंगे और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने का प्रयास करेंगे।

जल्द होगा सनातन हिंदू सम्मेलन

आगामी रणनीति की जानकारी देते हुए फलाहारी महाराज ने बताया कि वह जल्द ही उत्तर प्रदेश में बड़े स्तर पर 'सनातन हिंदू सम्मेलन' आयोजित करेंगे। इस सम्मेलन में सनातन धर्म से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाने और समाज को संगठित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से धार्मिक और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा होगी तथा आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार की वापसी के लिए जनसमर्थन जुटाने की रणनीति बनाई जाएगी। गौरतलब है कि फलाहारी महाराज श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले से जुड़े पक्षकारों में शामिल रहे हैं। वह पूर्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए भारत रत्न की मांग भी कर चुके हैं। अब उनके चुनाव प्रचार के ऐलान को प्रदेश की आगामी सियासी गतिविधियों के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

खड़े ट्रक में पीछे से घुसी तेज रफ्तार कार, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

छटीकरा फ्लाईओवर के पास सोमवार सुबह साढ़े सात बजे हुआ भीषण हादसा, दो महिलाएं और दो मासूम बच्चे मृत; पांच गंभीर घायल

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना जैत क्षेत्र के अंतर्गत छटीकरा फ्लाईओवर के समीप तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। मृतकों में दो महिलाएं और दो मासूम बच्चे शामिल हैं। सभी मध्य प्रदेश के भिंड जिले के निवासी बताए गए हैं। जानकारी के अनुसार, हादसा सोमवार सुबह करीब 7:30 बजे हुआ। कार दिल्ली की ओर से आ रही थी। छटीकरा फ्लाईओवर के पास पहुंचने पर कार अनियंत्रित हो



गई और हाईवे किनारे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। कार की हालत देखकर लोगों को अंदाजा हो गया कि अंदर बैठे लोग गंभीर रूप से घायल हुए होंगे। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और बचाव कार्य में जुट गए।

कार में बुरी तरह फंसे थे घायल

सूचना मिलते ही थाना जैत पुलिस मौके पर पहुंची। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण उसमें फंसे लोगों को निकालना आसान नहीं था। पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत की। कार के क्षतिग्रस्त हिस्सों को काटकर और खींचकर घायलों को बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी नौ लोगों को एंबुलेंस की मदद से नजदीकी सर्वोदय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया।

अस्पताल में उपचार के दौरान चिकित्सकों ने परिवार के चार सदस्यों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान रूबी (32) पत्नी सुनील शर्मा, ज्योति (30), कान्हा (10) पुत्र सुनील शर्मा और रुद्र (4) पुत्र देवाशीष के रूप में हुई है। हादसे में देवाशीष (27) पुत्र भरत शर्मा, आशा देवी (55), गिजा देवी (25), गौरी (30) और पलक (12) घायल हुए हैं। चिकित्सकों के अनुसार घायलों में तीन की हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है।

पुलिस ने चारों मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मोर्चरी भेज दिए हैं। भिंड में रहने वाले मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। उधर, दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटवाकर यातायात सुचारू कराया गया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

अस्पताल पहुंचे जिलाधिकारी और एसएसपी

हादसे की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने घायलों के उपचार की स्थिति की जानकारी ली और चिकित्सकों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से घायलों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही गई।

सेक्टर-144 की ग्रीन बेल्ट का होगा सौंदर्यीकरण, सेक्टर-143 के सेंट्रल वर्ज का भी किया निरीक्षण

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। शहर में हरियाली बढ़ाने और सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण को लेकर नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग ने सेक्टर-144 और सेक्टर-143 का दौरा किया। 21 नवंबर को किए गए इस निरीक्षण के दौरान सेक्टर-144 की ग्रीन बेल्ट में हरियाली विकसित करने और सौंदर्यीकरण के कार्यों की योजना पर चर्चा की गई। वहीं, सेक्टर-143 में सेंट्रल वर्ज पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। प्राधिकरण के अधिकारियों ने सेक्टर-144 की ग्रीन बेल्ट को अधिक हरा-भरा और आकर्षक बनाने के लिए प्रस्तावित कार्यों पर विचार-विमर्श किया। इसमें क्षेत्र की हरियाली बढ़ाने और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने की योजना शामिल है।

एआरटीओ दफ्तर की आग का खामियाजा भुगत रही जनता, दस साल बाद भी नहीं मिला पुराने रिकॉर्ड का समाधान

वर्ष 2016 में लगी आग में जल गए थे वाहनों और लाइसेंस के दस्तावेज, पुराने लाइसेंस का नवीनीकरण अटकने से आवेदक परेशान

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) कार्यालय में दस साल पहले हुई आगजनी की घटना का खामियाजा आज भी आम जनता और वाहन स्वामियों को भुगतना पड़ रहा है। वर्ष 2016 में कार्यालय की दूसरी मंजिल पर संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग में उस समय तक का अधिकांश सरकारी रिकॉर्ड जलकर खाक हो गया था। हादसे के बाद पुराने वाहनों के पंजीकरण और ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। इसके चलते लोगों को अपने जरूरी काम कराने के लिए विभागीय कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

विभाग के पास वर्ष 2016 से पहले पंजीकृत हुए अधिकतर वाहनों का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। ऐसे में वाहन स्वामियों को वाहन हस्तांतरण, अनापत्ति प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी कार्यों के लिए पुराने पंजीकरण दस्तावेज की आवश्यकता पड़ती है तो उनकी परेशानी बढ़ जाती है। स्थानीय कार्यालय में रिकॉर्ड नहीं मिलने पर उन्हें लखनऊ स्थित परिवहन मुख्यालय से जानकारी प्राप्त करने की सलाह दी जाती है। इससे दूर-दराज से आने वाले लोगों को अतिरिक्त समय और धन खर्च करना पड़ रहा है।

पुराने लाइसेंस धारकों की बढ़ी मुश्किलें

सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को हो रही है, जिनके ड्राइविंग लाइसेंस वर्ष 2016 से पहले जारी किए गए थे। ऐसे लाइसेंस धारक जब नवीनीकरण के लिए एआरटीओ कार्यालय पहुंचते हैं तो उनकी मूल पत्रावली उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाती। कर्मचारियों की ओर से रिकॉर्ड न होने की बात कहकर कई आवेदकों को नया लाइसेंस बनवाने की सलाह दी जाती है।

पुराने लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं हो पाने के कारण लोगों को दोबारा आवेदन की प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। इससे उनका समय बर्बाद होने के साथ अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। वाहन स्वामियों का कहना है कि पुराने दस्तावेज विभाग के पास सुरक्षित नहीं हैं तो इसका समाधान भी विभाग को ही निकालना चाहिए, ताकि आम लोगों को बार-बार परेशान न होना पड़े।

मुख्यालय से रिकॉर्ड लेने की दी जा रही सलाह

विभागीय स्तर पर रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के कारण आवेदकों को लखनऊ स्थित परिवहन मुख्यालय से जानकारी लेने के लिए कहा जा रहा है। स्थानीय कार्यालय में पुराने रिकॉर्ड की अनुपलब्धता के चलते कई काम अटक जाते हैं। लोगों का सवाल है कि दस साल बीत जाने के बाद भी पुराने रिकॉर्ड से जुड़ी समस्याओं के समाधान की कोई स्थायी व्यवस्था क्यों नहीं बन पाई है। इस संबंध में एआरटीओ (प्रशासन) नीतू सिंह का कहना है कि वर्ष 2016 और उससे पहले का अधिकांश रिकॉर्ड आग में जल चुका है। उन्होंने कहा कि आग लगना एक प्राकृतिक आपदा थी और इसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के कारण आवेदकों को मुख्यालय से जानकारी प्राप्त करने अथवा नियमानुसार नया लाइसेंस बनवाने की सलाह दी जाती है।

कंस वध मेले की झांकी पर बवाल, धीरेंद्र शास्त्री को कंस दिखाने पर भड़का बागेश्वर धाम शिष्टमंडल

आचार्य रोहित रिछारिया के नेतृत्व में डीएम के नाम एसडीएम को सौंपा शिकायती पत्र, माथुर चतुर्वेद परिषद के पदाधिकारियों पर मुकदमे की मांग

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। धर्मनगरी मथुरा में आयोजित पारंपरिक कंस वध मेले के दौरान निकाली गई एक झांकी को लेकर विवाद गहरा गया है। झांकी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को कंस के रूप में दर्शाए जाने और भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उनकी पिटाई किए जाने का मंचन करने पर विवाद खड़ा हो गया। घटना सामने आने के बाद बागेश्वर धाम के अनुयायियों और समर्थकों ने कड़ा विरोध जताया है। इसे संत समाज और धार्मिक व्यक्तित्व का अपमान बताते हुए संबंधित आयोजकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

मामले में सोमवार को आचार्य रोहित रिछारिया के नेतृत्व में संपूर्ण बागेश्वर धाम शिष्टमंडल ने जिलाधिकारी के नाम संबोधित शिकायती पत्र उपजिलाधिकारी को सौंपा। शिष्टमंडल ने झांकी में किए गए चित्रण पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इस प्रकार का मंचन धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तित्व के सम्मान के प्रतिकूल है। उन्होंने प्रशासन से पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होने का आरोप

प्रशासन को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि झांकी के माध्यम से पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के धार्मिक एवं आध्यात्मिक सम्मान को ठेस पहुंचाई गई है। शिष्टमंडल का कहना है कि इस तरह के चित्रण से देश-विदेश में फैले उनके लाखों श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। उनका यह भी कहना है कि धार्मिक आयोजनों में इस प्रकार की प्रस्तुति से अनावश्यक विवाद पैदा हो सकता है और क्षेत्र का माहौल प्रभावित होने की आशंका रहती है। शिष्टमंडल ने कहा कि कंस वध मेला मथुरा की पारंपरिक धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा आयोजन है। ऐसे आयोजनों में प्रस्तुत की जाने वाली झांकियों और मंचन को लेकर आयोजकों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि किसी भी धार्मिक व्यक्ति अथवा समुदाय की भावनाएं आहत न हों।



माथुर चतुर्वेद परिषद के पदाधिकारियों पर लगाए आरोप

बागेश्वर धाम शिष्टमंडल ने पूरे मामले के लिए आयोजक संस्था माथुर चतुर्वेद परिषद को जिम्मेदार ठहराया है। एसडीएम को सौंपी गई शिकायत में परिषद के संरक्षक गिरधारी लाल पाठक, नवीन नागर, दिनेश पाठक, राकेश तिवारी, अध्यक्ष राजन पाठक, महामंत्री संजय चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी, मंत्री हरदेव चतुर्वेदी और निरीक्षक आशीष चतुर्वेदी सहित अन्य पदाधिकारियों के नाम शामिल किए गए हैं। शिष्टमंडल ने पुलिस और प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित पदाधिकारियों और आयोजकों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जाए। साथ ही दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। फिलहाल शिकायत के आधार पर प्रशासनिक कार्रवाई की स्थिति की जानकारी उपलब्ध नहीं है।

आरसीए बालिका महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, छात्राओं को फॉर्म-6 भरने के लिए किया प्रेरित

एनएसएस की दोनों इकाइयों ने संयुक्त रूप से किया आयोजन, 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी छात्राओं से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की अपील

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और छात्राओं को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को आरसीए बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की इकाई एक और इकाई दो के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में छात्राओं को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी छात्राओं को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय की ईएलसी प्रभारी सोनम यादव ने किया। इस दौरान छात्राओं को वीडियो के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी दी गई। सोनम



यादव ने बताया कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी पात्र छात्राएं फॉर्म-6 भरकर नए मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज करा सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को मतदाता पहचान पत्र बनवाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वगणना में भी भागीदारी का आह्वान

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को स्वगणना के प्रति भी जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से जनगणना से जुड़ी प्रक्रिया को बेहतर ढंग से पूरा करने में मदद मिलती है। सोनम यादव ने छात्राओं से आग्रह किया कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी आवश्यक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करें।

मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान जरूरी

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. अंजु बाला अग्रवाल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान करना आवश्यक है। मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक होने का महत्वपूर्ण दायित्व भी है। उन्होंने छात्राओं से मतदाता पहचान पत्र बनवाने और भविष्य में होने वाले चुनावों में अनिवार्य रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि युवा वर्ग लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसलिए छात्राओं को मतदान प्रक्रिया की जानकारी रखने के साथ-साथ अपने परिवार और समाज में भी जागरूकता फैलानी चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. प्रतिभा का विशेष सहयोग रहा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में मताधिकार के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ना रहा।

एसटीपी प्लांट में कर्मचारियों को दिया सुरक्षा उपकरणों के सही इस्तेमाल का प्रशिक्षण

नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग ने सेक्टर-150 में आयोजित की क्षमता संवर्धन कार्यशाला, दस्ताने, मास्क, हेलमेट और गमबूट के उपयोग की दी जानकारी

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। कार्यस्थल पर कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से 21 नवंबर को सेक्टर-150 स्थित एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) में क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें कर्मचारियों को काम के दौरान सुरक्षा उपकरणों के सही इस्तेमाल और सावधानियों की जानकारी दी गई।

कार्यशाला के दौरान कर्मचारियों को बताया गया कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन करना बेहद जरूरी है। उन्हें दस्ताने, मास्क, हेलमेट और गमबूट जैसे सुरक्षा उपकरणों का उचित तरीके से उपयोग करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने समझाया कि काम की प्रकृति के अनुसार आवश्यक सुरक्षा उपकरण पहनने से कर्मचारियों को संभावित जोखिमों से बचाने में मदद मिलती है।

सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल पर दिया जोर

टीएमयू में 30 घंटे के प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सीखीं स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग की बारीकियां

खिलाड़ियों को चोट से बचाने और प्रदर्शन बेहतर बनाने के बताए वैज्ञानिक तरीके, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के विशेषज्ञ डॉ. बनीत शर्मा ने समझाए प्रशिक्षण के आधुनिक सिद्धांत और करियर के अवसर

समाज जागरण संवाददाता

मुरादाबाद। खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता बढ़ाने, खेल प्रदर्शन में सुधार करने और चोटों की रोकथाम के साथ पुनर्वास में स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य से तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी (टीएमयू) में 30 घंटे का वैल्यू एडेड कोर्स आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के जिम्नेजियम एंड फिटनेस सेंटर में इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) की ओर से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों, फिजियोथेरेपिस्टों, खेल प्रशिक्षकों और शोधार्थियों को वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का विषय 'स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग : एप्लाइड फाउंडेशन्स फॉर स्पोर्ट्स परफॉर्मेंस' रहा। मुख्य वक्ता स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, पटियाला में स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग विभाग के प्रमुख डॉ. बनीत शर्मा ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया। उन्होंने अपनी व्यावसायिक यात्रा साझा करते हुए फिजियोथेरेपी और शारीरिक शिक्षा के विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में उपलब्ध करियर की संभावनाओं तथा भविष्य के अवसरों की जानकारी दी।

चोटों की रोकथाम के लिए स्मार्ट लक्ष्य निर्धारण जरूरी

डॉ. बनीत शर्मा ने खिलाड़ियों में चोटों के प्रबंधन और रोकथाम के लिए स्मार्ट लक्ष्य निर्धारण की अवधारणा समझाई। उन्होंने बताया कि खेल विशेष की जरूरतों के अनुरूप लक्ष्य तय करना प्रदर्शन सुधारने में मददगार होता है। प्रशिक्षण की योजना बनाते समय खिलाड़ी की शारीरिक क्षमता, खेल की प्रकृति और उसकी जरूरतों को ध्यान में रखना आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षण के आधुनिक सिद्धांतों और वैज्ञानिक तरीकों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. बनीत शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि, फिजियोथेरेपी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. शिवानी एम. कौल, कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन के प्राचार्य प्रो. मनु मिश्रा और श्रीमती समर्पिता सेनापति ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

पुनर्वास में स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग की अहम भूमिका

इस अवसर पर फिजियोथेरेपी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. शिवानी एम. कौल ने कहा कि खेल के दौरान चोटिल होने वाले खिलाड़ियों के पुनर्वास और उन्हें दोबारा मैदान में उतारने में स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उचित शक्ति और शारीरिक क्षमता का विकास नहीं होने पर खिलाड़ी के दोबारा चोटिल होने की आशंका बनी रहती है। इसलिए पुनर्वास के दौरान वैज्ञानिक तरीके से शारीरिक क्षमता विकसित करना जरूरी है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करने और अधिक से अधिक व्यावहारिक ज्ञान एवं कौशल अर्जित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों, फिजियोथेरेपिस्टों और खिलाड़ियों के लिए समान रूप से उपयोगी साबित होगा।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।

गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर निकली भव्य शोभायात्रा, युवाओं ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर सोमवार को किशनगंज शहर में सिख समुदाय की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, किशनगंज के तत्वावधान में आयोजित शोभायात्रा महावीर मार्ग स्थित गुरुद्वारा साहिब से श्रद्धा और उत्साह के साथ प्रारंभ हुई। इसके बाद शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव जी के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया।

शोभायात्रा में सिख समुदाय के युवाओं एवं कलाकारों ने पारंपरिक शस्त्र कला सहित कई हैरतअंगेज करतब प्रस्तुत किए। उनके प्रदर्शन ने लोगों को आकर्षित किया। वहीं, 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के जयकारों से पूरा शहर भक्तिमय हो उठा। नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष लखविंदर सिंह, उपाध्यक्ष अजीत सिंह, सचिव अजीत सिंह उर्फ सूरज, संयुक्त सचिव चरनजीत सिंह, कानूनी सलाहकार अमोलक सिंह, मीडिया प्रभारी गगनदीप सिंह सहित सक्रिय सदस्य बलदेव सिंह एवं अमनदीप सिंह मौजूद रहे। शोभायात्रा में सिख समुदाय के बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं बच्चे भी शामिल हुए।

बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण को लेकर एसएसबी में जिला स्तरीय सेमिनार आयोजित, जवानों ने लिया संकल्प

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



23 नवंबर। राहत संस्था एवं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को 12वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 12 बी कंपनी, फॉरेनगोला स्थित सभागार में जिला स्तरीय कंसल्टेशन सेमिनार का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में एसएसबी के जवानों एवं विभिन्न घटक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने तथा बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने बाल विवाह के सामाजिक, कानूनी एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए कहा कि इससे बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि 27 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह मुक्ति दिवस के अवसर पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत का निर्माण किसी एक संस्था के प्रयास से संभव नहीं है। इसके लिए सुरक्षा बलों, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी जरूरी है।

श्रीमती शारदा ने बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि कानून के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु की लड़की और 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। उन्होंने बाल विवाह कराने, उसमें सहयोग करने और उसे बढ़ावा देने पर होने वाली कानूनी कार्रवाई के बारे में भी बताया। साथ ही अपील की कि बाल विवाह की आशंका या जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित करें।

डिप्टी कमांडेंट स्वरूप रजक ने कहा कि बाल विवाह रोकने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा है। प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में नामांकन और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना आवश्यक है। विशेष रूप से बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने जीवन से जुड़े फैसले स्वयं ले सकें।

वहीं, असिस्टेंट कमांडेंट ने डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग से बच्चों के सामने उत्पन्न हो रही चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मोबाइल, सोशल मीडिया और इंटरनेट के दुरुपयोग से बच्चों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। ऐसे में अभिभावकों को बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों के प्रति सजग रहने और उन्हें सही मार्गदर्शन देने की जरूरत है।

टुम्पा रजक ने कहा कि बाल विवाह के पीछे गरीबी, अशिक्षा, लैंगिक भेदभाव और सामाजिक परंपराएं प्रमुख कारण हैं। समाज की सोच में बदलाव लाए बिना इस कुरीति को समाप्त करना संभव नहीं है। बालिकाओं को बोझ समझने की मानसिकता खत्म कर उन्हें शिक्षा, सम्मान और समान अवसर देना होगा।

सेमिनार में कमजोर आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति वाले परिवारों को चिह्नित कर उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि विशेषकर बालिकाओं की पढ़ाई जारी रखने और विद्यालयों में उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए।

इस अवसर पर राहत संस्था के कर्मियों गौरव, गुरिया और अंजली ने कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वय में सहयोग किया। सेमिनार में एसएसबी के जवानों एवं विभिन्न घटक दलों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार और सुझाव रखे। अंत में सभी प्रतिभागियों ने बाल विवाह की संभावित घटनाओं को रोकने, जरूरतमंद परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और प्रत्येक बच्चे को शिक्षा से जोड़ने की प्रतिबद्धता जताई।

कार्यक्रम में संदेश दिया गया कि बच्चों का बचपन सुरक्षित रखना, उन्हें शिक्षा का अधिकार दिलाना और बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आय से 80 फीसदी अधिक संपत्ति के आरोप में किशनगंज की शिक्षा DPO रूबी कुमारी निलंबित

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में किशनगंज की जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (शिक्षा) रूबी कुमारी को बिहार शिक्षा विभाग ने निलंबित कर दिया है। विभाग की ओर से जारी आदेश के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय सहरसा निर्धारित किया गया है।

जानकारी के अनुसार, आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) को रूबी कुमारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली थी। प्रारंभिक जांच के बाद 3 नवंबर को ईओयू की टीम ने किशनगंज और कटिहार स्थित उनके चार ठिकानों पर छापेमारी की थी। जांच एजेंसी के अनुसार, उन पर घोषित आय से करीब 80 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।

छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने बैंक खातों, वित्तीय लेन-देन, निवेश और जमीन-जायदाद से जुड़े दस्तावेजों की जांच की थी। इसके बाद शिक्षा विभाग ने निलंबन की कार्रवाई की है। मामले में आर्थिक अपराध इकाई की जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

बासगीत पर्चा नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों ने अंचल कार्यालय के समक्ष दिया धरना

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



ठाकुरगंज अंचल के तातपौआ पंचायत के वार्ड संख्या 8 एवं 5 के ग्रामीणों को अब तक बासगीत पर्चा नहीं मिलने से उनमें आक्रोश व्याप्त है। इसी के विरोध में सोमवार को ग्रामीणों ने अंचल कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन से जल्द बासगीत पर्चा निर्गत करने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से पर्चा मिलने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

धरना के दौरान अंचलाधिकारी की अनुपस्थिति में प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कुमार ने ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं से अंचलाधिकारी को अवगत कराने और समाधान के लिए पहल करने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया।

इस मौके पर मुखिया प्रतिनिधि रसमुद्दीन ने कहा कि ग्रामीण लंबे समय से बासगीत पर्चा निर्गत करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि बिदेश कुमार राय ने बताया कि सरकार की ओर से आयोजित शुरूआती सहयोग शिविर में ग्रामीणों ने आवेदन दिया था। इसके बाद जांच की प्रक्रिया भी पूरी की गई, बावजूद इसके अब तक पात्र लोगों को बासगीत पर्चा नहीं मिल सका है। उन्होंने प्रशासन से सभी पात्र लाभुकों को शीघ्र पर्चा उपलब्ध कराने की मांग की।

मामले में अंचलाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने दूरभाष पर बताया कि किसी भी पात्र व्यक्ति का बासगीत पर्चा नहीं रोका जाएगा। नियमानुसार जिन लोगों के आवेदन सही पाए जाएंगे, उनका पर्चा तैयार कर निर्गत किया जाएगा। मामला संज्ञान में आया है और जल्द ही ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा।

वहीं, ग्रामीणों ने ठाकुरगंज विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल से भी इस मामले में पहल करने की उम्मीद जताई। ग्रामीणों का कहना है कि जिस तरह ठाकुरगंज अंचल में अन्य लोगों को बासगीत पर्चा उपलब्ध कराया गया है, उसी तरह तातपौआ पंचायत के वार्ड संख्या 8 एवं 5 के पात्र परिवारों को भी विधायक के प्रयास से जल्द पर्चा दिलाने की पहल की जानी चाहिए।

आरपीएफ की ईमानदारी ने जीता यात्रियों का भरोसा, ट्रेन में छूटे बैग लौटाए

महाबोधि एक्सप्रेस से मिले बैग में सोने के आभूषण, रोलेक्स घड़ी और 20 हजार रुपये नकद समेत सात लाख का सामान सुरक्षित लौटाया

समाज जागरण पारस नाथ दुबे। डेहरी। रोहतास।



डेहरी ऑन सोन (रोहतास)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सतर्कता और ईमानदारी से ट्रेन में छूटे यात्रियों के कीमती सामान सुरक्षित वापस मिल गए। आरपीएफ अनुग्रह नारायण रोड की टीम ने दो अलग-अलग मामलों में ट्रेनों में छूटे बैग बरामद कर संबंधित यात्रियों और उनके परिचितों को सुपुर्द किए। पहले मामले में महाबोधि एक्सप्रेस में एक यात्री का ब्राउन रंग का चमड़े का बैग छूट गया था। आरपीएफ ने बैग बरामद किया। उसमें सोने की चेन, तीन अंगूठियां, रोलेक्स घड़ी, 20 हजार रुपये नकद समेत अन्य सामान मौजूद था। बैग में रखे सामान की अनुमानित कीमत करीब सात लाख रुपये बताई गई। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद बैग यात्री शिव प्रसंग पांडेय को सौंप दिया गया।

वहीं, दूसरे मामले में एकात्मता एक्सप्रेस में छूटा पिट्ठू बैग आरपीएफ ने बरामद किया। बाद में बैग यात्री विनोद कुमार के मित्र प्रभात कुमार को सुपुर्द कर दिया गया। आरपीएफ की इस कार्रवाई से यात्रियों को राहत मिली। रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता और ईमानदारी की सराहना की जा रही है।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, आग में जल गए नाजमीन के अरमान; तीन घर राख

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



ठाकुरगंज प्रखंड के भातगांव पंचायत अंतर्गत भोकसरभीट्टा गांव के वार्ड संख्या-4 में रविवार की शाम अचानक लगी भीषण आग ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। अगलगी में मोहम्मद शाहिद, नाजिम और मोहम्मद मजबूर के मकान पूरी तरह जलकर राख हो गए। घरों में रखे कपड़े, बर्तन, अनाज, नकदी और अन्य घरेलू सामान के साथ लाखों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। सबसे दर्दनाक स्थिति मोहम्मद शाहिद के परिवार की है, जहां उनकी बेटी नाजमीन खातून की शादी अगले महीने होने वाली थी। शादी के लिए परिवार ने बड़ी मेहनत से कपड़े, जेवर और अन्य जरूरी सामान जुटाए थे, लेकिन अचानक लगी आग ने सारी तैयारियों को राख में बदल दिया।

प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, रविवार की शाम अचानक एक घर में आग लगी और देखते ही देखते आग ने आसपास के तीन मकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटें देखकर गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिवार के लोगों ने घरों से सामान निकालने का प्रयास किया, लेकिन आग की तेजी के कारण अधिकांश सामान नहीं बचाया जा सका।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण, पुलिस और एसएसबी जवान मौके पर पहुंचे। सभी ने मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया। सामूहिक प्रयास से आग पर काबू पा लिया गया, जिससे आसपास के अन्य घरों को इसकी चपेट में आने से बचा लिया गया। हालांकि, तब तक तीनों परिवारों की गृहस्थी जलकर नष्ट हो चुकी थी।

पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू

घटना के बाद पीड़ित परिवारों के सामने रहने और खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है। इस संबंध में ठाकुरगंज के अंचलाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद अंचल कर्मियों को मौके पर भेजा गया है। तीनों पीड़ित परिवारों को सरकारी प्रावधान के तहत 12-12 हजार रुपये चेक के माध्यम से मुआवजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जा रही है।

घटना के बाद गांव में शोक और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत सामग्री उपलब्ध कराने तथा उनकी स्थिति को देखते हुए हरसंभव सहायता देने की मांग की है।

छाई रोड बचाने के लिए आंदोलन करेगी अरमान डेहरी, डालमियानगर क्लब में हुई सभा

सार्वजनिक रास्ते की बिक्री और दाखिल-खारिज को लेकर लोगों में आक्रोश, आंदोलन के जरिए प्रशासन तक पहुंचाएंगे आवाज

समाज जागरण पारस नाथ दुबे। डेहरी। रोहतास।



डेहरी (रोहतास)। डालमियानगर स्थित सार्वजनिक छाई रोड की बिक्री के विरोध में स्थानीय लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सार्वजनिक रास्ते को बचाने के लिए अरमान डेहरी की ओर से डालमियानगर क्लब में सभा आयोजित की गई। इसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर सड़क बचाने के लिए आंदोलन करने का संकल्प लिया।

बताया गया कि कंपनी के लिक्विडेटर के माध्यम से डालमियानगर छाई रोड की बिक्री को लेकर विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। हालांकि, उसमें खाता-खेसरा का स्पष्ट विवरण नहीं होने के कारण लोगों को जमीन की वास्तविक स्थिति की जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में अंचलाधिकारी डेहरी की ओर से उक्त जमीन के दाखिल-खारिज की आम सूचना प्रकाशित होने पर लोगों को पता चला कि डालमियानगर से डेहरी-पटना पथ को जोड़ने वाली सड़क की नीलामी कर दी गई है।

सभा को संबोधित करते हुए अरमान डेहरी के अध्यक्ष डॉ. रामनाथ सिंह ने कहा कि यह रास्ता करीब 80 वर्षों से आम लोगों के आवागमन के लिए उपयोग में है। सार्वजनिक रास्ते की बिक्री और किसी निजी व्यक्ति के नाम दाखिल-खारिज पर उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर अंचलाधिकारी से लेकर जिलाधिकारी तक शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

कॉमरेड ब्रजमोहन सिंह ने कहा कि लोगों को अब तक यह जानकारी नहीं थी कि जिस रास्ते से वे प्रतिदिन आवागमन करते हैं, उसकी बिक्री हो चुकी है। ऐसे में आम लोगों को जागरूक करना जरूरी है।

पूर्व विधायक सोम प्रकाश ने कहा कि मुख्य सड़क से जोड़ने वाले सार्वजनिक रास्ते की बिक्री होना गंभीर मामला है। यदि रास्ता बंद हुआ तो हजारों लोगों का आवागमन बाधित होगा और हजारों एकड़ जमीन प्रभावित होगी।

ललित सिन्हा ने कहा कि यदि आज इस रास्ते को नहीं बचाया गया तो आने वाली पीढ़ियां इसके लिए जवाब मांगेंगी। वहीं आरके सिंह ने पूरे डेहरी-डालमियानगर क्षेत्र में नुक्कड़ सभाएं आयोजित कर लोगों को आंदोलन से जोड़ने पर जोर दिया।

सभा में उपस्थित लोगों ने सार्वजनिक रास्ते को बचाने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने और प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग उठाई।

मां भलुनी भवानी मंदिर चोरी मामले में बड़ी कार्रवाई, पांच पुलिसकर्मी निलंबित

मंदिर की सुरक्षा में लापरवाही बरतने पर पदाधिकारी समेत पांच पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

समाज जागरण

डेहरी (रोहतास)। दिनारा थाना क्षेत्र स्थित मां भलुनी भवानी मंदिर में हुई चोरी के मामले में पुलिस प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरतने के आरोप में पदाधिकारी समेत पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, 21 नवंबर 2026 की रात मंदिर में चोरी की घटना हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी तय की गई। इसके बाद पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की कार्रवाई की गई। निलंबित पुलिसकर्मियों में पु०अ०नि० शंभू शरण पासवान, सिपाही संख्या 1629 सुनील कुमार पासवान, सिपाही संख्या 1757 गौतम कुमार दास, महिला सिपाही संख्या 1252 सिकांति कुमारी तथा पु०अ०नि० कन्हैया चौहान शामिल हैं। मंदिर में हुई चोरी की घटना के बाद पुलिस प्रशासन की इस कार्रवाई से विभाग में हलचल है।

युवा जदयू की औरंगाबाद जिला कमेटी घोषित, जारी की गई 56 पदाधिकारियों की सूची

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)



नबीनगर (बिहार) जनता दल यूनाइटेड (जदयू) युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नीतीश पटेल के निदेर्शानुसार औरंगाबाद जिला युवा जदयू की नई जिला कमेटी का गठन किया गया है। युवा जदयू के जिलाध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ राजा बाबू ने नवमनोनीत जिला कमेटी की सूची जारी की है। घोषित सूची में कुल 56 पदाधिकारियों को अलग-अलग संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसमें 24 उपाध्यक्ष,22 महासचिव और 10 सचिव मनोनीत किया गया है।

नई कमेटी में जिले के रफीगंज, नवीनगर, ओबरा, देव, अंबा, मदनपुर, बारुण, गोह, हसपुरा और औरंगाबाद सहित विभिन्न क्षेत्रों के कार्यकताओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है। जिलाध्यक्ष ने सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों से संगठन को मजबूत करने और युवाओं को पार्टी से जोड़ने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई है।

पटना में अपराध की योजना बनाते एक बदमाश गिरफ्तार, दूसरा फरार देसी कट्टा और दो खोखा बरामद

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिला के मनेर थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव स्थित चर्च के समीप अपराध की योजना बना रहे एक बदमाश को मनेर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका दूसरा साथी पुलिस को चकमा देकर मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार बदमाश के पास से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर एक देसी कट्टा और दो खोखा भी बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से इलाके के अपराधियों में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, शेरपुर गांव निवासी शिवदयाल यादव के पुत्र पप्पू कुमार और उसके एक साथी के चर्च के समीप किसी बड़ी वारदात या अपराध की योजना बनाने की गुप्त सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलते ही दानापुर-2 के डीएसपी अमरेंद्र कुमार झा के निर्देश पर मनेर थानाध्यक्ष रजनीश कुमार ने पुलिस टीम के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर छापेमारी की। पुलिस की दबिश के दौरान पप्पू कुमार को पकड़ लिया गया, लेकिन अंधेरे या मौके का फायदा उठाकर उसका साथी भागने में सफल रहा। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने पप्पू कुमार से सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने शेरपुर रामपुर निवासी राकेश कुमार के घर पर छापेमारी की। घर की तलाशी के दौरान पुलिस ने एक देसी कट्टा और दो खोखा बरामद किए। हालांकि, इस दौरान एक अन्य युवक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया, जिसकी तलाश जारी है। इस पूरे मामले की पुष्टि करते हुए मनेर थानाध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि पप्पू कुमार को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि बदमाश किस घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

मनन कुमार मिश्रा निर्विरोध चुने गए, डेहरी के अधिवक्ताओं ने दी बधाई

बिहार राज्य विधिक परिषद के चुनाव में मिली सफलता, छठी बार भारतीय विधिज्ञ परिषद के अध्यक्ष रह चुके हैं मनन कुमार मिश्रा

समाज जागरण



डेहरी (रोहतास)। बिहार राज्य विधिक परिषद के संपन्न चुनाव में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा को सदस्यों ने निर्विरोध निर्वाचित किया। उनके निर्विरोध चुने जाने पर डेहरी अनुमंडल विधिक संघ के अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल है।

मनन कुमार मिश्रा के निर्विरोध चुने जाने पर डेहरी अनुमंडल विधिक संघ के पूर्व अध्यक्ष उमाशंकर पाण्डेय उर्फ मुटूर पाण्डेय सहित सैकड़ों अधिवक्ताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अधिवक्ताओं ने कहा कि यह विधिक क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने मनन कुमार मिश्रा के सफल कार्यकाल की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

नबीनगर : जनकपुर पोखरा के पास बाइक पर लदे 277 बोतल देशी टनाका शराब बरामद

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)



नबीनगर (बिहार)नगर पंचायत क्षेत्र नबीनगर में शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर जनकपुर पोखरा के पास से बाइक पर लदे 277 बोतल देशी टनाका शराब बरामद की है। पुलिस को देखकर तस्कर बाइक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बाइक को जब्त कर लिया है।

बताया जा रहा है कि पुलिस को सूचना मिली थी कि जनकपुर पोखरा के रास्ते बाइक पर शराब लेकर एक तस्कर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम ने इलाके में घेराबंदी कर दी पुलिस को देखते ही तस्कर बाइक छोड़कर भाग निकला। वहीं तलाशी के दौरान बाइक से 277 बोतल देशी टनाका शराब कुल 83.1 लीटर बरामद हुई।थानाध्यक्ष अक्षयवर सिंह ने बताया कि अज्ञात तस्कर के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

डीएवी पब्लिक स्कूल एनआइटी कैम्पस का छात्र बना एसआइपी एबेकस का राष्ट्रीय विजेता

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड



सरायकेला खरसावां (झारखंड) 23 नवंबर 2026: डीएवी पब्लिक स्कूल एनआइटी कैम्पस में छठी कक्षा का छात्र आदित्यपुर निवासी सिद्धांत सिंह एसआइपी एबेकस का राष्ट्रीय विजेता बना. उसे यह सम्मान कोची (केरल) में आयोजित वार्षिक एबेकस प्रतियोगिता में जीत के बाद प्रदान किया गया. यह जानकारी उसे प्रशिक्षण देने वाली एसआइपी एबेकस आदित्यपुर सेंटर की शिक्षिका प्रतिभा ओझा ने दी. उन्होंने सिद्धांत के पिता धर्मेंद्र कुमार मूल रूप से खगड़िया (बिहार) के हैं. यहां रेलवे के वरीय ट्रेन मैनेजर हैं. बताया कि एसआइपी (सोसिएबल इटेलेक्चुअल प्रोग्रेसिव) पद्धति की शुरूआत वर्ष 1997 में मलेशिया में केल्विन थाम ने की थी. भारत में इसका प्रचलन वर्ष 2003 से आरंभ हुआ. इसमें छह से 12 साल तक के बच्चों को अबेकस, ब्रेन जिम व स्पीड राइटिंग के माध्यम से एकाग्रता बढ़ाने का प्रशिक्षण दिया जाता है.

झारखंड में कौशल विकास से 3,044 युवाओं को मिली नौकरी, मुख्यमंत्री ने सौंपे नियुक्ति पत्र

अगले दो महीनों में 1,500 और युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य, देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों में मिला अवसर



दैनिक समाज जागरण , 23 नवंबर 2026 चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ), पूर्वी सिंहभूम-जमशेदपुर।

रांची। झारखंड में कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन सभागार में आयोजित मुख्यमंत्री कौशल एवं रोजगार सम्मान समारोह में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। अप्रैल से अक्टूबर 2026 के बीच राज्य के 3,044 युवाओं को रोजगार मिला है। सरकार ने नवंबर और दिसंबर में 1,500 और युवाओं को नौकरी दिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलती तकनीक के दौर में युवाओं के लिए कौशल विकास बेहद जरूरी है। हुनर और प्रशिक्षण के बल पर युवा आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं। प्रेझा फाउंडेशन के माध्यम से संचालित 34 प्रशिक्षण संस्थानों में 25 कल्याण गुरुकुल, आठ नर्सिंग कौशल कॉलेज और एक आईटीआई कौशल कॉलेज शामिल हैं। अब तक करीब 40 हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। रोजगार पाने वालों में कल्याण गुरुकुल के 2,014, नर्सिंग कॉलेजों के 746 और आईटीआई के 284 युवा शामिल हैं। इनमें एक हजार से अधिक युवाओं को विदेशों में भी रोजगार मिला है। सरकार ने भविष्य में प्रशिक्षण क्षमता बढ़ाकर प्रतिवर्ष 20 हजार युवाओं तक पहुंचाने की योजना बनाई है।

सरयू राय की अनुशंसा पर बिष्टुपुर में लगी सोलर लाइट, रामदास भट्ट गुरुद्वारा और धोबी घाट परिसर हुआ रोशन

रात में आवागमन होगा सुगम, स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को मिलेगी राहत; क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था भी होगी मजबूत*

दैनिक समाज जागरण 23.11.2026 चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ) पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर



जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय की अनुशंसा पर बिष्टुपुर क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। झारखंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (जरेडा) के माध्यम से बिष्टुपुर स्थित रामदास भट्ट गुरुद्वारा के समीप तथा रामदास भट्टा धोबी घाट परिसर में सोलर लाइट लगाई गई है। इन लाइटों के स्थापित होने से दोनों स्थानों पर अब रात के समय बेहतर रोशनी उपलब्ध होगी। इससे स्थानीय निवासियों, श्रद्धालुओं, धोबी घाट में आने-जाने वाले लोगों और राहगीरों को काफी सहूलियत मिलेगी। लंबे समय से क्षेत्र के इन दोनों स्थानों पर रात के समय पर्याप्त रोशनी की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अंधेरा रहने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी होती थी। विशेषकर शाम और रात के समय गुरुद्वारा आने वाले श्रद्धालुओं तथा धोबी घाट परिसर में काम करने वाले लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता था। स्थानीय लोगों की इस जरूरत को ध्यान में रखते हुए विधायक सरयू राय की अनुशंसा पर जरेडा के माध्यम से सोलर लाइट लगाने की व्यवस्था की गई। सोलर लाइट लगने से अब दोनों परिसरों में प्रकाश की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। इससे न केवल लोगों का आवागमन आसान होगा, बल्कि अंधेरे के कारण उत्पन्न होने वाली असुविधाओं में भी कमी आएगी। पर्याप्त रोशनी रहने से क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। खासकर रात के समय आने-जाने वाले लोगों को राहत मिलेगी। इस पहल को स्थानीय स्तर पर जनसुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। सोलर लाइट के माध्यम से बिजली की पारंपरिक व्यवस्था पर निर्भरता कम होने के साथ स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा मिलेगा। सौर ऊर्जा से संचालित होने वाली ये लाइटें पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर भाजपा बिष्टुपुर मंडल के पूर्व महामंत्री एवं बिष्टुपुर मंडल के जन सुविधा प्रतिनिधि सन्नी सिंह की उपस्थिति में स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत किया। मौके पर सतनाम सिंह, बलविंदर सिंह, सत्य, मनमीत सिंह, बंटी पाजी, लड़ी पाजी, कुलदीप सिंह, सुरेंद्र सिंह, राहुल रजक, संजय रजक, राजू रजक, पप्पू रजक, छोटू रजक, दीपू रजक, सिकंदर एवं पप्पू सहित अनेक स्थानीय लोग उपस्थित थे। स्थानीय लोगों ने कहा कि क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए इस तरह के प्रयास बेहद जरूरी हैं। प्रकाश की समुचित व्यवस्था होने से आम लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने दोनों स्थानों पर सोलर लाइट लगवाने की अनुशंसा करने के लिए विधायक सरयू राय के प्रति आभार व्यक्त किया। लोगों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी क्षेत्र की अन्य जनसमस्याओं के समाधान और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए इसी तरह सकारात्मक पहल जारी रहेगी।

पटना जिला बल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

दो साल पूरे कर चुके पुलिस पदाधिकारियों का तबादला

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिला पुलिस बल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने विभिन्न कार्यालयों और प्रतिष्ठानों में दो वर्ष की निर्धारित अवधि पूरी कर चुके पुलिस पदाधिकारियों का कार्यहित में दूसरे कार्यालयों में स्थानांतरण कर दिया है। इस कदम को प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और चुस्त-दुरुस्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जारी आदेश के अनुसार, अंचल निरीक्षक कार्यालय (बिक्रम और बिहटा) समेत कई महत्वपूर्ण शाखाओं में तैनात पदाधिकारियों का तबादला किया गया है। जिन कार्यालयों और शाखाओं में फेरबदल हुआ है, उनमें सीसीटीएनएस, एएलटीएफ, लेखा शाखा, अभियोजन कोषांग, बल शाखा, अपराध शाखा, गोपनीय शाखा और डीसीबी शाखा प्रमुख रूप से शामिल हैं। इस प्रशासनिक फेरबदल में पुलिस अवर निरीक्षक (एसआई) और सहायक पुलिस अवर निरीक्षक (एएसआई) स्तर के पदाधिकारी शामिल हैं। लंबे समय से एक ही स्थान या शाखा में पदस्थापित पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, ताकि विभागीय कार्यों में नई गति और पारदर्शिता लाई जा सके। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा द्वारा जारी आदेश में सभी स्थानांतरित पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे बिना किसी विलंब के अपने-अपने नए कार्य स्थलों पर योगदान दें। प्रशासनिक स्तर पर यह बदलाव नियमित कार्यप्रणाली और बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है।

पटना में एम्स गोलंबर के पास डिवाइडर से टकराई बाइक

अधिवक्ता की मौके पर मौत; बेटे से मिलने जा रहे थे अखिलेश प्रसाद

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश



पटना/ जिले के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के एम्स गोलंबर के पास सोमवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार अधिवक्ता अखिलेश प्रसाद (55) की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, वह बाइक से पटना के जगदेव पथ स्थित अपने बेटे के पास जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एम्स गोलंबर के समीप उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उन्हें संभलने तक का मौका नहीं मिला और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। मृतक की पहचान दुल्हिनबाजार थाना क्षेत्र के दिहुली गांव निवासी अखिलेश प्रसाद के रूप में की गई है। वह दुल्हिनबाजार के नरहीं पिरही पंचायत में न्याय मित्र के पद पर कार्यरत थे, साथ ही स्थानीय स्तर पर अधिवक्ता के रूप में भी उनकी पहचान थी। सोमवार की सुबह वह घर से निकले थे और अपने बेटे से मिलने जगदेव पथ जा रहे थे। लेकिन एम्स गोलंबर के पास पहुंचते ही यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर बन गया। पत्नी शोभा देवी ने बताया कि सोमवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे उन्हें सड़क दुर्घटना में पति की मौत होने की सूचना मिली। यह खबर सुनते ही परिवार के लोग बदहवास हो गए। बताया गया कि अखिलेश प्रसाद के परिवार में दो बेटियां और एक बेटा हैं। अचानक हुई इस हृदयविदारक घटना से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेज दिया। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। इस दर्दनाक हादसे के बाद दिहुली गांव और मृतक के परिचितों के बीच शोक की लहर दौड़ गई है तथा गांव के लोग स्तब्ध हैं।

वास्तु बिहार परिसर में भीषण अगलगी, दो कारें जलकर राख, तीसरी क्षतिग्रस्त

कचरे के ढेर में लगी आग की चिंगारी से वाहनों तक पहुंची लपटें, परिसर में मची अफरा - तफरी; स्थानीय लोगों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

दैनिक समाज जागरण 23.11.2026 चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ) पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर एमजीएम थाना क्षेत्र स्थित वास्तु बिहार परिसर में अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि परिसर में खड़ी तीन कारें इसकी चपेट में आ गईं। इनमें दो कारें पूरी तरह जलकर राख हो गईं, जबकि एक अन्य कार को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। इस घटना में वाहन मालिकों को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। हालांकि, राहत की बात यह रही कि अगलगी की इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, वास्तु बिहार परिसर में कचरे का ढेर जमा था। इसी कचरे के ढेर में अचानक आग लग गई। आशंका जताई जा रही है कि कचरे में लगी आग से निकली चिंगारी पास में खड़ी कारों तक पहुंच गई, जिसके बाद वाहनों में आग लग गई। शुरूआत में आग सीमित क्षेत्र में थी, लेकिन देखते ही देखते उसने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास खड़े अन्य वाहनों के भी इसकी चपेट में आने का खतरा पैदा हो गया।



वाहनों से आग की ऊंची-ऊंची लपटें और धुएं का गुबार उठता देख परिसर में रहने वाले लोगों के बीच हड़कंप मच गया। अचानक हुई इस घटना से लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। कुछ देर के लिए पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों को आशंका थी कि यदि आग पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो आसपास खड़े अन्य वाहन और संपत्ति भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। इसके बाद स्थानीय लोग एकजुट हुए और अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। लोगों ने काफी मशक्कत करते हुए आग को फैलने से रोकने की कोशिश की। सामूहिक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि, तब तक काफी देर हो चुकी थी। आग की चपेट में आई दो कारें पूरी तरह जल चुकी थीं, जबकि तीसरी कार का भी कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद परिसर में जली हुई गाड़ियों का मलबा और आसपास फैली राख अगलगी की भयावहता बयां कर रही थी। इस अगलगी ने एक बार फिर आवासीय परिसरों में कचरे के उचित निस्तारण और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि कचरे के ढेर में लगी आग समय रहते नहीं बुझाई जाती तो यह घटना और भी गंभीर रूप ले सकती थी। आसपास खड़ी अन्य गाड़ियां और परिसर की संपत्ति भी इसकी चपेट में आ सकती थीं। स्थानीय लोगों की तत्परता के कारण आग को आगे फैलने से रोकने में मदद मिली।

घटना के बाद प्रभावित वाहन मालिकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। हालांकि, फिलहाल नुकसान की वास्तविक राशि का आकलन नहीं हो पाया है। वहीं, आग लगने का सटीक कारण भी अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। कचरे के ढेर में आग कैसे लगी, क्या इसके पीछे किसी की लापरवाही थी और आग वाहनों तक किन परिस्थितियों में पहुंची, इन सभी बिंदुओं की जानकारी जुटाई जा रही है।

फिलहाल मामले में पुलिस जांच की बात सामने आई है। जांच के बाद ही अगलगी के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। इस घटना के बाद परिसर के निवासियों के बीच सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों का मानना है कि आवासीय परिसरों में कचरे का नियमित उठाव, उसका उचित निस्तारण और अग्नि सुरक्षा के जरूरी इंतजाम सुनिश्चित किए जाने चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मां के निधन से शोक में डूबा मुंडा परिवार, अर्जुन मुंडा की मां को नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

93 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, अमित शाह, राजनाथ सिंह और हेमंत सोरेन समेत कई दिग्गज नेताओं ने फोन पर जताया शोक

दैनिक समाज जागरण 23.11.2026 चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ) पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की पूजनीय माताजी का 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से परिवार, शुभचिंतकों और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। सोमवार को जमशेदपुर में गमगीन माहौल के बीच उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस दौरान झारखंड के विभिन्न जिलों से पहुंचे जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, उद्योग जगत की हस्तियों और बड़ी संख्या में शुभचिंतकों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। मां के निधन से अर्जुन मुंडा और उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। माताजी के साथ उनका गहरा भावनात्मक और आत्मीय संबंध रहा था। उनके जीवन में मां का स्नेह, आशीर्वाद और संस्कार हमेशा प्रेरणा का आधार रहे। सार्वजनिक जीवन की व्यस्तताओं और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के बावजूद अर्जुन मुंडा का अपनी मां के प्रति आदर और समर्पण सदैव बना रहा। 93 वर्षों की जीवनयात्रा पूरी कर उनके दुनिया से विदा होने को परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है।



इस दुखद घड़ी में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दूरभाष के माध्यम से अर्जुन मुंडा से बातचीत कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की।

राजनीतिक जगत की दिग्गज हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

अंतिम संस्कार में झारखंड विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और चंपई सोरेन, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो, जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा, पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, कृष्णा मार्डी, रविंद्र राय और गीता कोड़ा शामिल हुए।

इसके अलावा पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, बड़कुंवर गागराई, दुलाल भुइयां, रामचंद्र सहिस, गोपाल कृष्ण पातर, पूर्व विधायक दशरथ गागराई, घाटशिला विधायक सोमेश चंद्र सोरेन, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा दास साहू, जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय, ईचागढ़ विधायक सविता महतो, पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय, अरविंद सिंह, लक्ष्मण टुडू, गुरुचरण नायक और शिवशंकर उरांव ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर आदित्यपुर के महापौर संजय सरदार, उपमहापौर अंकुर सिंह, पूर्व विधान पार्षद प्रवीण सिंह, बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल सारंगी और अमरप्रीत सिंह काले सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा संगठन और औद्योगिक जगत की हस्तियां भी पहुंचीं

भाजपा के संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी, जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा, ग्रामीण अध्यक्ष सत्य तिवारी, चाईबासा जिलाध्यक्ष गीता बालमुचू और सरायकेला -खरसावां जिलाध्यक्ष हरेकृष्ण प्रधान सहित कई पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि दी। औद्योगिक एवं व्यावसायिक जगत से टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट डीवी सुंदररमम, उद्यमी आरके अग्रवाल, आर. शाह, एसके बेहरा, दिलीप गोयल, इंद्र अग्रवाल, टाटा मोटर्स के एचआर हेड प्रणव कुमार, टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के महामंत्री आरके सिंह, अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद और इंटक नेता राकेश्वर पांडेय भी अंतिम विदाई देने पहुंचे। इसके अतिरिक्त भारत मुंडा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एतवा मुंडा, ओडिशा से पहुंचे रविंद्र सिंह मुंडा एवं नाथो सिंह मुंडा, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी जेबी तुबिद, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एसके पाल तथा झामुमो जमशेदपुर के जिलाध्यक्ष विक्टर सोरेन समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम विदाई के दौरान उपस्थित लोगों ने अर्जुन मुंडा और उनके परिजनों को सांत्वना दी। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मां का स्नेह, त्याग, संस्कार और आशीर्वाद जीवन की ऐसी अमूल्य धरोहर हैं, जिनकी स्मृतियां कभी समाप्त नहीं होतीं। माताजी द्वारा दिए गए संस्कार और उनकी यादें अर्जुन मुंडा के जीवन में सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी।

पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों की भूमिका पर कॉलेज में विशेष व्याख्यान आयोजित

गिद्धों के संरक्षण और सांपों की उपयोगिता पर विशेषज्ञ ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

पंकज कुमार पाठक, समाज जागरण



पदमा (हजारीबाग), 23 नवंबर। मां विंध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुके शन के मल्टीपरपज हॉल में पर्यावरण जागरूकता को लेकर दो विशेष सत्रों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के संस्थाध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार मेहता एवं प्लस टू आर.एन. हाई स्कूल, पदमा के शिक्षक मधुसूदन सिंह ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता न्यू ह्यूमन फाउंडेशन, हजारीबाग के वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ मुरारी सिंह ने पहले सत्र में प्रशिक्षु विद्यार्थियों को गिद्धों की विभिन्न प्रजातियों, पर्यावरण संतुलन में उनकी भूमिका तथा घटती आबादी के कारणों की जानकारी दी। उन्होंने गिद्ध संरक्षण के लिए फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे प्रयासों और आम नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी प्रकाश डाला। दूसरे सत्र में उन्होंने प्राध्यापकों एवं प्रशिक्षुओं को पर्यावरण में सांपों के महत्व, विषैले एवं विषहीन सांपों की पहचान तथा सर्पदंश से बचाव और प्राथमिक उपचार के व्यावहारिक उपाय बताए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जितेंद्र झा ने किया। मौके पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षु विद्यार्थी उपस्थित थे।

पाटलिपुत्र जंक्शन के पश्चिमी गेट पर छापेमारी

41 ग्राम हेरोइन के साथ दंपत्ति गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के रूपसपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पाटलिपुत्र जंक्शन के पश्चिमी गेट के पास छापेमारी की और 41 ग्राम हेरोइन के साथ एक दंपत्ति को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान चंदर राय और उसकी पत्नी चंदा कुमारी के रूप में हुई है। दोनों वैशाली जिले के राजापाकड़ अंतर्गत बिदुपुर आरएस के अंधरवारा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष शशि भूषण सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक दंपत्ति बैग में हेरोइन लेकर तस्करी के उद्देश्य से पाटलिपुत्र जंक्शन के पश्चिमी गेट के समीप पहुंचा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर छापेमारी की और दोनों पति-पत्नी को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उनके बैग में छिपाकर रखी गई 41 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। हेरोइन बरामदगी के बाद रूपसपुर पुलिस ने गिरफ्तार चंदर राय और चंदा कुमारी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया।

आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस इस बात की भी छानबीन कर रही है कि यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे किसे सौंपा जाना था, साथ ही तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पटना में व्हाइट कोट की गरिमा, चरक शपथ की प्रतिज्ञा

250 एमबीबीएस छात्रों ने शुरू किया चिकित्सा का नया सफर

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश



पटना/ डॉक्टर बनने की राह पर पहला कदम बढ़ाते हुए 250 नवप्रवेशित एमबीबीएस विद्यार्थियों ने सोमवार को व्हाइट कोट पहनकर सेवा, समर्पण और मानवता का संकल्प लिया। अमहारा स्थित नेताजी सुभाष मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में आरोहण-2026 के तहत ओरिएंटेशन कार्यक्रम और व्हाइट कोट समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने महर्षि चरक शपथ ग्रहण कर चिकित्सा पेशे की नैतिक मर्यादाओं का पालन करने तथा मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और सहानुभूति रखने का प्रण लिया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेन्द्र मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति एवं आईजीआईएमएस पटना के निदेशक प्रो. (डॉ.) बिंदेय कुमार विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। समारोह के माध्यम से नए विद्यार्थियों को चिकित्सा क्षेत्र की गरिमा, सामाजिक जिम्मेदारियों और मानवीय मूल्यों से परिचित कराया गया। व्हाइट कोट समारोह के जरिए विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि डॉक्टरी का पेशा केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मरीजों के प्रति संवेदना, सेवा भाव, अनुशासन और नैतिक दायित्व निभाने की भी बड़ी जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने छात्रों को अकादमिक पढ़ाई के साथ-साथ अपने व्यवहार और कार्यशैली में मानवीय संवेदनाओं को अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह आयोजन संस्थान के प्रबंध निदेशक कृष्ण मुरारी सिंह, प्राचार्य प्रो. (डॉ.) हरिहर दीक्षित, डीन डॉ. संजय कुमार तथा फाइनेंस रजिस्ट्रार एवं छात्रावास अधीक्षक पवन कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। मौके पर कॉलेज प्रबंधन के सदस्य, संकाय सदस्य और अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। इस समारोह ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों के चिकित्सा सफर की शुरूआत को सेवा और कर्तव्यनिष्ठा के भाव से जोड़ दिया।

पटना में हुए अधिवक्ता की मौत पर कुशवाहा महासभा के राष्ट्रीय महासचिव ने किया शोक प्रकट

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिला के फुलवारी शरीफ थाना अंतर्गत एम्स गोलंबर के पास सड़क हादसे में दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के दिहुली गांव निवासी पेशे से अधिवक्ता 55 वर्षीय अखिलेश प्रसाद की मौत सोमवार को हो गयी। वे एक सामाजिक व्यक्ति थे। वे 2006 में पंचायती राज चुनाव के दौरान नरही पिरहि पंचायत में सरपंच के पद के लिए चयनित होकर सफलता पूर्वक पद की गरिमा बनाये हुए कार्यरत रहे। वे बीच मे कुशवाहा महासभा से जुड़कर समाजिक कार्यो में अग्रणी भूमिका निभाया। अभी वे दिहुली उच्च विद्यालय में एक सदस्य के रूप में कार्य कर रहे थे। साथ ही वे एक अधिवक्ता थे और नरही पिरहि पंचायत में न्याय मित्र के पद पर कार्यरत थे। उनके मृत्यु की खबर मिलते ही गांव तथा आसपास के इलाके में शोक व्याप्त है। अखिलेश प्रसाद की मृत्यु की खबर सुनकर शीघ्र ही कुशवाहा महासभा के राष्ट्रीय महा सचिव डॉ. शक्ति कुमार शोला ने मृतक के घर पहुंचे तथा शोक प्रकट किया। साथ ही पीड़ित परिवार को सांत्वना दिया। ज्ञात हो कि अधिवक्ता अखिलेश प्रसाद सोमवार की सुबह अपने बेटे से मिलने पटना के जगदेव पथ जाने के लिए बाइक पर सवार होकर निकले थे। इसी दौरान पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के एम्स गोलम्बर के पास सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। उनका बेटा पटना के जगदेव पथ में रहकर पढ़ाई लिखाई करता है।

मेडिकल जांच और कोर्ट में बयान से पहले शिक्षिका की संदिग्ध मौत, कई सवाल खड़े

स्कूल संचालक पर शादी का झांसा देकर शोषण करने का लगाया था आरोप, आरोपी जेल में बंद

समाज जागरण, पटना जिला संवाददाता : वेद प्रकाश

पटना। बिहार के बिहटा थाना क्षेत्र के गोखुलपुर गांव में सोमवार को यौन शोषण की शिकायत करने वाली एक शिक्षिका का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। वह अपने मामा के घर रह रही थी। खास बात यह है कि सोमवार को ही उसकी मेडिकल जांच और न्यायालय में बयान दर्ज होना था। इससे पहले हुई मौत से कई सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों के अनुसार, शिक्षिका ने सुबह अपने छोटे भाई के साथ खाना खाया था। इसके बाद वह कमरे में सोने चली गई। कुछ देर बाद भाई जगाने पहुंचा तो उसका शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल टीम से घटनास्थल की जांच कराई और शव को पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार, शिक्षिका बिहटा



के डीएन पब्लिक स्कूल में तीन वर्षों से पढ़ा रही थी। उसने 21 नवंबर को स्कूल संचालक देव कुमार मेहता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि संचालक ने शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया और बाद में कोर्ट मैरिज की बात पर अपने पहले से शादीशुदा होने की जानकारी दी। पुलिस ने 22 नवंबर को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। दानापुर डीएसपी-2 अमरेंद्र कुमार झा ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट होंगे।